हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार | 14 दिसंबर 2024 | वर्ष : 02 अंक : 208 | पृष्ठ - 14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकतंत्र को नष्ट करने की भाजपा की चाल :संजय राउत

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनावलोकतंत्र को नष्ट करने की भाजपा की चाल है और पार्टी अपने स्वार्थीउद्देश्य के लिए इस विधेयक पर जोर दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान संशोधन विधेयक को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। राउत ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि भाजपा अपने स्वार्थी उद्देश्य के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव पर जोर दे रही है।उन्होंने कहा, एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट करने की चाल है। उन्होंने कहा कि राज्य और राष्ट्र से संबंधित मुद्दे अलग-अलग होते हैं और लोगों को उसी के अनुसार मतदान करना होता है। राउत ने महाराष्ट्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, आपने अभी तक बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) के चुनाव नहीं कराए हैं।

प्रयागराज में बोले पीएम मोदी, भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश, महाकुंभ की पूरी दुनिया में होगी चर्चा

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। मैं इस आयोजन की भव्य और दिव्य सफलता की आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं।

एजेंसी

नई दिल्ली:प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को 2025 के महाकुंभ के लिए शहर के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में सुधार के लिए 5,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करने से पहले संगम नोज पहुंचे और पूजा की। प्रधान मंत्री ने गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के पवित्र संगम पर औपचारिक पूजा और दर्शन के साथ यात्रा शुरू की। पूजा से पहले मोदी ने नदी की यात्रा की। पूजा में प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।मोदी ने कहा कि प्रयागराज में संगम की इस पावन भूमि को मैं श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूं। महाकुंभ में पधार रहे सभी साधु-संतों को भी नमन करता हूं। महाकुंभ को सफल बनाने के लिए दिनरात परिश्रम कर रहे कर्मचारियों का, श्रमिकों और सफाईकर्मियों का मैं विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि विश्व का इतना बड़ा आयोजन, हर रोज लाखों श्रद्धालुओं

के स्वागत और सेवा की तैयारी, लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महायज्ञ, एक नया नगर बसाने के महा अभियान के माध्यम से प्रयागराज की इस धरती पर एक नया इतिहास रचा जा रहा है।प्रधानमंत्री ने कहा कि ये एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। मैं इस आयोजन की भव्य और दिव्य सफलता की आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है। ये गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी और नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। उन्होंने कहा कि इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है, जो महात्म्य है, उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका संयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप ये प्रयाग है। प्रयाग वो है, जहां पग-पग पर पवित्र स्थान हैं, जहां पग-पग पर पुण्य क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि ये केवल तीन पवित्र नदियों का ही संगम नहीं है। प्रयाग के बारे में कहा गया है : 'माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई।।' अर्थात जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं, सभी दैवीय शक्तियां, सभी तीर्थ, सभी ऋषि, महाऋषि प्रयाग में आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि ये वो स्थान जिसके प्रभाव के बिना पुराण पूरे नहीं होते। प्रयागराज वो स्थान है, जिसकी प्रशंसा वेद की ऋचाओं में की गई है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। मोदी ने कहा कि किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुंभ, मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। ये चेतना स्वतः जागृत होती है।

हम सिर झुकाते हैं, कई विपक्षी नेता अपनी जेब में रखते हैं

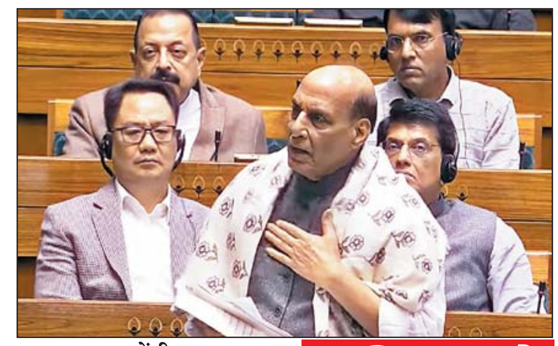

संविधान को लेकर जब कांग्रेस पर बरसे राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली:रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला और कहा कि विपक्ष के नेता अपनी जेब में संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं। लोकसभा में दो दिवसीय भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा के दौरान बहस की शुरूआत करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि संविधान के निर्माण में कई नेताओं के योगदान को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक विशेष पार्टी ने हमेशा संविधान के निर्माण हाईजैक करने की कोशिश की है।राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने कई मौकों पर संविधान और उसकी भावना का अपमान किया है।' यह संस्थानों की स्वतंत्रता और स्वायत्तता को बर्दाश्त नहीं कर सका। इसने सदैव संविधान के मूल सिद्धांतों को नष्ट करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि इनसे संविधान की रक्षा की बात उठना उचित नहीं लगता। आजकल मैं देखता हूं कि कई विपक्षी नेता संविधान को अपनी जेब में रखते हैं। दरअसल, उन्होंने बचपन से यही सीखा है, उन्होंने अपने परिवारों को पीढ़ियों तक संविधान को अपनी जेब में रखते देखा है। सिंह ने कहा कि लेकिन भाजपा हमेशा संविधान के सामने झुकती है और उसने संस्थानों की स्वतंत्रता और स्वायत्तता के साथ कभी खिलवाड़ नहीं किया है। उन्होंने बताया कि संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता की बात की गई है और यह निर्दिष्ट किया गया है।

केजरीवाल को हराने के लिए भाजपा ने तैयार कर लिया धांसू प्लान, इन लोगों पर कर रही पूरा फोकस

एजेंसी

नई दिल्ली:झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों की समस्याओं को समझने और संबोधित करने के लिए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अगले साल की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले दिल्ली भर में संवाद सत्र आयोजित कर रही है। झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग दिल्ली में मतदाताओं का एक महत्वपूर्ण वर्ग हैं और व्यापक रूप से माना जाता है कि वे ज्यादातर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली अअढ के मतदाता हैं।दिल्ली भाजपा के महासचिव विष्णु मित्तल, जो झुग्गी बस्तियों में व्यापक पहुंच अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, ने चांदनी चौक में 'पीली कोठी' में एक कोने की बैठक में समुदाय के साथ बातचीत की। एक कप चाय के साथ एक अनौपचारिक सेटिंग में, मित्तल ने झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि भाजपा पानी, स्वच्छता और बिजली से संबंधित उनकी समस्याओं का समाधान करेगी।

अगर पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध रोक दिया तो...बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर उद्धव ठाकरे ने साधा निशाना

एजेंसी

महाराष्ट्र:शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर सवाल उठाया। ठाकरे ने कहा कि अगर पीएम मोदी ने भारतीय छात्रों को वापस लाने के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध रोका, तो उन्हें बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार भी रोकना चाहिए। ठाकरे ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा कि अगर पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध रोक दिया, तो उन्हें बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार भी रोकना चाहिए। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि भगवा पार्टी का हिंदुत्व सिर्फ वोट के लिए है। शिवसेना यूबीटी प्रमुख ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में सुरक्षित हैं,

लेकिन पड़ोसी देश में हिंदुओं का क्या? उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों को तोड़ा जा रहा है, जहां पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से हिंदुओं को हिंसक हमलों का सामना करना पड़ा है। ठाकरे, जो महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं, ने प्रधान मंत्री से संसद को उन कदमों से अवगत कराने का आग्रह किया जो भारत पड़ोसी देश में हिंदुओं की रक्षा के लिए उठा रहा है। इस बीच, इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने इंडिया टुडे को बताया कि बांग्लादेश में लोगों को जबरन दूसरे धर्म में परिवर्तित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरे धर्म में परिवर्तित होने के इच्छुक नहीं हैं, उन्हें तलवारों से ऐसा करने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने बांग्लादेश में वर्तमान में सत्ता में बैठे लोगों पर लोगों को गुमराह करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने उस लड़की के बारे में भी बात की जो बांग्लादेश में धमकी मिलने के बाद नदी पार करके भारत आ गई थी। दास ने भारत सरकार से उन्हें नागरिकता देने और उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया।

अद्भुत, अप्रतिम, बहन प्रियंका के पहले भाषण पर संसद में गदगद दिखे राहुल गांधी, दिया कुछ इस तरह का रिएक्शन

एजेंसी

नई दिल्ली:लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पहले भाषण को उनके भाई, सदन में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी के साथ-साथ पार्टी के अन्य नेताओं से जोरदार समर्थन मिला। प्रियंका के भाषण के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा कि उनकी बहन का पहला लोकसभा संबोधन एक नए सांसद के रूप में सदन में उनके पहले भाषण से बेहतर था। राहुल गांधी 2004 में पहली बार सांसद बने। गांधी ने लोकसभा के बाहर मीडियाकर्मियों से कहा कि अद्भुत भाषण। मेरे पहले

भाषण से बेहतर। वायनाड से नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका ने आज पहली बार राष्ट्रीय एकता, महिला सशक्तिकरण और भारत के संविधान की सुरक्षा की आवश्यकता पर केंद्रित संदेश के साथ सदन को संबोधित किया।कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी तथा सरकार पर तीखा प्रहार किया और दावा किया कि यदि लोकसभा चुनाव के नतीजे इस तरह के नहीं होते तो यह सरकार संविधान बदलने का काम करती। उन्होंने लोकसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा में भाग लेते हुए सरकार पर भय फैलाने का आरोप लगाया और कटाक्ष करते हुए कहा कि शायद प्रधानमंत्री यह समझ नहीं पाए हैं कि संविधान संघ का विधान नहीं है।

खराब किया जा रहा देश का माहौल, अखिलेश यादव का बड़ा ऐलान- मौका मिलेगा तो हम जातिगत जनगणना कराएंगे

एजेंसी

नई दिल्ली:लोकसभा में संविधान पर बहस को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ सरकार के फैसलों के कारण देश में असमानता बढ़ी है और कहा कि धर्मनिरपेक्षता को मजबूत किया जाना चाहिए। भारतीय संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान लोकसभा में समाजवादी पार्टी सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि यह संविधान हमारी ढाल है, हमारी सुरक्षा है, यह हमें समय-समय पर शक्ति प्रदान

करता है। संविधान शोषित, उपेक्षित, पीड़ित और वंचितों के अधिकारों का सच्चा संरक्षक है। सपा नेता ने कहा कि यह संविधान बहुत बड़ा सहारा है। हमारे जैसे लोगों और देश के कमजोर लोगों के लिए, खासकर ढऊअ के लिए संविधान बचाना जीवन-मरण का सवाल है। उन्होंने दावा किया कि देश के अल्पसंख्यकों और विशेषकर मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास हो रहा है, उन पर हमला किया जा रहा है, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। सपा नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर इस तरह की घटनाएं जानबूझकर की गईं और विधानसभा उपचुनाव के समय लोगों को मतदान से रोका गया। यादव ने कहा कि संविधान ने ही विविधताओं से भरे इस देश को एक सूत्र में बांधकर रखा है।

महाराष्ट्र के कैबिनेट गठन में हस्तक्षेप नहीं करेगा भाजपा नेतृत्व, देवेंद्र फडणवीस को मिली खुली छूट

एजेंसी

महाराष्ट्र: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कथित तौर पर महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के गठन के संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को खुली छूट दे दी है। प्रोफाइल और विभाग आवंटित करने की जिम्मेदारी फडणवीस की ही होगी। राज्य सरकार के लिए महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार 14 दिसंबर को होगा। एनसीपी के एक सदस्य के अनुसार, बीजेपी को 20 मंत्री पद मिलने की उम्मीद है, जबकि शिवसेना और एनसीपी को 10-10 विभाग मिलने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र के नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है और कहा कि महाराष्ट्र भी विकास की कहानी का हिस्सा बनने की इच्छा रखता है। फडणवीस ने कहा कि उनके मंत्रिमंडल में भाजपा के संभावित मंत्रियों के नाम शॉर्टलिस्ट कर लिए गए हैं और अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। पिछले महीने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने भारी जीत दर्ज की थी। भाजपा-शिवसेना-राकांपा गठबंधन ने 230 सीटें जीतीं, जबकि गठबंधन का हिस्सा छोटे दल पांच सीटों पर विजयी रहे।विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन 288 सदस्यीय विधानसभा में 46 सीटों तक सीमित था।

लाल किला मेरा है! बहादुर शाह जफर की पौत्र वधू ने ठोका दावा, कोर्ट ने कहा- 150 साल बाद याद आई

एजेंसी

नई दिल्ली:दिल्ली हाई कोर्ट ने मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर-द्वितीय के परपोते की विधवा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते लाल किले पर कब्जा करने की मांग की थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विभू बाखरू और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने एचसी एकल न्यायाधीश के दिसंबर 2021 के फैसले के खिलाफ सुल्ताना बेगम की अपील को खारिज कर दिया, यह देखते हुए कि चुनौती ढाई साल से अधिक की देरी के बाद दायर की गई थी, जो माफ नहीं किया जा सका।

बेगम ने कहा कि वह अपनी खराब स्वास्थ्य स्थिति और अपनी बेटी के निधन के कारण अपील दायर नहीं कर सकीं। हम उक्त स्पष्टीकरण को अपर्याप्त पाते हैं, यह देखते हुए कि देरी

ढाई साल से अधिक की है। याचिका को भी कई दशकों तक अत्यधिक विलंबित होने के कारण खारिज कर दिया गया था। देरी की माफी के लिए आवेदन खारिज कर दिया गया है। नतीजतन, अपील भी खारिज की जाती है। यह सीमा से वर्जित है। 20 दिसंबर, 2021 को एकल न्यायाधीश ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा अवैध रूप से लिए गए लाल किले पर कब्जा करने की मांग करने वाली बेगम की याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि 150 से अधिक वर्षों के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाने में अत्यधिक देरी का कोई औचित्य नहीं था।वकील विवेक मोरे के माध्यम से दायर याचिका में दावा किया गया है कि 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद अंग्रेजों ने परिवार को उनकी संपत्ति से वंचित कर दिया था, जिसके बाद सम्राट को देश से निर्वासित कर दिया गया था और लाल किले का कब्जा जबरदस्ती छीन लिया गया था। इसमें दावा किया गया कि बेगम लाल किले की मालिक थीं क्योंकि उन्हें यह विरासत उनके पूर्वज बहादुर शाह जफर-द्वितीय से मिली थी, जिनकी 11 नवंबर 1862 को 82 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई थी और भारत सरकार संपत्ति पर अवैध कब्जा कर रही थी।

डॉ इंद्रेश कुमार जी वरिष्ठ प्रचारक आरएसएस, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हेतु तीन दिवसीय अयोध्या प्रवास पर रहेंगे

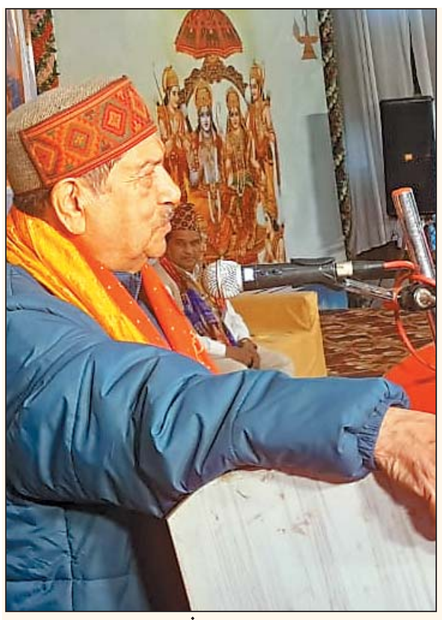

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

अयोध्या। अंतर्राष्ट्रीय ख्यातलब्धि समाज सुधारक एवं राष्ट्रीय एकता अखंडता विश्व बंधुत्व भाईचारा तथा अखंड भारत के लिए दृढ़ संकल्पित समरस भारत के शिल्पी डॉक्टर इंद्रेश कुमार जी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संरक्षक मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का विभिन्न कार्यक्रमों के संदर्भ में तीन दिवसीय प्रवास अयोध्या जी में सुनिश्चित हुआ है। डॉक्टर साहब दिनांक 13 को पूर्वाहन हवाई मार्ग से महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आगमन होगा। जहां पर कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। उसके उपरांत 18वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नेपाली संस्कृति परिषद के कार्यक्रम (दिनांक 13/14/15) बड़े भक्तमाल अयोध्या धाम में शिरकत करेंगे साथ ही साथ मां सरयू आरती प्रभु श्री राम जन्मभूमि का दर्शन एवं हनुमानगढ़ी जी का दर्शन आदि कार्यक्रमों के सहभागी बनेंगे।

डीबीकेएन कॉलेज नरहन में एसएफआई ने चलाया सदस्यता अभियान

प्रखण्ड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विभूतिपुर (समस्तीपुर): प्रखंड के डीबीकेएन कॉलेज महाविद्यालय नरहन में भारत का छात्र फेडरेशन एसएफआई के पूर्व जिलाध्यक्ष अवनीश कुमार के नेतृत्व व अंचल मंत्री प्रिंस कुमार के उपस्थिति में चार वर्षीय स्नातक सत्र 2024-28 सेमेस्टर प्रथम के आंतरिक परीक्षा के दौरान विगत तीन दिनों से सदस्यता सह "मे आई हेल्प यू" काउंटर लगाया गया।छात्र नेताओं ने छात्र-छात्राओं को संगठन के संविधान से अवगत कराकर स्वाधीनता जनवाद समाजवाद के नारा को मजबूत करने हेतु सदस्यता ग्रहण कराया।

इस दौरान सदस्यता ग्रहण वाले सोनू कुमार, पप्पू कुमार, विवेक कुमार, रोशन कुमार, आदित्य कुमार, अखिलानंद, नीतीश कुमार, श्याम कुमार, विनीत कुमार, सुलोचना कुमारी, जिया कुमारी, निशा कुमारी, अंजली कुमारी, नेहा कुमारी, हरिओम कुमार, रूबी कुमारी सहित दर्जनों छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सेवा देना प्रशासन की प्राथमिकता:-डीएम

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा:जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं में कमतर प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों के एमओआईसी एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ की बैठक

जिला के सभी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं आम लोगों को मिले, इसके लिये प्रशासन लगातार प्रयासरत है।

कुछ प्रखंड स्वास्थ्य सेवाओं के विभिन्न इंडिकेटर में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं तो कुछ प्रखण्डों का प्रदर्शन कमतर है।आज जिलाधिकारी ने कमतर प्रदर्शन करने वाले छः प्रखंडों- सदर, नगरा, रिविलगंज, लहलादपुर, दिघवारा एवं मशरख के एमओआईसी, बी एच एम, बी सी एम आदि के साथ बैठक किया। जिलाधिकारी ने पंचायत की आबादी के अनुरूप समानुपातिक तरीके से स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने हेतु प्रयास करने को कहा। ऐसे गाँव/पंचायतों की पहचान करें, जहाँ से निकटतम स्वास्थ्य सुविधा औसत से अधिक दूरी पर स्थित है। यहाँ अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना हेतु पहल की जायेगी। जहाँ भी अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र की आवश्यकता है, इसके बारे में जानकारी दें। ताकि आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा सके। उन्होंने सभी अस्पतालों में सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही शत प्रतिशत दवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। इसके लिए बी एच एम प्रतिदिन दवाओं के स्टॉक की मॉनिटरिंग करेंगे तथा ससमय आवश्यक दवाओं का डिमांड (इंडेंट) भेजना सुनिश्चित करेंगे।
सभी एमओआईसी रेंडमली जाँच करेंगे कि डॉक्टर मरीजों को जेनेरिक दवाएं लिख रहे हैं कि नहीं। अगर जेनेरिक दवा नहीं लिख रहे हैं, तो उसका स्पष्ट कारण लिखा गया है या नहीं।

जुनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता जो सितामढी जिला कबड्डी संघ के द्वारा सितामढी स्टेडियम डुमरा में दिनांक 14 दिसंबर से 17 दिसंबर तक आयोजित हैं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार राज्य कबड्डी संघ के तत्वावधान में जुनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता जो सितामढी जिला कबड्डी संघ के द्वारा सितामढी स्टेडियम डुमरा में दिनांक 14 दिसंबर से 17 दिसंबर तक आयोजित हैं जिसमें सारण जिला कबड्डी संघ अपना बालिका कबड्डी दल आज दिनांक 13 दिसंबर को छपरा ज0 से रवाना किया। कबड्डी दल में बुची कुमारी, प्रियंका कुमारी, अनुष्का कुमारी, अंजू कुमारी, आरती कुमारी, चांदनी कुमारी, वैभवी कुमारी, सुप्रीया कुमारी, प्रिया कुमारी, निशा कुमारी, पालक राज ऐवं अनुष्का कुमारी, टीम कोच-रोहित कुमार सिंह, टीम मैनेजर -राज कुमार सिंह। उक्त अवसर पर संरक्षक - सुरेश प्रसाद सिंह, सभापति बैठा, सचिव- पंकज कश्यप, सुशील कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, सुरज कुमार आदि उपस्थित थे।

दो पक्षों में मारपीट को लेकर पुलिस कैम्प करती रही है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता सीवान:जिले के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के स्थानीय हुसैनगंज में बुधवार को संध्या में हुई दो पक्षों में मारपीट को लेकर पुलिस कैम्प करती रही. आरोपियों को धर पकड़ करने के लिए गुरुवार की रात्रि स्थानीय थाना की पुलिस सहित अन्य थानों की दर्जनों पुलिस उनके दरवाजे पर जाकर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करते रहे. पुलिस ने बताया कि छापेमारी में कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है.??? वहीं सभी नामित व्यक्ति घर छोड़ कर फरार हो चुके हैं. अज्ञात लोगों को भी शंका के आधार पर भी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है.??अब मामला शांत है मगर अंदर ही अंदर दोनों पक्षों के बीच तनाव व्याप्त है. जिले तथा स्थानीय थाना की पुलिस दोनों पक्ष के लोगों को समझा कर दिन भर बंद पड़ी सैकड़ों दुकानों को खोलवाये तथा सड़क पर आवागमन चालू करवाया गया. विदित है कि दोनों पक्षों के बीच गुरुवार को ईंट पत्थर चलने से पुनः पुलिस सक्रिय हो गई थी.वहीं थाना में दोनों पक्षों से दिये गए आवेदन पर 28 लोगों तथा 40 से अधिक अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है. थाना में प्रथम पक्ष के रंजन यादव ने आवेदन देते हुए कहा है कि मैं बुधवार को हुसैनगंज बाजार में संध्या के समय सब्जी खरीदने गया था. तभी अठघरवा मुहल्ले के दर्जनों लोग मुझे घेर कर लाठी, डंडे, तलवार, फरसा व ? पिस्टल से हमला कर दिए. सभी मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिए. मैं लहुलुहान होकर वहीं गीर गया था तब मुझे सभी हमलावर छोड़ कर बाजार से फरार हो गए. गंभीर हालत में बाजार के दुकानदारों ने स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल सीवान रेफर कर दिया गया. इस मामले में रंजन ने कौशर अली, अली, फारुक अली, शेख बेलाल, मो रज्जन अली, जावेद अली, ताज महम्मद, शदाब, तहूर हसन, हीरा अली, शहजाद अंसारी, साजिद अली, नाजिर अली, अख्तर रजा सहित लगभग 20 अज्ञात व्यक्तियों को आरोपित किया है.
वहीं दुसरे पक्ष शहनवाज खान अठघरवा मुहल्ले के निवासी ने थाना में आवेदन देते हुए आरोप लगाया है कि बुधवार को शाम में मैं हुसैनगंज चट्टी पर अपने पुत्र युसुफ के साथ ई रिक्शा एजेंसी बंद कर हरिहांस अपने भाड़े के मकान पर जा रहा था. उसी दौरान पूर्व से घात लगाए आकाश यादव, विशाल यादव, सहुल यादव, उपेंद्र यादव, अमित यादव, उमेश यादव, रंजन साह, विकास यादव, सोनु यादव, धर्मेन्द्र यादव, उमेश दास, नीतीश यादव, विशाल यादव, रविंद्र यादव सहित लगभग 20 अज्ञात लोगों ने लाठी, डंडे व धारदार हथियार से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिए. उसने बताया है कि उस मारपीट में मेरा पुत्र युसुफ भी घायल हो गया. वहीं हमलावर मेरे पॉकेट में रखे गए 5 लाख रुपये भी छीन कर फरार हो गये. मारपीट में दोनों घायलों की इलाज स्थानीय अस्पताल में कराई गई. ग्रामीणों ने बताया कि दुसरे दिन गुरुवार को भी किसी बात को लेकर पुनः झड़प हो गई दोनों पक्षों के बीच जम कर ईंट पत्थर चले. जिसमें कुछ लोग घायल भी हुए. गुरुवार को दिन भर हुसैनगंज चट्टी व बाजार की सौकडों दुकानें बंद रही. प्रशासन की लगातार सक्रिय भूमिका और गस्ती के कारण मामला बिल्कुल शांत है. शुक्रवार को अन्य दिनों की भांति सभी दुकानें खुली. वहीं दोनों पक्षों के आरोपी गिरफ्तार के ड़र से घर छोड़ कर फरार बताये जाते हैं. पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है.

समस्तीपुर के सिविल सर्जन ने कल्याणपुर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी का रोका वेतन.

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

दिसम्बर 13, 2024समस्तीपुर : सिविल सर्जन डॉ. संजय कुमार चौधरी ने उच्चाधिकारियों के आदेश की बार-बार अवलेहना करने के लिये स्पष्टीकरण पूछा है.उनपर स्थानांतरित एएनएम को प्रताड़ित करने का आरोप है.कहा गया है कि नियमित स्थानांतरित एएनएम को स्वास्थ्य उपकेन्द्र में पदस्थापित नहीं करने और न ही कार्य लेना सरकारी कार्य में व्यवधान डालने एवं संबंधित एएनएम को प्रताड़ित किया जा रहा है.प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण की मांग की गयी थी. जो अप्राप्त है.सिविल सर्जन ने प्रभारी चिकत्सा पदाधिकारी को पुनः निर्देशित किया है कि स्वास्थ्य निदेशालय के स्पष्ट आदेश का अनुपालन करते हुये चारों एएनएम को कार्यहित में व जनहित में संबंधित स्वास्थ्य उपकेन्द्र का जवाब लौटती डाक से भेजना सुनिश्चित करें. जब स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होता है, उस पर निर्णय नहीं लिया जाता, तबतक तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को रोकने का आदेश दिया है.अनुशासनिक कार्रवाई की भी चेतावनी दी है.विदित हो कि निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य विभाग के निर्देश के आलोक में सिविल सर्जन के द्वारा गुंजन कुमारी, उषा कुमारी, विभा कुमारी तथा किरण कुमारी का स्थानांतरण 7 सितंबर 2024 को कल्याणपुर प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र में किया गया था.उसके बाद सभी चारों एएनएम ने 26 अक्टूबर 2024 को कल्याणपुर स्वास्थ्य उपकेन्द्र में अपना योगदान दिया. 26 नवंबर 2024 को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा सभी चारों एएनएम को यह कहते हुये कि आपका स्थानांतरण फर्जी है, वापस सिविल सर्जन को कर दिया.इधर जिलामंत्री राजीव रंजन ने कहा है कि अविलंब इन चारों एएनएम का योगदान स्वीकृत करते हुये वेतनादि का भुगतान किया जाये. सिविल से कल्याणपुर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को हटाने की मांग की है.उन्होंने अविलंब कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी.इधर कार्रवाई नहीं होने से नाराज एएनएम व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने बुधवार से सिविल सर्जन कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है. धरना पर जिला मंत्री व रोशन कुमार भी एएनएम के साथ बैठे हैं.

उच्च विद्यालय हसौली कोठी विद्यालय से चोरी हुआ सामान पुलिस ने बरामद किया साथ ही 2 मुजरिमों को भी किया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

दिनांक 04-5/12/24 के मध्य रात्री में उच्च विद्यालय हसौली कोठी विद्यालय से सरकार द्वारा प्रायोजित स्मार्ट क्लास के कमरा से ग्रिल एवं कमरा का ताला काट कर स्मार्ट क्लास से स्मार्ट टी०भी० 54 इंच-01, मोनिंटर 12 सी०पी०यू०-02 लैपटॉप-01, मोबाईल-01, इंटरनेट राउटर-01 प्रींटर-02. होम थिरेटर-01, पेन डाईव 01, हार्ड डिक्स 04 कि चोरी अज्ञात चोरो के द्वारा कर लिया गया था। प्राधानाचार्य महोदय, उच्च विद्यालय हसौली कोठी के लिखित आवेदन के आधार पर उजियारपुर थाना कांड सं0-322/24 कांड दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया। चोरी का उद्?भेदन हेतु अधोहस्ताक्षरी के दिशा निर्देश के आलोक में टीम का गठन किया गया।मानवीय आसुचना एवं तकनिकी अनुसंधान के क्रम में 01. विक्की कुमार उम्र 15 02. मोनू कुमार उम्र 25 वर्ष दोनो पिता हरेराम झा सा० पतैली थाना उजियारपुर जिला समस्तीपुर के घर से निम्न सामान बरामद किया गया है। विधि विरुद्ध किशोर बालक विक्की कुमार के स्वीकारोक्ति बयान के अनुसार इस घटना में संलिप्त शुभम कुमार, गिरधर भंडारी एवं सिन्दु कुमार के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया गया है।शुभम कुमार के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर चोरी की गई सामान की बरामदगी किया है।

ताजपुर स्थित सीमेंट फैक्ट्री में ट्रक से दबकर मजदूर की मौत के बाद जमकर बवाल व तोड़फोड़

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/ताजपुर :- समस्तीपुर जिले के बंगरा थाना अंतर्गत सरसौना गांव स्थित सीमेंट फैक्ट्री में काम जर रहे एक मजदूर की ट्रक से दब कर मौत हो गयी। यह हादसा गुरुवार देर रात हुआ।इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह हंगामा करने के साथ फैक्ट्री में तोड़फोड़ की।बाद में बंगरा के अलावा ताजपुर थाने की पुलिस फैक्ट्री पहुंची और लोगों को समझा बुझा कर शांत कराया।हादसे में मरने वाले मजदूर की झारखंड के पलामू जिला के चचेरिया गांव निवासी सूर्यकांत कुमार (22 वर्ष) के रूप में पहचान की गयी है।
जानकारी के अनुसार, सूर्यकांत 15 दिन पहले ही सीमेंट फैक्ट्री में काम करने आया था।बताया गया है कि वह बीती रात करीब डेढ़ बजे फैक्ट्री में सीमेंट बनाने वाले मशीन में मैटेरियल डाल रहा था। उसी दौरान मैटेरियल लेकर आये एक ट्रक ने उसे कुचल दिया। इसके बाद फैक्ट्री का मैनेजर जख्मी सूर्यकांत को इलाज कराने के लिए सदर अस्पताल ले गया। जहां देखने के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।इसके बाद मजदूर के शव का पोस्टमार्टम कराने के बजाय मैनेजर एम्बुलेंस पर शव लेकर फैक्ट्री के लिए चला। एम्बुलेंस में सीमेंट फैक्ट्री में काम करने वाला मृतक चचेरा भाई भी था।मैनेजर शव फैक्ट्री लाने के बजाय सड़क पर ही इधर उधर घुमाने लगा। जिस पर घटना को दूसरा रूप देने की आशंका को लेकर मृतक के चचेरे भाई ने विरोध किया तो मैनेजर ने उसे पीट दिया। जिसके बाद चचेरे भाई ने सरसौना गांव के लोगों को घटना की जानकारी देने के साथ अपनी आशंका और पिटाई से अवगत कराया।जिस पर गांव के लोगों ने उससे मोबाइल पर लोकेशन लेकर एम्बुलेंस को घेरा। इसके बाद सुबह में फैक्ट्री में सुबह तोड़फोड़ की। जिससे फैक्ट्री में गार्ड को छोड़कर मैनेजर समेत सभी कर्मी फरार हो गए। आक्रोशित ग्रामीण मृतक के परिजन को दस लाख रुपये मुआवजा देने, फैक्ट्री के सेफ्टी मैनेजर व संचालक के अलावा ट्रक चालक पर कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। हंगामे की सूचना पर बंगरा और ताजपुर थाने की पुलिस पहुंची और सभी को शांत कराया।बाद में फैक्ट्री के मैनेजर को बुला सरसौना के मुखिया व मजदूरों के प्रतिनिधिमंडल की बात करायी।तब लोग शांत हुए।

समस्तीपुर में चौथी क्लास की छात्रा के साथ शिक्षक ने की छेड़खानी, ऋक्फ़र्ज करने के लिए थाने में दिया आवेदन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/मोरवा :- समस्तीपुर जिले के मोरवा प्रखंड स्थित एक मध्य विद्यालय में पढ़ने वाली चौथी कक्षा की छात्रा ने अपने शिक्षक पर छेड़खानी का आरोप लगाया है।इसको लेकर पीड़ित छात्रा के परिजनों ने हलई थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। वहीं प्रखंड शिक्षक नागेंद्र प्रसाद के खिलाफ स्कूल के एचएम ने भी जिला शिक्षा पदाधिकारी को लिखित रूप से शिकायत करते हुए आरोपी शिक्षक पर कार्रवाई की मांग की है। एचएम ने बताया की शिक्षा समिति के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों व अन्य शिक्षकों के सामनें आरोपी शिक्षक ने अपनी गलती स्वीकार की है। वहीं मोरवा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि हेडमास्टर के रिपोर्ट के आधार पर इस मामले को लेकर नियोजन इकाई को लिखा गया है।

अमनौर थानान्तर्गत छीनतई कांड का सफल उद्भेदन कर छीनी गयी मोबाईल एवं घटना कारित करने में प्रयुक्त मोटरसाईकिल के साथ एक अपराधर्मी को किया गया गिरफ्तार।

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

,छपरादिनांक-29.09.2024 को अनमौर थानान्तर्गत ग्राम-अमनौर अगुआन स्थित मोटरसाईकिल सवार 03 अज्ञात अपराधियों के द्वारा साईकिल सवार एक युवक का मोबाईल झपट्टा मारकर छीन लेने की घटना कारित की गयी थी।इस संबंध में वादी के लिखित आवेदन के आधार पर अमनौर थाना कांड सं0-325/24, दिनांक-29.09.24, धारा-304(2) भा०न्या०सं० दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। तकनीकि अनुसंधान के आधार पर घटना में संलिप्त 01 अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया। इनके निशानदेही पर छीनी गयी 01 मोबाईल एवं घटना में प्रयुक्त 01 मोटरसाईकिल को बरामद किया गया है।कांड में संलिप्त अन्य अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी जारी है।

सीतामढ़ी में कौशल विकास के लिए एक नए युग का आगाज : डीएम

मो . सदरे आलम नौमानी : सीतामढ़ी :
सीतामढ़ी में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) भवन के लिए भूमिपूजन समारोह आज सुहाई, एनएच-77 में एक भव्य कार्यक्रम में आयोजित किया गया।समारोह में डीएम रिची पाण्डेय, मनोज कुमार तिवारी,पुलिस अधीक्षक सुब्रत कुमार स्वाईं महाप्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पटना अंचल राजीव कुमार चौधरी क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, दरभंगा क्षेत्र,अनिल कुमार सिंह अग्रणी जिला प्रबंधक, सीतामढ़ी
संजय कुमार चौधरी, डी. डी.एम. नाबार्ड, सीतामढ़ी श्रवण कुमार, निदेशक, आरसेटी, सीतामढ़ी इत्यादि उपस्थित थे।
कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक प्रार्थना समारोह के साथ हुई, जिसके बाद भूमि पूजन हुआ, जो आरसेटी भवन के निर्माण की औपचारिक शुरूआत का प्रतीक है।जिलाधिकारी पांडेय ने इस मौके पर कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को कौशल के साथ प्रशिक्षित और सशक्त बनाने, उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए

अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा प्रदान करना है।सभा को संबोधित करते हुए डीएम रिची पांडे ने ग्रामीण स्वरोजगार और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में आरसेटी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस परियोजना को साकार करने में बैंक ऑफ बड़ौदा और स्थानीय प्रशासन के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की। एसपी मनोज कुमार तिवारी ने बेरोजगारी को कम करने और जिले के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को मजबूत करने में कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। महाप्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा सुब्रत कुमार स्वाईं ने सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप ऐसी पहलों का समर्थन करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि आगामी आरसेटी भवन हर साल सैकड़ों उम्मीदवारों की जरूरतों को पूरा करेगा और विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करेगा। क्षेत्रीय प्रबंधक राजीव कुमार चौधरी और एलडीएम अनिल कुमार सिंह ने आरसेटी सीतामढ़ी के परिचालन पहलुओं और दीर्घकालिक लक्ष्यों पर विस्तार से बताया और जीवन को बदलने की इसकी क्षमता पर जोर दिया। आरसेटी के निदेशक श्रवण कुमार ने सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया और स्थानीय युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अभिनव पाठ्यक्रमों की योजना साझा की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें बैंक ऑफ बड़ौदा, जिला प्रशासन और इस दिन को सफल बनाने में शामिल सभी लोगों के प्रयासों को स्वीकार किया गया।आरसेटी भवन का निर्माण सीतामढ़ी के युवाओं को सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चकमेहसी उतरासाढी गाउ में ईदगाह का हुआ शिलान्यास इलाके में खुशी का लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबेर

समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर प्रखंड चकमासी पंचायत के वार्ड नंबर तीन में ग्रामीणों ने वक्त किए गए जमीन पर ईदगाह का शिलान्यास रखा ग्रामीणों ने इस बात पर खुशी जाहिर की के ईदगाह में ही नमाज अदा करने के लिए हम सब वर्षों से इंतजार कर रहे थे जो आज पूरा हुआ सेक्रेटरी मोहम्मद मुकीम ने बताया की 1962 में यह जमीन उत्तर साड़ी चकमेसी के बसोमिया के खानदान वालों ने राजा नगर मस्जिद में वक्त किया था हाल के वह आज नहीं रहे लेकिन उनके परिवार खानदान वाले आज भी जीवित है और मरहूम बसु मियां के खानदान के लोगों को इसका सवाब यानी पुण्य कयामत तक मिलता रहेगा बताते चले की चक में हंसी पंचायत के

उत्तर साड़ी गांव में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुमा को ईदगाह निर्माण की आधारशिला रखी। गांव के लोगों ने बताया कि इस गांव में ईदगाह नहीं रहने के कारण लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ता था। खासकर, पर्वों के मौके पर नमाज अदा करने में काफी परेशानी होती थी। इसलिए यहां के ग्रामीण लोगों के द्वारा आपसी सहयोग से गांव में एक ईदगाह का निर्माण करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। इस निर्णय के आलोक में ईदगाह का शिलान्यास चिन्हित भूमि में ईंट गाड़कर किया गया है। इसमें जो भी रुपए खर्च पड़ेगा वह यहां के संपूर्ण ग्रामीण आपस में चंदा इकट्ठा कर देंगे। शिलान्यास के मौके पर भूतपूर्व उप मुखिया मोहम्मद सगीर. चकमैसी पंचायत समिति पति मोहम्मद नजरुल इस्लाम, वार्ड सदस्य पति मोहम्मद जाकिर, हाफिज मोहम्मद अजमल, सेक्रेटरी मोहम्मद मुकीम, समाजसेवी मोहम्मद रहमत,मोहम्मद जाकिर पिता मोहम्मद आलम, मोहम्मद खुर्शीद पिता मोहम्मद असगर, हाजी मोहम्मद जान अली, मोहम्मद इस्लाम मोहम्मद इनुस, मोहम्मद मुमताज कोलकाता समेत आदि उपस्थित थे।

बिहार लोक सेवा आयोग का 70 वा परीक्षा सम्पन्न हुआ

मो.सदरे आलम नौमानी
सीतामढ़: बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।शांतिपूर्ण एवं कदाचाररहित परीक्षा संचालन के मद्देनजर हर स्तर पर माकूल प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की
प्रतिनियुक्ति की गई थी। नियंत्रण कक्ष द्वारा भी सतत निगरानी रखी जा रही थी।स्वयं जिलाधिकारी रिची पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार तिवारी लगातार भ्रमणशील रहे।डीएम और एसपी के द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों यथाःझ कमला बालिका उच्च विद्यालय एवं एमपी हाई स्कूल परीक्षा केंद्र पर चल रहे परीक्षा का जायजा लिया गया। इस क्रम में जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए जाते रहे। 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा आज एकल पाली में 12:00 बजे मध्यान्ह से 2:00 बजे अपराह्न तक 22 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हुई।

अलग अलग स्थानों से तीन शराब कारोबारी को उत्पाद विभाग की टीम ने दबोचा, भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। उत्पाद विभाग की टीम ने शुक्रवार को गुप्त सूचना के आधार पर कपूरींग्राम थाना हल्का के संग्रामपुर में छापेमारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया। पकड़े गये धंधेबाज की पहचान स्थानीय प्रेम नारायण सिंह के पुत्र अरविंद कुमार के रुप में की गई है। उत्पाद थाना अध्यक्ष नीलकमल सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली की कपूरींग्राम थाना क्षेत्र के संग्रामपुर में चोरीछुपे शराब का धंधा संचालित किया जा रहा है, जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम के साथ उक्त स्थल पर दबिश बनाई गई गई। छापेमारी के दौरान 32 कार्टन अंग्रेजी शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पकड़े गये आरोपित ने अन्य सहयोगियों का नाम भी बताया है। उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पकड़े गये आरोपित अरविंद कुमार और सहयोगी छोटू सिंह के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। वहीं दूसरी ओर जिले के हलई थाना क्षेत्र में उत्पाद विभाग की टीम ने भारी मात्रा में शराब के साथ बाइक पर सवार दो धंधेबाज को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये आरोपित की पहचान हलई थाना क्षेत्र के जितवारपुर निवासी लालबाबू सहनी के पुत्र प्रेम कुमार और दादरपुर निवासी स्व कामेश्वर सहनी के पुत्र अंकित कुमार के रुप में हुई है। पकड़े गये दोनों आरोपितों के पास से 180 एमएल के 86 टेट्रा पैक अंग्रेजी शराब और एक बाइक बरामद हुआ। उत्पाद विभाग के टीम ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जाएगी

भगवानपुर थाना प्रभारी पवन कुमार अपने 10 महीने 4 दिन के कार्यकाल में कुछ खास नहीं कर सके कमाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

थाना प्रभारी पवन कुमार मिथिला क्षेत्र दरभंगा रेंज अंतर्गत समस्तीपुर जिले के हलइ ओपी से रेंज तबादला के दौरान बेगूसराय रेंज के बेगूसराय जिला अंतर्गत भगवानपुर थाना में सात फरवरी 2024 को अपना योगदान दिए तो क्षेत्र वासियों में पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष से लोगों में आस जगा कि शराब माफियाओं, भू माफियाओं, बालू माफियाओं, अपराधियों सहित असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने में कामयाब होंगे। जो तत्कालीन थानाध्यक्ष के 10 महीने 4 दिनों का कार्यकाल में ढाक का तीन पात साबित होते दिखा। इनके कार्यकाल में इनके कार्यशैली से आम आवाम असंतुष्ट दिखे। थानाध्यक्ष आम पब्लिक से कनेक्ट नहीं हो सके। थाने के चौकीदार सहित पुलिस पदाधिकारी पर भी इनका कोई कंट्रोल नहीं देखा गया। जिसका जीता जागता नमूना यह है कि इनके कार्यकाल में ही निगरानी की टीम ने दारोगा विनीत कुमार झा को रंगे हाथों रुपये घुस लेते

हुए गिरफ्तार किया। वहीं थाने के ड्राइवर (गृहरक्षक) उमेश शर्मा के द्वारा एक अपहता लड़की के बारे में अभद्र टिप्पणी के आरोप में पुलिस अधीक्षक के द्वारा सेवा से वंचित करते हुए विधि सम्मत आवश्यक अग्रतर कारवाई की गई। वहीं क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर हत्या, रुपये के लालच में हत्या, मोटरसाइकिल चोरी सहित कई घरों का ताला तोड़ कर सोने की जेवरात, रुपये, कपड़ा, वर्तन की चोरी की घटनाएं से आम आवाम में दहशत का माहौल देखने को मिला। जिसका नतीजा यह हुआ कि पुलिस अधीक्षक मनीष ने कार्यहित को देखते हुए थानाध्यक्ष पवन कुमार को बारह दिसंबर 2024 को पत्र जारी कर डीआईयू शाखा पुलिस अधीक्षक आवासीय कार्यालय बेगूसराय कर दिया है। जिससे आम आवाम में खुशी देखी जा रही है।

सिवान में बेकाबू स्कॉर्पियो ने तीन कोचिंग जा रही छात्राओं को रौंदा एक की घटना स्थल पर मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान 13 दिसंबर शुक्रवार। सिवान जिले के बड़हरिया थाना में शुक्रवार को सुबह बेकाबू स्कॉर्पियो ने कोचिंग पढ़ने जा रही तीन छात्राओं को रौंद दिया जिसमें एक छात्रा की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जब की अन्य दो छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना बड़हरिया सिवान मुख्य मार्ग पर मांसहता मोड़ पर हुई। इस घटना के विरोध में स्थानीय लोग सड़क को जाम कर दिया। मृत छात्रा की पहचान हथिंगाई निवासी रामपत पंडित की 17 वर्षीय पुत्री तन्नू कुमारी के रूप में हुई है। जब मृत छात्रा की सहेली मंजू कुमारी और रुबीना खातून घायल हुई है। तीनो छात्रा बी ए और कंप्यूटर की पढ़ाई सिवान प्रतिदिन रोड गाड़ी से सिवान जा कर पढ़ाई करती थी जो गाड़ी पकड़ने के लिए रोड साइड में खड़ी थी तभी सिवान के तरफ से तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। इसके साथ ही अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने एक टेंपो में भी टक्कर मारी जिसमें बैठे 6 यात्री भी आंशिक रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज हेतु सिवान सदर अस्पताल भेजा गया है।

डीएम ने जनता दरबार में 105 लोगों की फरियाद सुनी

मो.सदरे आलम नौमानी
सीतामढ़ी : डीएम रिची पाण्डेय ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार कार्यक्रम में परिवादियों से मिलकर उनके समस्याओं को सुना।आज जनता दरबार में कुल 105 परिवादी आए। जिलाधिकारी द्वारा बारी-बारी से सभी परिवादियों से मुलाकात की गई एवं उनके समस्याओं को सुना गया।अधिकांश मामले अतिक्रमण, भूमि विवाद, आपसी विवाद,सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य,सड़क,विद्युत,पी एच ई डी एवं अन्य विभागों से संबंधित थे। जनता दरबार कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त जन शिकायतों के निष्पादन की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना सुनिश्चित करें।इसमें किसी भी तरह की कोताही स्वीकार्य नहीं होगी।आज जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय के द्वारा लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपीलीय प्राधिकार की सुनवाई की गई।कुल 13 मामले की सुनवाई की गई जिसके विरुद्ध 05 मामले पर आदेश किए गए।

अज्ञात वाहन की ठोकर से बाईक सवार घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के समस्तीपुर - दरभंगा मुख्य मार्ग के डाक गाछी के समीप एक अज्ञात वाहन की ठोकर लगने से एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान रमपुरा गांव निवासी रामविलास महतो का 30 वर्षीय पुत्र कमलेश कुमार के रूप में हुई है जिसे स्थानीय लोगों की सहयोग से इलाज के लिए समस्तीपुर के एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है। स्थानीय पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन में जुट गई है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की खास सुनवाई आज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। राष्ट्रीय लोक अदालत शनिवार को 10:00 बजे दिन से लोक अदालत कार्यालय सभागार में होगी। इसको लेकर 13 बेंच का गठन किया गया है। प्रथम बेंच में परिवार से संबंधित मेटर की सुनवाई होगी उसके अलावा यूको बैंक सभी बीएसएनल केस का निष्पादन होगा, द्वितीय बेंच में भारतीय स्टेट बैंक, यूनियन बैंक समेत सभी बैंकों के क्लेम आदि की सुनवाई की जाएगी, तृतीय बेंच में विद्युत आदि संबंधित समस्याओं का निदान चतुर्थ बेंच में सभी बैंकों के मामले की सुनवाई की जाएगी। पांचवें बेंच में मजदूरों की समस्याओं की सुनवाई, 6 बेंच में रेलवे से संबंधित मामलों की सुनवाई, 7 वें बेंच में चेक संबंधी समस्या सुनवाई होगी, आठवीं बेंच में कंपाउंडेबल क्षेत्र पर विचार व सुनवाई नवमी बेंच में क्रिमिनल कंपाउंडेबल सुनवाई,10 में बेंच में कंपाउंड टेबल क्रिमिनल केस,11वे बेंच में कंपाउंडेबल केस सेल्फ कोर्ट, 12 में बेंच में 138 एन आई एक्ट आदि व 13 में बेंच में भी 138 एन आई एक्ट आदि पर सुनवाई की जाएगी। इसकी जानकारी लोक सेवा प्राधिकार अध्यक्ष जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दी है।

आज चिराग पासवान चतरा और औरंगाबाद में

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोजपा (रा)के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान जी आज शनिवार को सुबह 11 बजे झारखंड के चतरा विधानसभा के अंतर्गत चतरा कॉलेज मैदान चतरा में प्रेम सिंह समाजसेवी के लिए नव संकल्प महासभा सह विशाल मिलन समारोह को संबोधित करेंगे।तथा आगे श्री चिराग आज ही दोपहर 1:00 बजे(शनिवार) को औरंगाबाद के चिल्हकी हाई स्कूल मैदान, अंबा में प्रख्यात समाजसेवी पंकज पासवान के लिए नव-संकल्प महासभा सह विशाल मिलन समारोह को संबोधित करेंगे। आगे प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट विजन तथा चिराग पासवान जी के विचारों एवं सिद्धांतों से प्रेरित होकर प्रतिदिन लोग पार्टी मे शामिल हो रहे हैं।

डफरपुर पंचायत में आम सभा का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत डफरपुर पंचायत के पंचायत भवन पर आमसभा का आयोजन किया गया।अध्यक्षता मुखिया सुनैना देवी के द्वारा की गई।वित्तीय वर्ष 2025/26 हेतु जी पीडीपी निर्माण हेतु ग्राम सभा का आयोजन किया गया? ।बैठक का संचालन मुखिया प्रतिनिधि ई रंजीत कुमार पमपम ने करते हुए कहा कि पंचायत का सर्वांगीण विकास करना हमारी प्राथमिकता है।इसके लिए सभी वार्ड सदस्यों का सामूहिक सहयोग की जरूरत है।इसके लिए सभी वार्ड सदस्यों से अपने अपने वार्ड से प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं का चयन वार्ड सभा के माध्यम से कर ई ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड कराने की अपील की।सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना से वंचित पात्र लाभुकों का सर्वेक्षण कर योजनाओं की सूची में दर्ज कराने का अनुरोध किया? ।पंचायत में क्रियांवित योजना यथा खेल मैदान निर्माण आदि का अनुश्रवण करने की अपील की ताकि गुणवत्तापूर्ण कार्य का संपादन हो।मौके पर पंचायत सचिव राम विनय सिंह, पीआर एस शुभम राज,कार्यपालक सहायक मो सद्दाम, उपमुखिया राजकुमार सिंह,वार्ड सदस्य सुधीर सिंह,वाल्मीकी सिंह,हरि बदन पंडित आदि मौजूद थे।

मशरक में जमीनी विवाद में मारपीट में आधा दर्जन घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के सिरसा जलालपुर गांव में शुक्रवार को जमीनी विवाद में मारपीट में आधा दर्जन घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ कविता सिंह ने प्राथमिक उपचार किया। घायलों में एक तरफ से चंद्रिका राम की 40 वर्षीय पत्नी अनिता देवी, महेश राम का 15 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार और महेश राम की 35 वर्षीय पत्नी मंजू देवी है । और वही दूसरे तरफ से अच्छे लाल राम का 21 वर्षीय पुत्र विकास कुमार राम, स्वर्गीय राजदेव राम का 48 वर्षीय पुत्र अच्छे लाल राम और मिथिलेश राम की 27 वर्षीय पत्नी इंदु देवी है। घायलों ने बताया कि जमीन को लेकर मारपीट हो गई। वही मामले में थाना पुलिस को सूचना दी गई।

कुशेश्वर स्थान में भीषण अग्निकांड, दर्जनों घर जलकर हुआ राख

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। कुशेश्वर स्थान विधानसभा क्षेत्र के तिलकेश्वर पंचायत वार्ड संख्या 12 नवटोलिया और गोपालपुर अर्थुआ में भीषण आग लगने से दर्जनों घर और सारा सामान जलकर राख हो गया। इस घटना से इलाके में दहशत और गहरे दुःख का कारण बन गई है। बताया जाता है कि देर रात करीब 2 बजे आग लगने से बिलो साह, गरीब साह, रामायण साह, सिकंदर साह, और रामप्रवेश चौधरी के घर पूरी तरह जलकर नष्ट हो गये। इस आगलगी की घटना में 4 बकरियों की मौत, 1 गाय गंभीर रूप से घायल, 1 मोटरसाइकिल, 1 साइकिल और घर का पूरा सामान जलकर राख हो गया। वहीं इस

अग्निकांड ने गोपालपुर अर्थुआ के बेचन शर्मा, राजेश शर्मा, रबिन शर्मा और मुकेश शर्मा के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इन परिवारों का सारा सामान जलकर खाक हो गया, जिससे इनकी आजीविका बुरी तरह प्रभावित हुई। समाजसेवी त्रिभुवन कुमार ने घटना का जानकारी पाकर बेहद दुःख व्यक्त किए। समाजसेवी त्रिभुवन कुमार ने घटना की जानकारी के उपरांत स्थानीय लोगो से दुरभाष पर सपंर्क स्थापित कर घटना क्रम का जानकारी लिए ओर दुःख में हिम्मत रखने का प्रार्थना ईश्वर से किए एवं परिवारों को सांत्वना दी। उन्होंने प्रशासन की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कुशेश्वर स्थान प्रखंड में एक भी फायर ब्रिगेड गाड़ी न होना इस क्षेत्र के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस तरह की घटनाएं बार-बार हो रही हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा इस ओर से कोई तैयारी नहीं की जाती। मैं हर संभव प्रयास करूंगा कि पीड़ित परिवारों को तत्काल उचित मुआवजा मिले। यह मेरी प्राथमिकता है और मैं हमेशा आपके साथ खड़ा हूं। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को तुरंत मुआवजा दिया जाय ताकि पीड़ित लोगों को कुछ राहत मिल सके तथा राहत के लिए तत्काल रहने और खाने की समुचित व्यवस्था की जाय। यह घटना न केवल पीड़ित परिवारों के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक बड़ी त्रासदी है। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से अपील है कि वे इस गंभीर समस्या का समाधान करें और पीड़ितों की मदद के लिए आगे आये।

बाइक सवार गढ़े में पलटा, 112 की टीम ने सीएचसी में भर्ती कराया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र के सोनौली गांव में बाइक सवार अनियंत्रित होकर गढ़े में पलट गया जिसे ग्रामीणों की सूचना मिलने पर इमरजेंसी 112 की टीम ने इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया। घायल सिवान जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के मलमलिया गांव निवासी राजेंद्र सिंह पिता स्व जनकदेव सिंह हैं।वहीं ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ कविता सिंह ने प्राथमिक उपचार किया। इलाज के दौरान घायल ने बताया कि वह रिश्तेदारी में आया था कि बाइक अनियंत्रित हो गई और गढ़े में चली गई, जिसमें वह घायल हो गया।

बाइक दुर्घटना में युवक घायल , सदर अस्पताल छपरा रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चैनपुर गांव में शुक्रवार को अनियंत्रित बाइक सवार की ट्रक से टक्कर हो गई। जिसमें घायल की पहचान मुजफ्फरपुर निवासी विशाल यादव बताई गई। वहीं ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ कविता सिंह ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत देख बेहतर इलाज के लिए को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। घटना के बारे में ग्रामीणों ने बताया कि बाइक सवार तेजी से मशरक की तरफ जा रहा था उसी दौरान उसने अनियंत्रित होकर ट्रक में टक्कर मार दी जिसमें उसे घायल हालत में इलाज के लिए स्थानीय लोगों ने सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया।

बैंक से रुपए निकाल घर जा रहीं महिला से छिनतई, डीएसपी जांच में जुटे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चैनपुर में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से रुपए निकाल घर जा रहीं महिला से पेट्रोल पंप के पास रुपए से भरा झोला छीनने का मामला सामने आया। महिला मशरक थाना क्षेत्र के सिसई गांव निवासी गीता कुंवर पति स्व ललन साह हैं उसने बताया कि वह भारतीय स्टेट बैंक की चैनपुर शाखा से पति के मौत हो जाने पर पीएफ का 49 हजार रुपए निकाल झोले में रख बाइक पर सवार होकर घर के निकलीं कि उसी दौरान चैनपुर पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार दो ने झपट्टा मारकर रूपयों से भरा झोला छीन लिया और मशरक की तरफ फरार हो गए। मौके पर पहुंचे डीएसपी अमरनाथ, थानाध्यक्ष अजय कुमार ने दल बल के साथ मामले में जांच पड़ताल कर रही हैं। डीएसपी अमरनाथ ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है जल्द ही मामले का उद्भेदन किया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का उच्च न्यायालय पटना के अधिवक्ता ने किया उद्घाटन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के दुमदुमा गांव में गांव में दो गोला व्यास के सांस्कृतिक कार्यक्रम के मंच का गुरूवार की रात्रि उद्घाटन बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह के पुत्र उच्च न्यायालय पटना के अधिवक्ता रितुराज सिंह ने ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर उन्होंने ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से सामाजिक समरसता बढ़ती है और अध्यात्मिक उर्जा में वृद्धि होती है। उन्होंने लोगों को शांतिपूर्वक कार्यक्रम का आनंद उठाने का अपील की। गांवों में इस तरह के आयोजन से लोगों में उत्साह का संचार भरता है।

सीनियर महिला राज्य हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने सारण टीम रवाना

मधेपुरा में 13 से 15 दिसंबर तक आयोजित है प्रतियोगिता

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

12 वी सीनियर बिहार राज्य महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने सारण महिला दल गुरुवार को मशरक जंक्शन से मधेपुरा के लिए रवाना हुई। 13 से 15 दिसंबर तक आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सारण टीम में कई राष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल है। टीम को रवाना करते हुए जिला हैंडबॉल के सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि जनवरी में राष्ट्रीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता बिहार के पूर्णिया में आयोजित है इस कारण इस राज्य प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। टीम में 13 खिलाड़ी के प्रशिक्षक , प्रबंधक एवम तकनीकी पदाधिकारी शामिल है। टीम के साथ कोच आकाश कुमार , टीम मैनेजर

राजा कुमार सिंह एवम प्रतियोगिता के लिए बिहार हैंडबॉल संघ द्वारा आमंत्रित तकनीकी पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह है। टीम में कप्तान निधि कुमारी के अलावे तृप्ति कुमारी , निधि कुमारी गोलकीपर, पम्मी कुमारी , शबाना खातून , रागिनी कुमारी, पुष्पा कुमारी , नसीमा परवीन , दूजा कुमारी , रिंकी सिंह , करिश्मा कुमारी , कल्पना कुमारी, रीमा कुमारी है। सारण महिला टीम के बेहतर प्रदर्शन के लिए जिला संघ के मुख्य संरक्षक विधान पार्षद इंजिनियर सच्चिदानंद राय , अध्यक्ष कृष्णमोहन सिंह, चेयरमैन डा हरेंद्र सिंह , अनुपमा मिश्रा, ठाकुर विनोद सिंह अप्पू जी , राकेश कुमार सिंह , डा जितेंद्र सिंह , रितेश कुमार सिंह , प्रिंस कुमार सहित अन्य ने शुभकामनाएं दी ।

बेटे की अस्थियां लेकर लौट रहा,न्याय के लिए लड़ूंगा

समस्तीपुर।'2019 में मेरे बड़े बेटे अतुल की शादी निकिता सिंघानिया से हुई थी। शादी के बाद से अतुल कभी खुश नहीं रहा। हर वक्त उसकी पत्नी उसे प्रताड़ित करती रहती थी। अतुल को लगता था कि सब एडजस्ट हो जाएगा। फिर एक साल बाद मेरा पोता हुआ, लेकिन फिर भी सब ठीक नहीं हुआ।' '2021 की शुरूआत में मेरी बहू अपने मायके चली गई। वहां जाने के बाद उसने अतुल समेत मेरे पूरे परिवार पर केस कर दिया। मेरे बेटे को लगता था कि कोर्ट से उसे न्याय जरूर मिलेगा। अभी बेंगलुरु एयरपोर्ट पर बेटे की अस्थियां गोद में लेकर बैठा हूं। अब मैं अपने बेटे के लिए लड़ूंगा और न्याय दिला कर रहूंगा।' ये बातें बेंगलुरु से समस्तीपुर लौट रहे अक इंजीनियर अतुल सुभाष के पिता पवन कुमार दैनिक भास्कर से कहीं। फोन पर बात करते हुए पिता ने रोते-रोते पूरी कहानी बताई। बेटे को खो चुके पवन कुमार ने कहा, 'उसकी शादी के बाद एक बार जो परेशानियां शुरू हुईं, वो फिर खत्म नहीं हुई। एक केस खत्म होता तो दूसरा शुरू हो जाता।'अतुल सुभाष के पिता

पवन कुमार ने बताया, '26 अप्रैल 2019 को अतुल की शादी हुई। अतुल की पत्नी शादी के बाद सिर्फ एक दिन हमारे घर यानी पूसा रोड रही है। अगले ही दिन यानी 28 अप्रैल को वो अतुल के साथ बेंगलुरु चली गई।' 'इसके बाद वो कभी हम लोगों के पास नहीं आई। अतुल की पत्नी बेंगलुरु में किसी कंपनी में काम करती थी। उस वक्त अतुल महिंद्रा एंड महिंद्रा में जॉब करता था। दोनों साथ ही बेंगलुरु गए थे।' 'एक साल बाद जब पोता हुआ, तो कुछ ही दिनों के बाद बहू की मां बेंगलुरु आई और पता नहीं क्या सिखाया कि बहू बेटे को लेकर मायके लौट गई। फिर तो सब बिल्कुल ही बदल गया।' 'आप सोच कर देखिए कि पूरे परिवार पर हत्या की कोशिश का, दहेज का... हमारे यहां दहेज का कोई प्रथा नहीं चलता है। इसके बाद भी मेरी बहू ने इतनी बड़ी समस्या में हम लोगों को डाल दिया।' 'स्थिति ऐसी हो गई कि बेटे को सुसाइड करना पड़ गया। शायद ये सब अतुल ने पहले से ही प्लान कर लिया था। वो जितनी परेशानियां झेल रहा था, शायद सोचता होगा कि मां-बाप को बताने से कोई फायदा नहीं, शायद इसी लिए उसने ये कदम उठाया।' रोते-रोते पवन कुमार ने बताया, '8 दिसंबर की देर रात छोटे बेटे विकास को मेल मिलने के बाद हम लोग 9 दिसंबर की सुबह बिहार से बेंगलुरु के लिए चले। शाम को यहां पहुंच गए थे। 10 दिसंबर को क्रिया-कर्म करने के बाद आज सुबह हम लोग बिहार के लिए निकले हैं।' अतुल की पत्नी ने पूरे परिवार पर केस किया था, लिहाजा अतुल तो बेंगलुरु से बनारस और फिर जौनपुर जाता था। इधर से मैं पूसा रोड से जौनपुर जाता था। मेरी उम्र 62 साल है। मेरी पत्नी 54 साल की है। मेरा छोटा बेटा विकास दिल्ली में रहता है।पिता ने कहा, 'अतुल देखता था कि मेरे माता-पिता भी परेशान हैं। जहां से न्याय मिलना था, वहां पेशकार से लेकर जज तक रिश्वत लेने को तैयार हैं। कहते थे कि 3 लाख रुपए दीजिए, 5 लाख रुपए दीजिए, तो आपका सेटलमेंट करा दिया जाएगा। नहीं तो परेशानी आपको ही होगी।' 'जब जज की ओर से रिश्वत की मांग की गई तो मेरे बेटे अतुल ने कहा कि आप ऐसा बोल रही हैं, तो ऐसे में तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। इतने पैसे मैं कहां से दूंगा।' 'पहले जज की ओर से भरण-पोषण के लिए 40 हजार की रकम तय की गई, बाद में इसे 80 हजार रुपए कर दिया गया। आप सोच कर देखिए, कोई इंसान ऐसे में क्या करेगा।

इंस्टाग्राम- फेसबुक पर फर्जी वीडियो पोस्ट करता है पति

मधुबनी। से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर पत्नी को ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। इसको लेकर महिला ने बुधवार को साइबर थाने में दूसरी बार शिकायत की है। इससे पहले 29 अक्टूबर 2024 को भी पीड़िता ने इस मामले को लेकर आवेदन दिया था। लेकिन, पति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद महिला ने दूसरी बार पति के खिलाफ साइबर थाने में आवेदन दिया है। महिला का आरोप है कि पति अश्लील वीडियो बनाकर मेरे रिश्तेदारों को भेज रहा है। इससे हमारी पारिवारिक जीवन और सामाजिक छवि खराब हो रही है।पहली बार में महिला को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसका पति ही फेक आईडी बनाकर उस पर अश्लील वीडियो अपलोड कर रहा है। इस कारण उसने अज्ञात के खिलाफ आवेदन दिया था। वहीं, 2 दिन पहले उसे पता चला कि उसका पति ये काम कर रहा है। इसके बाद बुधवार को उसने अपने पति के खिलाफ

साइबर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पीड़ित महिला ने बताया कि 'वह पिछले 2 महीने से पुलिस थाने का चक्कर काट रही थी। लेकिन, उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। महिला का कहना है कि आरोपी लगातार अलग-अलग फेक क्ळ बनाकर अश्लील मैसेज और वीडियो परिजनों को भेज रहा है। पुलिस ने उसे पुपरी थाना और साइबर सेल के बीच दौड़ाया, लेकिन मामले पर ध्यान नहीं दिया।' जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा साइबर ऊढ रश्मि कुमारी ने बताया कि 'आरोपी ने कई फेक अकाउंट्स बनाकर अश्लील वीडियो पोस्ट की है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।'

लेने की बात से इनकार किया है।वहीं, धमंगंज निवासी राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि गंगा बाबू चौक की रहने वाली लड़की पिंकी (25) से अरेंज मैरिज हुई थी। 29 अप्रैल 2024 को जिला न्यायालय में दोनों ने शादी की थी। इस दौरान दोनों के परिजनों भी मौजूद थें। कोर्ट में शादी के बाद पांजीपारा के मंदिर में भी हिंदू रीति रिवाज से परिजनों की उपस्थिति में दोनों की शादी हुई थी। राकेश का आरोप है कि शादी के बाद लड़की की मां ने बेटी को उनके साथ भेजने से मना कर दिया। मां का कहना था कि अभी आपका घर ठीक नहीं है। पहले घर बनवा लें, फिर लड़की को विदा करेंगे। ससुराल वालों की बात मानते हुए मैंने भी लड़की को साथ ले जाने के लिए दबाव नहीं बनाया। हालांकि, लड़की का मेरे घर आना-जाना लगा रहता था। साथ घूमने भी जाते थे। इसी बीच लड़की और उसकी मां ने तरह-तरह से मुझ पर दबाव डालना शुरू कर दिया। कभी जमीन लेने के लिए तो कभी घर की रजिस्ट्री के नाम पर मुझ से लाखों रुपए लिए। दो युवक मेरी पत्नी को लेकर गए पुलिस को दिए आवेदन राकेश गुप्ता ने बताया कि 6 दिसंबर को डॉक्टर को दिखाने के लिए वह अपने ससुर और सास के साथ पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी गए थे। इस दौरान पत्नी ने हाल-चाल जानने के लिए फोन किया था।

आधुनिक शिक्षा के दौर में क्यों गुम हो गई गुरु-शिष्य की परम्परा, बहाल करने की हो पहल

एनाएतुल्लाह नन्हे/सीवान

आखिर शिक्षा देने वाले गुरु और शिक्षा को प्राप्त करने वाले शिष्य यानी टीचर और स्टूडेंट के बीच 80 और 90 के दशक वाली परम्परा क्यों खत्म हो गई है । क्या उसे फिर से बहाल नही किया जा सकता है । जरूर किया जा सकता है लेकिन शर्त है कि शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक तीनों को मिल कर ऐसा माहौल बनाना पड़ेगा । आखिर आज के दौर में स्टूडेंट जिस शिक्षक से शिक्षा लेते हैं उनके साथ गुरु परम्परा को क्यों नही निभा पा रहे हैं । आज के दौर में जहाँ स्टूडेंट हिंसक हो रहे हैं तो टीचर भी कम नही है । आप लोगों ने अक्सर सुना होगा कि किसी स्कूल के टीचर ने स्टूडेंट को बहुत ही बेरहमी से पीटा । कभी-कभी तो इसकी वीडियो भी वायरल हो जाती है । कभी तो ये भी हुआ है कि टीचर की पिटाई से स्टूडेंट की जान तक चली गई है । इतना ही नही कभी-कभी तो स्टूडेंट ने भी अपने गुरु जो शिक्षा दे रहा है उस पर चाकू या धारधार हथियार से हमला भी कर चुके हैं । आखरी ऐसा क्यों हो रहा है । गुरु और शिष्य की परम्परा क्यों खत्म हो रही है । इस पर सबको चिंतक और मंथन करने की जरूरत है । आज लोग लाखो रुपया और कड़ी मेहनत कर के भी बहुत मुश्किल से चार्टेड एकाउंड (सीए) बनते हैं और कोई तो सालो मेहनत कर के भी सफल नही होते हैं । जबकि 80 के दशक में वही सीए जिसे उस जमाने मे महाजन कहते थे जो आज भी हैं लेकिन गिने चुने रह गए हैं जो सीए से भी तेज हैं । जानते हैं उस दौर में जो सीए यानी महाजन होता था उसकी पढ़ाई को महाजनी कहते थे जो कि गुरु जी पढ़ाते थे । उस दौर में महाजनी करने वाले शिष्य गुरु परम्परा को खूब निभाते थे । गुरु जी पढ़ाई के नाम पर कुछ नही लेते थे जो जिससे बनता था वह गुरु जी को देते थे । मैं बहुत छोटा था मुझे बहुत हल्का सा स्मरण होता है कि जब मेरे बड़े भाई महाजनी करते थे तो गुरु जी साल में एक बार अपने सभी शिष्यों के साथ दोनो हाँथो में डांडिया के माफिक लकड़ी (सटीक) को बजाते हुए आते थे और फिर उस छात्र के परिवार द्वारा सबसे पहले गुरु जी का सत्कार होता था । फिर सभी बच्चों को अपने-अपने हैसियत के मुताबिक जलपान या भोजन कराया जाता था । इस बीच बच्चे साथ लाए डांडिया सटीक को बजा-बजा कर यह फिरयाद करते थे कि हम धन्य हैं कि हमारे दरवाजे पर गुरु जी पधारे । फिर गुरु जी को उस छात्र के परिवार की ओर से धोती, कुर्ता, गमछा, चप्पल और जो जिससे बनता था देता था । साथ ही हल्दी के साथ सीधा दिया जाता था यानी गुरु जी कुछ नही खाते थे इसलिए उन्हें अनाज चावल, दाल इत्यादि दिया जाता था । यहाँ आप को बता दें कि गुरु जी अपने शिष्य के किसी भी परिवार के पास जाते थे तो कोई जिद नही करते थे जो जितना दिया लेकर चल पड़ते थे । आज अलग-अलग धर्म के स्कूल खुल गए हैं जैसे इस्लामिक मॉडल, सनातन मॉडल, अंग्रेजी मॉडल जबकि सब मे पढ़ाई अच्छी हो रही है । केवल अपनी-अपनी संस्कृति और धर्म को साथ लेकर चला जा रहा है । मैं इसकी बुराई नही कर रहा बल्कि यह भी ठीक है । लेकिन इसे कहने का तातपर्य मुझे शिक्षा में धर्म को लाना नही है बल्कि ये बताने के लिए चर्चा किया कि उस 80 के दशक में ऐसा कोई माहौल नही था । गुरु जी जब काठ की तख्ती और फिर पीला रंग का बड़ा-बड़ा खाता बही जो लगभग एक-एक हाथ का रजिस्टर हुआ करता था जिसके एक छोर को मजबूत धागे से बाँधना पड़ता था । जब उस बही और खाते की शुरआत की जाती थी तो सबसे पहले हल्दी से स्वस्तिक बनाया जाता था । जिसे हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सब बनाते थे जिसका कोई विरोध नही करता था और फिर पढ़ाई शुरू होती थी । उस दौर में गुरु जी अपने छात्रों को एक से लेकर 40 तक का पहाड़ा (टेबल) फरार्टेदार याद करवाते थे । जबकि आज के दौर में स्टूडेंट को 20 तक का पहाड़ा (टेबल) याद नही रहता है और सवा, डेढ़, अढ़इया का हिसाब के लिए गणक (कलकुलेटर) का इस्तेमाल करते हैं जबकि गुरु परम्परा के महाजनी छात्र सवा, डेढ़, अढ़इया का हिसाब जुबानी और हवा की रफ्तार से करते थे । आज की पढ़ाई का उद्देश्य एजुकेशन मेक्स द मैन परफेक्ट अर्थात शिक्षा आदमी को इंसान बनाता है वाला नही रह गया है । अब शिक्षा एक व्यपार हो गया है और शिक्षक व्यपारी । इसलिए शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र और शिक्षकों के बीच अब गुरु-शिष्य की परम्परा खत्म हो गई है । इसका कारण भी

है वह यह कि अब स्कूल में पढ़ाई से ज्यादा फैशन पर जोर दिया जा रहा है । शिक्षा को दिया नही जा रहा है बल्कि बेचा जा रहा है । शिक्षा को गुरुकुल परम्परा से हट कर कारपोरेट बनाया जा रहा है । पैसे के हिसाब से शिक्षा दी जा रही है । अपने धर्म, मजहब, तहजीब, संस्कृति, परम्परा को ताक पर रख कर शिक्षा को मॉर्डन के नाम पर बेचा जा रहा है । जब कोई पैसा से शिक्षा को ग्रहण करेगा तो फिर किस बात का किसी का एहसान लेगा तो वही बात आ गई कि तब कहाँ रहेगा गुरु-शिष्य की परम्परा । मैं नही कहता कि सभी स्कूल एक जैसे हैं । हाँ ये जरूर है कि आज भी कहीं सनातन परम्परा को बहाल रखा गया है जैसे शिशु मंदिर, महाबीरी स्कूल जहाँ गुरु-शिष्य परम्परा जिंदा है और उसे जिंदा रखने की कोशिश जारी है वहीं बहुत सारी जगहों पर इस्लामिक मॉडल स्कूल हैं जो तहजीब (संस्कार) के साथ पढ़ाई करा रहे हैं जहाँ के बच्चे आज भी संस्कारिक हैं और गुरु-शिष्य की परम्परा जिंदा है । लेकिन यह अपवाद स्वरूप हैं जो गिनती मात्र के हैं । गुरु-शिष्य की परम्परा बहाल हो इसके लिए पहल करने की जरूरत है । इसके लिए सबसे ज्यादा पहल अभिभावकों को करनी होगी । इसके लिए जब स्कूल से पैरेंट्स मीटिंग की खबर आए तो जरूर जाए और वहाँ अपने बच्चों के बारे रिपोर्ट देखें और अगर लगता है कि स्कूल और स्कूल के शिक्षक आप के बच्चे पर ध्यान नही दे रहे हैं तो क्यों नही दे रहे हैं कहीं आप के बच्चे का दोष तो नही या टीचर का दोष है । जाकर जानिये । मगर बहुत ही अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि आज के गार्जियन अपने बच्चे के स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में नही जाते हैं । जबकि माता-पिता में जो भी फ्री है उनमे से किसी एक को तो जरूर जाना चाहिए अगर दोनों बिजी हैं तो अभिभावक के रूप में जो परिवार के बड़े लोग हैं उन्हें भेजना चाहिए । आज का अभिभावक बड़े-बड़े स्कूल में अपने बच्चों का नामांकन करा कर और ज्यादा फीस देकर ये समझते हैं कि उनकी जिम्मेवारी खत्म हो गई है । जबकि ऐसा नही है । बड़े स्कूल में एडमिशन कराकर आप शिक्षा को खरीद नही सकते हैं और जो स्कूल ज्यादा फीस ले रहा है वह भी ये दावा नही करता की वह उनके बच्चे को 100% परफेक्ट कर के ही देंगे । इसलिए आप महंगे से महंगे और सस्ते से सस्ते स्कूल में अपने बच्चों को पढ़ाईये लेकिन आज के दौर में उन बच्चों के साथ अभिभावक को भी पढ़ना होगा । क्योंकि अब 80 और 90 के दशक वाली पढ़ाई और उस दौर के शिक्षक भी नही हैं जो अपने स्टूडेंट को अपना समझ कर भविष्य बनाने के नियत से पढ़ाते थे और उस दौर में गार्जियन भी उनका साथ देता था । जबकि आज का गार्जियन किसी बच्चे के साथ कुछ मामला होता है तो उसे समझने से पहले ही शिक्षक के साथ अभद्रता और कभी-कभी तो मार पीट की नौबत तक आ जाती है । आज का पढ़ाई बहुत ही कम्प्टेटिव अर्थात प्रतियोगिता वाली है । इसलिए हर स्टूडेंट के साथ गार्जियन भी रोजगार परक शिक्षा चाहता है । आज के हर स्टूडेंट का उद्देश्य बड़ा सरकारी अफसर या मल्टीमीडिया कम्पनी में बड़ा से बड़ा पैकेज पाना है । जिस कारण अब पढ़ाई के माहौल में टीचर और स्टूडेंट के बीच फूल कमर्शियल माहौल है । टीचर भी अब टेंडर और ठीका लेकर पढ़ा रहे हैं । ठीक है मैं मानता हूँ यह समय डिजिटल दौर का है लेकिन फिर भी उसी ग्लोबल विलेज के बीच रह कर टीचर और स्टूडेंड के बीच गुरु परम्परा को बहाल करने की कोशिश होनी चाहिए । क्योंकि टीचर किसी भी तकनीक से शिक्षा तो दे रहा है इसलिए उस शिक्षा देने वाले गुरु के साथ स्टूडेंट को गुरु परम्परा को बहाल रखने की भरसक कोशिश होनी चाहिए । आखिर आधुनिक शिक्षा के दौर में सब कुछ ठीक-ठाक और पटरी पर चल रहा है तो फिर इसके लिए टीचर, स्टूडेंट और गार्जियन का आपसी तालमेल क्यों नही बैठ सकता है । जरूर बैठ सकता है इसके लिए सबको ईमादारी से पहल करने की जरूरत है ।

लेटर भेजकर महाबोधि मंदिर को उड़ाने की धमकी

झारखंड के गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम से भेजा लेटर; कुख्यात के घर धनबाद पहुंची गया पुलिस

गया। के महाबोधि मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह धमकी मंदिर समिति को पत्र भेजकर दी गई है। धमकी मिलते ही मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस की जांच में पता चला है कि धमकी भरा लेटर झारखंड के गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम पर भेजा गया है। प्रिंस पर झारखंड सरकार ने 30 लाख का इनाम रखा है। उसके खिलाफ रेड और ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी है, लेकिन वह अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर है। अब तक की जांच में उसका मोबाइल लोकेशन दुबई में मिला है। इधर धमकी मिलने के बाद गया पुलिस मंगलवार को धनबाद के वासेपुर

स्थित गैंगस्टर के घर भी पहुंची, लेकिन वहां प्रिंस खान नहीं मिला। धनबाद पुलिस ने पहले ही प्रिंस का पासपोर्ट रद्द करवा चुकी है। उसके खिलाफ प्रिंस खान साल 2021 में जमीन कारोबारी नन्हे खान की हत्या के बाद से फरार है। जांच एजेंसियां हर पहलू पर कर रही जांच धमकी मिलने के बाद महाबोधि मंदिर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जांच एजेंसियां हर पहलू पर काम कर रही हैं। बुधवार को गया के सिटी एसपी प्रेरणा कुमार ने कहा कि 'लेटर भेजकर धमकी दी गई है, जिसकी सत्यता की जांच की जा रही है। अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। मामले में गोपनीयता बरती जा रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि धमकी असली है या किसी ने प्रिंस खान का नाम इस्तेमाल कर साजिश रची है।' 7 जुलाई, 2013 को आतंकवादियों ने महाबोधि मंदिर और बोधगया के आसपास के तीर्थस्थलों पर विस्फोट किए थे। 30 मिनट में 9 विस्फोट किए गए थे। इस हमले में दो भिक्षु सहित 5 लोग घायल हुए थे। 19 जनवरी 2019 में भी हुई थी कोशिश बोधगया को दोबारा दहलाने की साजिश 19 जनवरी 2019 को की गई थी। आतंकियों ने महाबोधि मंदिर परिसर के आसपास तीन जगहों पर विस्फोटक रखे थे। उस समय दलाई लामा बोधगया में ही प्रवास पर थे। हालांकि, गया पुलिस ने सर्च अभियान चलाकर तीनों विस्फोटक बरामद कर किया था। इससे बड़ा हादसा होने से बच गया था।

संक्षिप्त डायरी

गेटमैन के शराब पीने मामले में अल्कोहल की पुष्टी नहीं

मोतिहारी। में रेलवे और पुलिस के बीच विवाद होने का मामला सामने आया है। दरअसल पुलिस का कहना है बनकटवा में तैनात रेलवे गेट मैन शराब के नशे में डयूटी कर रहा था। जबकि गेट मैन का कहना है कि पुलिस गुमटी खोलवाने के लिए दबाव बना रही थी। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मालूम हो कि जितना थाना थाथानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह 28 नवंबर को गश्ती पर थे। इस दौरान गेट मैन पवन कुमार को शराब के नशे में डयूटी करते पकड़ा था। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया गया था। वहीं गेट मैन पवन कुमार ने एसपी से शिकायत करते हुए लिखा था कि पुलिस उस पर दबाव बना रही थी कि वे गेट को खोल दे। गेट नहीं खोलने पर झूठा केस लगा दिया। जबकि डीआरएम की ओर से कराए गए जांच में शराब पीने की पुष्टि नहीं हुई है। इसके अलावा एसपी ने बताया कि फाटक कर्मी का ब्लड सैंपल रेलवे ने एक दिन बाद लिया था। एक दिन के बाद ब्लड लेने पर रिपोर्ट में अल्कोहल की पुष्टि नहीं हो सकती है। अनुसंधान में यह रिपोर्ट मान्य नहीं होगा।

थाना अध्यक्ष सहित 60 कर्मियों का वेतन बंद

मोतिहारी। SP ने क्राइम मीटिंग में समीक्षा के बाद कार्य में लापरवाही को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। एक थाना के 60 कर्मियों का वेतन बंद कर दिया है। वही थाना के अपर थाना अध्यक्ष को निलंबित कर दिया है।एसपी स्वर्ण प्रभात ने नगर थाना के इंस्पेक्टर से लेकर सिपाही तक सभी कर्मियों का वेतन रोक दिया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि क्राइम मीटिंग के दौरान सभी थानों के कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान नगर थाना में सौ से अधिक वारंटी, कुर्की और इश्तहार के निष्पादन में कर्त्तव्य हीनता सामने आई। इसको लेकर अपर थाना अध्यक्ष रविराज को निलंबित कर दिया गया। वहीं नगर थाना के थाना अध्यक्ष से लेकर सिपाही तक के वेतन को बंद करने का आदेश दिया गया है।

भाजपा नेता की पत्नी ने की दूसरी शादी, फोटो वायरल

किशनगंज। में भाजपा नेता राकेश कुमार गुप्ता (30) ने अपनी पत्नी पर 5 लाख रुपए लेकर फरार होने का आरोप लगाया है। पत्नी की दूसरी शादी की तस्वीर भी सामने आई है। इसको लेकर राकेश ने अपहरण का मामला दर्ज कराया गया है। मामला किशनगंज सदर थाना क्षेत्र का है। राकेश गुप्ता भाजपा के क्षेत्रीय प्रभारी है। मंगलवार को राकेश कुमार गुप्ता और उनके परिजन लड़की के घर पहुंचे तो हंगामा हुआ। लड़का पक्ष के लोगों का आरोप है कि लड़की पांच लाख कैश लेकर भाग गई है। इससे पहले लड़की की मां ने कई बार में 35 लाख रुपए लिए है।वहीं, इस संबंध में लड़की के पिता ध्रूप मोदक ने बताया कि राकेश गुप्ता से बेटी की शादी नहीं, बल्कि सगाई हुई थी। 6 दिसंबर को वे डॉक्टर से दवा लेने सिलीगुड़ी गए थे। वहां से वापस आने के बाद घर में बेटी नहीं मिली। पिता ने राकेश गुप्ता से रुपए लेने की बात से इनकार किया है।वहीं, धर्मगंज निवासी राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि गंगा बाबू चौक की रहने वाली लड़की पिंकी (25) से अरेंज मैरिज हुई थी। 29 अप्रैल 2024 को जिला न्यायालय में दोनों ने शादी की थी। इस दौरान दोनों के परिजनों भी मौजूद थें। कोर्ट में शादी के बाद पांजीपारा के मंदिर में भी हिंदू रीति रिवाज से परिजनों की उपस्थिति में दोनों की शादी हुई थी। राकेश का आरोप है कि शादी के बाद लड़की की मां ने बेटी को उनके साथ भेजने से मना कर दिया। मां का कहना था कि अभी आपका घर ठीक नहीं है। पहले घर बनवा लें, फिर लड़की को विदा करेंगे। ससुराल वालों की बात मानते हुए मैंने भी लड़की को साथ ले जाने के लिए दबाव नहीं बनाया। हालांकि, लड़की का मेरे घर आना-जाना लगा रहता था। साथ घूमने भी जाते थे। इसी बीच लड़की और उसकी मां ने तरह-तरह से मुझ पर दबाव डालना शुरू कर दिया। कभी जमीन लेने के लिए तो कभी घर की रजिस्ट्री के नाम पर मुझ से लाखों रुपए लिए। दो युवक मेरी पत्नी को लेकर गए पुलिस को दिए आवेदन राकेश गुप्ता ने बताया कि 6 दिसंबर को डॉक्टर को दिखाने के लिए वह अपने ससुर और सास के साथ पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी गए थे। इस दौरान पत्नी ने हाल-चाल जानने के लिए फोन किया था।

दानापुर अस्पताल कैंपस में लगा पोल टांसफार्मर के साथ गिरा

पटना। के दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में लगा टांसफार्मर, पोल सहित उखड़कर गिर गया। इसके कारण बिजली सप्लाई बाधित हो गई। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि अस्पताल के चारदीवारी निर्माण को लेकर गड्ढा खोदा गया था। इसके कारण यह घटना हुई। मजदूर के साथ ठेकेदार भी फरार प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो उस समय ठेला लेकर गुजर रहा एक शख्स बाल-बाल बच गया। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि करीब 12 बजे घटना हुई। मौके पर मौजूद लोग इधर उधर देखकर भागने लगे। बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना के बाद चारदीवारी का काम रहे सभी मजदूर के साथ ही ठेकेदार फरार हो गए। अचानक हुई इस घटना के बाद दानापुर अनुमंडल अस्पताल में तीन घंटे तक बिजली बाधित रही। घटना की सूचना पाकर मौके बिजली विभाग के कनीय अभियंता अपने टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य

में जुट गए। अनुमंडल अस्पताल की मैनेजर सीमा ने बताया कि तीन घंटे से बिजली बाधित है। फिलहाल जरनेटर से बिजली अस्पताल में बिजली आपूर्ति की जा रही है। कनीय अभियंता रवि भूषण ने बताया कि चारदीवारी निर्माण को लेकर गड्ढा खोदा गया था, जिससे हादसा हुआ है। घटना ठेकेदार की लापरवाही के कारण हुई है। गड्ढा खोदने को लेकर पहले विभाग को सूचना नहीं दी गई थी।

हमारी सरकार बनी तो कांग्रेस के दो डिप्टी सी.एम होंगे

बिहार कांग्रेस प्रभारी बोले- उसमें एक मुस्लिम होगा; तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री होंगे

पटना। 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी सभी राजनीतिक दलों ने शुरू कर दी है। महागठबंधन में शामिल कांग्रेस ने चुनाव और हार-जीत के फैसले से पहले ही बड़ी डिमांड रख दी है। बिहार कांग्रेस के प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा- '2025 में महागठबंधन की सरकार बनी तो कांग्रेस पार्टी से दो डिप्टी सी.एम होंगे। एक डिप्टी सी.एम मुस्लिम समाज से होगा और दूसरा डिप्टी सी.एम सामान्य वर्ग से होगा।' खगड़िया में शाहनवाज आलम ने कहा कि 'बिहार विधानसभा का चुनाव महागठबंधन तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लड़ेगा। बहुमत मिलने के बाद तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री होंगे।'इससे पहले कांग्रेस प्रभारी ने ममता बनर्जी को नेतृत्व देने वाले लालू यादव के बयान पर कहा था-

'कांग्रेस पार्टी एक अखिल भारतीय पार्टी है। जो लोग इस तरह का दावा कर रहे हैं कि बिहार, यूपी, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वजूद नहीं है, वह पूरी तरह से बेतुका है। अगर आप सिर्फ एक राज्य में मजबूत हैं तो उसके आधार पर आप दूसरे दल पर सवाल खड़ा नहीं कर सकते। हर किसी की महत्वाकांक्षा होती है, लेकिन उसे कंट्रोल में रखना चाहिए।'एक दिन पहले ही लालू यादव ने I.N.D.I.A गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी को सौंपने की बात कही थी। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस में खलबली मच गई थी। हालांकि, कांग्रेस की ओस रे कहा गया कि 'नेतृत्व का निर्णय I.N.D.I.A गठबंधन के सभी घटक दल मिलकर करेंगे।' वहीं खगड़िया में मीडिया से बात करते हुए बिहार कांग्रेस प्रभारी शाहनवाज आलम ने इशारों में लालू परिवार और ममता बनर्जी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, 'पिछले दिनों देश के एक बड़े पूंजीपति के घर में शादी हुई थी, तो जो-जो लोग उस शादी में गए थे, वही लोग उन पर सवाल उठा रहे हैं जो उस शादी में नहीं गए थे।

गांधी परिवार को पूरे देश के लोग स्वीकार करते हैं।'

बता दें कि मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में लालू परिवार और ममता बनर्जी ने शिरकत की थी।

बेटे की अस्थियां लेकर लौट रहा,न्याय के लिए लड़ूंगा

समस्तीपुर।'2019 में मेरे बड़े बेटे अतुल की शादी निकिता सिंघानिया से हुई थी। शादी के बाद से अतुल कभी खुश नहीं रहा। हर वक्त उसकी पत्नी उसे प्रताड़ित करती रहती थी। अतुल को लगता था कि सब एडजस्ट हो जाएगा। फिर एक साल बाद मेरा पोता हुआ, लेकिन फिर भी सब ठीक नहीं हुआ।' '2021 की शुरूआत में मेरी बहू अपने मायके चली गई। वहां जाने के बाद उसने अतुल समेत मेरे पूरे परिवार पर केस कर दिया। मेरे बेटे को लगता था कि कोर्ट से उसे न्याय जरूर मिलेगा। अभी बेंगलुरु एयरपोर्ट पर बेटे की अस्थियां गोद में लेकर बैठा हूं। अब मैं अपने बेटे के लिए लड़ूंगा और न्याय दिला कर रहूंगा।' ये बातें बेंगलुरु से समस्तीपुर लौट रहे अक इंजीनियर अतुल सुभाष के पिता पवन कुमार दैनिक भास्कर से कहीं। फोन पर बात करते हुए पिता ने रोते-रोते पूरी कहानी बताई। बेटे को खो चुके पवन कुमार ने कहा, 'उसकी शादी के बाद एक बार जो परेशानियां शुरू हुईं, वो फिर खत्म नहीं हुई। एक केस खत्म होता तो दूसरा शुरू हो जाता।'अतुल सुभाष के पिता

पवन कुमार ने बताया, '26 अप्रैल 2019 को अतुल की शादी हुई। अतुल की पत्नी शादी के बाद सिर्फ एक दिन हमारे घर यानी पूसा रोड रही है। अगले ही दिन यानी 28 अप्रैल को वो अतुल के साथ बेंगलुरु चली गई।' 'इसके बाद वो कभी हम लोगों के पास नहीं आई। अतुल की पत्नी बेंगलुरु में किसी कंपनी में काम करती थी। उस वक्त अतुल महिंद्रा एंड महिंद्रा में जॉब करता था। दोनों साथ ही बेंगलुरु गए थे।' 'एक साल बाद जब पोता हुआ, तो कुछ ही दिनों के बाद बहू की मां बेंगलुरु आई और पता नहीं क्या सिखाया कि बहू बेटे को लेकर मायके लौट गई। फिर तो सब बिल्कुल ही बदल गया।' 'आप सोच कर देखिए कि पूरे परिवार पर हत्या की कोशिश का, दहेज का... हमारे यहां दहेज का कोई प्रथा नहीं चलता है। इसके बाद भी मेरी बहू ने इतनी बड़ी समस्या में हम लोगों को डाल दिया।' 'स्थिति ऐसी हो गई कि बेटे को सुसाइड करना पड़ गया। शायद ये सब अतुल ने पहले से ही प्लान कर लिया था। वो जितनी परेशानियां झेल रहा था, शायद सोचता होगा कि मां-बाप को बताने से कोई फायदा नहीं, शायद इसी लिए उसने ये कदम उठाया।' रोते-रोते पवन कुमार ने बताया, '8 दिसंबर की देर रात छोटे बेटे विकास को मेल मिलने के बाद हम लोग 9 दिसंबर की सुबह बिहार से बेंगलुरु के लिए चले। शाम को यहां पहुंच गए थे। 10 दिसंबर को क्रिया-कर्म करने के बाद आज सुबह हम लोग बिहार के लिए निकले हैं।' अतुल की पत्नी ने पूरे परिवार पर केस किया था, लिहाजा अतुल तो बेंगलुरु से बनारस और फिर जौनपुर जाता था। इधर से मैं पूसा रोड से जौनपुर जाता था। मेरी उम्र 62 साल है। मेरी पत्नी 54 साल की है। मेरा छोटा बेटा विकास दिल्ली में रहता है।पिता ने कहा, 'अतुल देखता था कि मेरे माता-पिता भी परेशान हैं। जहां से न्याय मिलना था, वहां पेशकार से लेकर जज तक रिश्वत लेने को तैयार हैं। कहते थे कि 3 लाख रुपए दीजिए, 5 लाख रुपए दीजिए, तो आपका सेटलमेंट करा दिया जाएगा। नहीं तो परेशानी आपको ही होगी।' 'जब जज की ओर से रिश्वत की मांग की गई तो मेरे बेटे अतुल ने कहा कि आप ऐसा बोल रही हैं, तो ऐसे में तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। इतने पैसे मैं कहां से दूंगा।' 'पहले जज की ओर से भरण-पोषण के लिए 40 हजार की रकम तय की गई, बाद में इसे 80 हजार रुपए कर दिया गया। आप सोच कर देखिए, कोई इंसान ऐसे में क्या करेगा।

इंस्टाग्राम- फेसबुक पर फर्जी वीडियो पोस्ट करता है पति

मधुबनी। से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर पत्नी को ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। इसको लेकर महिला ने बुधवार को साइबर थाने में दूसरी बार शिकायत की है। इससे पहले 29 अक्टूबर 2024 को भी पीड़िता ने इस मामले को लेकर आवेदन दिया था। लेकिन, पति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद महिला ने दूसरी बार पति के खिलाफ साइबर थाने में आवेदन दिया है। महिला का आरोप है कि पति अश्लील वीडियो बनाकर मेरे रिश्तेदारों को भेज रहा है। इससे हमारी पारिवारिक जीवन और सामाजिक छवि खराब हो रही है।पहली बार में महिला को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसका पति ही फेक आईडी बनाकर उस पर अश्लील वीडियो अपलोड कर रहा है। इस कारण उसने अज्ञात के खिलाफ आवेदन दिया था। वहीं, 2 दिन पहले उसे पता चला कि उसका पति ये काम कर रहा है। इसके बाद बुधवार को उसने अपने पति के खिलाफ

साइबर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पीड़ित महिला ने बताया कि 'वह पिछले 2 महीने से पुलिस थाने का चक्कर काट रही थी। लेकिन, उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। महिला का कहना है कि आरोपी लगातार अलग-अलग फेक क्ळ बनाकर अश्लील मैसेज और वीडियो परिजनों को भेज रहा है। पुलिस ने उसे पुपरी थाना और साइबर सेल के बीच दौड़ाया, लेकिन मामले पर ध्यान नहीं दिया।' जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा साइबर ऊढ रश्मि कुमारी ने बताया कि 'आरोपी ने कई फेक अकाउंट्स बनाकर अश्लील वीडियो पोस्ट की है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।'

अज्ञात वाहन कि ठोकर से युवक घायल, चल रहा इलाज

मोतिहारी । में के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े युवक को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया। इसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आस पास के लोगों ने उसे डुमरियाघाट हॉस्पिटल में भर्ती कराया।वहा गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। युवक की पहचान डुमरिया घाड़ थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव निवासी 25 साल के सोनू कुमार के रूप में हुई है। घटना के संबंध में घायल सोनू के पिता ने बताया कि वह चौक पर गया था। चौक से घर आ रहा था, इस बीच अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। तभी इसकी सूचना हम लोगों को मिली। इसके बाद उसे लेकर मोतिहारी के सदर अस्पताल आए है। घटना के बाद आरोपी चालक फरार हो गया।

बिहार एन.डी.ए की डिनर पार्टी, टॉपिक रहे लालू

दिल्ली में बिहार विधानसभा चुनाव पर बनी रणनीति, पार्टी अपना सकती है महाराष्ट्र जीत का फॉमूर्ला

पटना। दिल्ली में JDU के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा के आवास पर मंगलवार रात बिहार NDA के सांसदों और नेताओं की बैठक हुई। बैठक में गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। इस दौरान कई बड़े और अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। मीटिंग के दौरान 2025 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा हुई। माना जा रहा है कि NDA महाराष्ट्र चुनाव में जीत का फॉमूर्ला बिहार विधानसभा चुनाव में भी अपना सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, NDA सांसदों की बैठक में RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद का नीतीश कुमार पर बयान भी मुद्दा रहा। कई सांसदों ने लालू के आपत्तिजनक टिप्पणी को उनकी उम्र से जोड़ा। कहा, 'ज्यादा उम्र होने पर आदमी ठीक से तय नहीं कर पाता है कि वह बोल क्या रहा

है।' वहीं, कुछ सांसदों का कहना था, 'इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। वे ऐसी बातें बोलते रहते हैं। चूंकि यही लालू की आदत है, यही उनके संस्कार हैं।' राज्यसभा सांसद संजय झा के दिल्ली वाले आवास पर डिनर के बहाने NDA सांसदों बैठक बुलाई गई थी। इसमें दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा समेत केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा समेत बिहार से आने वाले सभी NDA सांसद भी मौजूद थे। इस दौरान अमित शाह ने सभी सांसदों से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, अमित शाह ने चुनाव से पहले NDA के पांचों घटक दलों को आपस में बेहतर समन्वय बनाने की बात कही। साथ ही राज्यभर में सम्मेलन और सभाएं करने की भी सलाह दी। मकर संक्रांति के बाद NDA के पांचों घटक दल हर जिले के बूथ स्तर और पंचायत स्तर तक के कार्यकताओं के साथ बैठक करेंगे। साथ ही इस बात पर जोर दिया गया कि बैठक में NDA का कोई दल अनुपस्थित ना रहे। जानकारी के मुताबिक, शाह ने ये सलाह दी है कि बूथ स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक जो बैठके होंगी, उसमें NDA के सभी पांचों दल के प्रदेश अध्यक्ष एक साथ मौजूद रहने चाहिए। सभी प्रदेश अध्यक्ष जब एक साथ होंगे तो ना कार्यकताओं के बीच में कोई कन्फ्यूजन रहेगा और ना ही मतदाताओं के बीच में।संजय झा के आवास पर हुए NDA दलों की बैठक में जीतन राम मांझी और चिराग पासवान की मौजूदगी के बीच अहम संदेश देने की कोशिश की गई। 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान ने जिस तरह से JDU के खिलाफ अपने उम्मीदवार उतारे थे, उसमें जदयू को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में 2025 के विधानसभा चुनाव में किसी पार्टी के बीच कोई मतभेद न रहे और ना ही मतदाताओं के बीच कोई संशय की स्थिति हो, इसलिए यह संदेश देने की कोशिश की गई कि सभी नेता एक साथ कार्यकताओं से मिलेंगे। जीतन राम मांझी की भी नीतीश कुमार के साथ जो अनबन की स्थिति रही है, उसे भी खत्म करने के लिए इस रणनीति पर काम किया जा रहा है।

दिल का दर्द पहचानें इसके लक्षण

कोरोनरी हार्ट डिजीज किसी भी उम्र में हो सकती है। समय रहते इलाज करा लिया जाए तो आप दिल के दौरे जैसे खतरे से बच सकते हैं।

कोरोनरी धमनी रोग यानी सीएडी एक तरह का हृदय रोग है, जिसमें हमारे हृदय की धमनियों के अंदर प्लेक नाम के एक मोम जैसे पदार्थ का निर्माण होने लगता है, जिससे हमारी धमनियां सिकुड़ जाती हैं और हमारे हृदय तक ऑक्सीजन युक्त खून का प्रवाह घट जाता है। यही प्लेक जब हमारे हृदय की धमनियों के आधे हिस्से में फैल जाता है तो हमारी छाती में दर्द होने लगता है और रोजमर्रा के काम में हमें परेशानी होने लगती है।

इसके अलावा छाती में कसाव और ऐंठन भी महसूस होने लगती है, जिसे एनजाइन कहते हैं। कंधे, बांह, गर्दन, दांत के जबड़े, पीठ और पेट के ऊपरी भाग में भी यह दर्द हो सकता है। सीएडी की वजह से ही दिल का दौरा पड़ता है। किसी व्यक्ति को दिल का दौरा तब पड़ता है, जब उसके प्लेक टूटने लगते हैं और धमनियों पर खून के थक्के जमने लगते हैं, जिससे हृदय की धमनियों में खून का प्रवाह बहुत कम समय में ही अवरुद्ध हो जाता है।

ऐसे में अगर खून का प्रवाह तुरंत पहले जैसा नहीं हुआ, तो हृदय की मांसपेशियां 20 मिनटों के बाद ही मृत होने लगती हैं। ऐसे में व्यक्ति का तुरंत इलाज करवाना चाहिए, नहीं तो सेहत से जुड़ी परेशानियों के अलावा मृत्यु तक का खतरा हो सकता है। सांस की कमी, मिचली आना, उल्टी करना, चक्कर आना आदि दिल के दौरे के लक्षण हैं।

इन वजहों से सीएडी में विकास होता है

धूम्रपान, बीमारी का पारिवारिक इतिहास, मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सुस्त जीवनशैली, व्यायाम में कमी, तनाव, हाईपरलीपिडेमिया (खून में लीपिड की मात्रा का बढ़ना)।

समय रहते करा लें इलाज

सही समय पर हृदय से जुड़ी इस परेशानी का इलाज न कराया जाए तो हृदय काम करना बंद कर सकता है। इससे हृदय की पम्पिंग क्षमता कम हो जाती है, तो फेफड़ों में खून का जमाव होने लगता है और व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। इसके अलावा हृदय की गति अचानक से रुक जाना भी इसकी एक बड़ी समस्या है। कई बार मरीज को यह आभास नहीं हो पाता कि उन्हें हृदय से जुड़ी कोई परेशानी है। इसलिए शुरुआत में ही बीमारी की पहचान हो जाए तो इस बीमारी का इलाज करना संभव होगा। फिर भी अगर बीमारी की पहचान नहीं हो पा रही हो और दवाइयों से भी कोई फायदा नहीं हो पा रहा हो, तो कार्डिएक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी की मदद ली जा सकती है। वहीं दिल के दौरे पड़ने पर खून के थक्कों को हटाने के साथ एंजियोप्लास्टी (अवरुद्ध धमनियों को खोलने की एक तकनीक) एक सुरक्षित तरीका है।

अपनाएं ये उपाय

अपनी जीवनशैली में कुछ जरूरी बदलाव कर आप इस बीमारी से बच सकते हैं, जिसमें वजन को नियंत्रित रखने के साथ निम्न बातों पर अमल करने की सलाह दी जाती है।

स्वस्थ डाइट अपनाएं

एक स्वस्थ डाइट एक स्वस्थ जीवनशैली का अहम हिस्सा होती है। एक दिन की डाइट में 25-35 प्रतिशत से ज्यादा कैलोरी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही स्वस्थ डाइट में घुलनशील फाइबर होता है। फाइबर पाचन तंत्र को कोलेस्ट्रॉल सोखने से रोकता है। ओटमील, जई का चोकर, सेब, केले, संतरे, नाशपाती, आलूबुखारे, काबुली चने, राजमा, दाल, लोबिया में फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा खाने में नमक संतुलित मात्रा में होनी चाहिए, साथ ही खाने में ऊपर से नमक कभी न डालें। नियमित तौर पर अल्कोहल का सेवन करने वाले पुरुषों को दिन में दो बार से ज्यादा ड्रिंक नहीं लेनी चाहिए।

शारीरिक तौर पर रहें सक्रिय

नियमित रूप से शारीरिक श्रम हृदय से जुड़ी कई बीमारियों (जैसे उच्च रक्तचाप, अत्यधिक वजन) के खतरे को कम कर देता है। यही नहीं, यह मधुमेह के खतरे को भी कम करता है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए आप रोज तेज-तेज चलें, सीढ़ियां चढ़ें या कोई खेल खेलें। जॉगिंग, स्विमिंग, बाइकिंग, वॉकिंग जैसे एरोबिक व्यायाम भी आपके हृदय को स्वस्थ बनाते हैं। एक हफ्ते में 150 मिनट यानी करीब ढाई घंटे के हल्के व्यायाम या 75 मिनट यानी सवा घंटे के कड़े व्यायाम की सलाह दी जाती है।

धूम्रपान से बचें

धूम्रपान दिल का दौरा पड़ने का एक बहुत बड़ा कारण है। आंकड़े बताते हैं कि 65 साल के कम उम्र के एक तिहाई लोगों में क्रोनिक हर्ट डिजीज का मुख्य कारण धूम्रपान होता है। वहीं जिन लोगों ने समय रहते ही धूम्रपान छोड़ा है, उनमें कोरोनरी धमनी रोग से उत्पन्न मृत्यु का खतरा करीब आधा कम हो गया। यह भी देखा गया है कि जो लोग घूम्रपान नहीं करते, उनका इलाज धूम्रपान करने वाले लोगों से ज्यादा प्रभावी तरीके से हो पाता है।

तनाव से रहें दूर

रिसर्च बताते हैं कि मानसिक तनाव भी दिल का दौरा पड़ने का एक अहम कारण है। कई बार तनाव दूर करने के लिए लोग ड्रिंक, धूम्रपान या ओवरईटिंग का सहारा लेने लगते हैं, जिससे हृदय की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए तनाव से दूर रहें और हृदय को स्वस्थ रखें।

ऐसे पहचानें ब्रेन हैमरेज

सामान्य चिकित्सक सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के मुख्य लक्षण के तौर पर तेज होने वाले सिरदर्द की पहचान करने में विफल रहते हैं और 18 फीसदी मरीज़ों को अस्पताल में भर्ती कराते समय तंत्रिका संबंधी जांच नहीं उपलब्ध नहीं होती है।

ब्रेन हैमरेज यानी मस्तिष्क आघात, विशेषकर धमनी विकार से पीड़ित व्यक्ति की जांच या उसके इलाज में हुई देरी मरीज़ की देखभाल के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है।

इन 7 अंगों में दर्द हो सकता है गंभीर रोगों का इशारा

मरीज़ों की स्थिति और मृत्यु को लेकर राष्ट्रीय विश्वसनीयता जांच रिपोर्ट (एनसीईपीओडी) में कहा कि सामान्य रोग चिकित्सक मस्तिष्क आघात के लक्षणों की पहचान करने में विफल रहते हैं और स्वास्थ्य लाभ की स्थितियां खराब हैं।

बार-बार सिरदर्द के पीछे हो सकती है यह वजह

हालांकि एनसीईपीओडी ने 58 फीसदी मामलों में बेहतर देखभाल पाई है। ब्रिटेन में हर वर्ष पांच हजार लोग सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ से प्रभावित होते हैं। एनसीईपीओडी की यह रिपोर्ट सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के 427 मामलों के विश्वसनीय विश्लेषण पर आधारित है। इनमें इंग्लैंड, वेल्स, उत्तरी आयरलैंड, द चैनल आइसलैंड और आइल ऑफ मैन से पीड़ित शामिल हैं। कुल मिलाकर रिपोर्ट में इस प्रकार के मस्तिष्क आघात वाले मरीज़ की देखभाल में बड़े स्तर पर आए बदलाव का एक उपलब्धि के तौर पर स्वगत किया गया है। रिपोर्ट में कहा कि 90 फीसदी अस्पतालों में सप्ताह के साते दिनों सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध रहती है और 86 फीसदी मरीज़ों का इलाज आधुनिकतम एंडोवैस्कुलर तकनीकों के इस्तेमाल के जरिए होता है। लेकिन दूसरे इलाकों में मरीजों को यह सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं।

सप्ताहांत में होने वाली देरी

देखा गया है कि सामान्य चिकित्सक सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के मुख्य लक्षण के तौर पर तेज होने वाले सिरदर्द की पहचान करने में विफल रहते हैं और 18 फीसदी मरीज़ों को अस्पताल में भर्ती कराते समय तंत्रिका संबंधी जांच नहीं उपलब्ध नहीं होती है। रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल में भर्ती होने के बाद सप्ताहांत के समय इलाज में देरी होना आम बात है। तीस फीसदी मरीजों को 24 घंटों के अंदर इलाज मिल पाता है। जबकि सामान्य दिनों में 70 फीसदी मरीजों का इलाज संभव हो पाता है। एनसीईपीओडी की रिपोर्ट के अनुसार सर्जरी के बाद अस्पताल से छुट्टी होने पर देखभाल में सुधार किया जा सकता है।

इस रिपोर्ट के सह-लेखक और सलाहकार सर्जन प्रोफेसर माइकल गॉह ने कहा कि सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के बहुत से मरीज़ अपनी बाकी के जीवन में रोज़मर्रा के कामकाज के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाते है। इसलिए यह जरूरी है कि इस बीमारी से पीड़ित सभी मरीज़ों की न केवल सर्जरी के बाद तुरंत सही देखभाल हो बल्कि बाद में ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जिनता जल्दी संभव हो, मरीजों की उनके स्वस्थ होने में मदद की जाए। एनसीईपीओडी की इस रिपोर्ट में अस्पतालों को स्थानीय विशेषज्ञ तंत्रिकातंत्र केंद्र से सम्बद्ध करने की सिफारिश की गई है, ताकि मरीजों का समय रहते इलाज संभव हो सके। इसके साथ ही मरीजों की जांच और प्रबंधन सुधारने के लिए देखभाल के मानक प्रक्रियाएं लागू करने की सिफारिश की है।

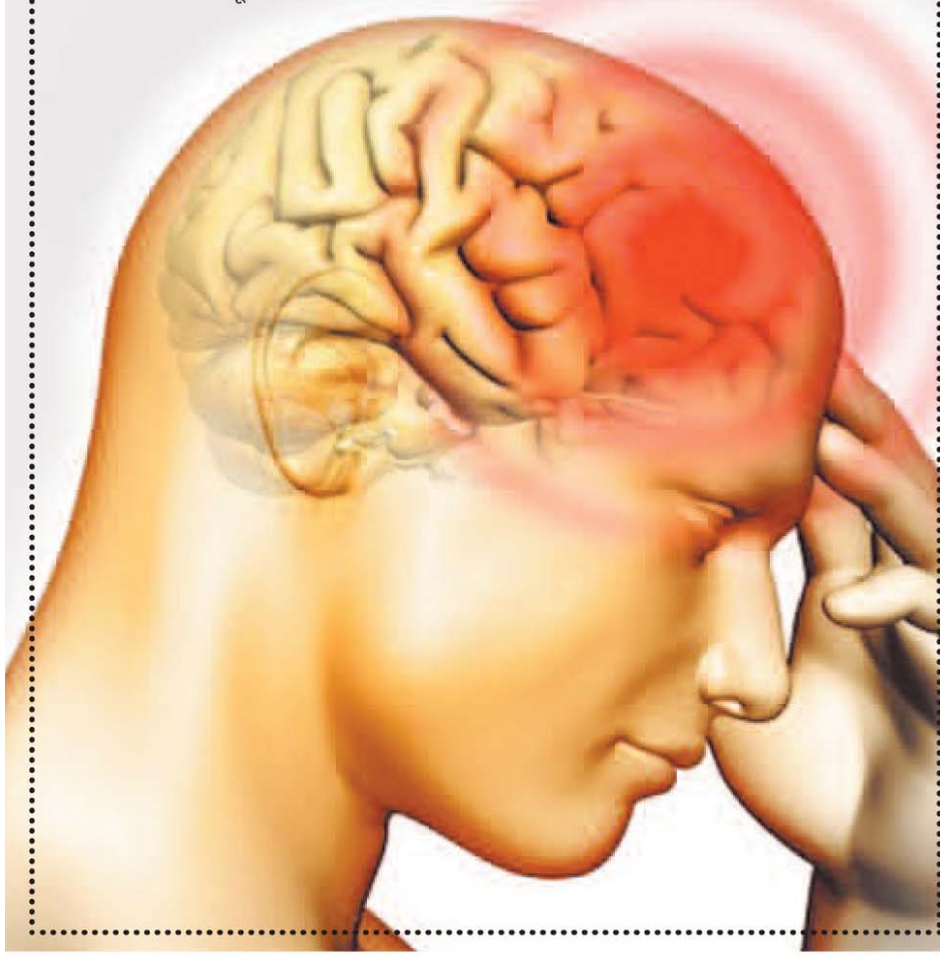

किशोरों में बढ़ रही मधुमेह की बीमारी

एक दशक पूर्व व्यस्कों में होने वाली मधुमेह की बीमारी अब किशोरों को भी चपेट में ले रही है। लेकिन इसके बारे में जानकारी हासिल करना कि बच्चा मधुमेह से पीड़ित है या नहीं प्रत्येक माता-पिता के लिए चिंता का कारण बन रही है। किशोर मधुमेह अनुसंधान फाउंडेशन के मुताबिक तेजी से बच्चों में टाइप-1 मधुमेह की बीमारी बढ़ रही है। जीवन शैली में लगातार हो रहे बदलाव से टाइप-2 मधुमेह भी बढ़ रहा है। जिले में भी एक बड़ी संख्या में बच्चे मधुमेह की चपेट में आ रहे हैं। मधुमेह के प्रति जागरूकता लाने के लिए विश्व मधुमेह दिवस किशोर मधुमेह जागरूकता के रूप में मनाया जाता है।

क्या है मधुमेह बीमारी का कारण

वरिष्ठ फिजीशियन डा. अरविंद डोगरा बताते हैं कि किशोर मधुमेह अनुवाशिक मुद्दा है। बच्चों में टाइप-1 मधुमेह का मतलब है कि उनके शरीर में इंसुलिन नहीं बन रहा और इस बीमारी से बचने के लिए उन्हें बाहर से इंसुलिन लेने की जरूरत है। किशोर मधुमेह या इंसुलिन- डिपेंटेंड मधुमेह के तौर पर जाना जाने वाली यह बीमारी बच्चे के जीवन को पुनर्परिभाषित कर सकती है जिन्हें नियमित रूप से रक्त शर्करा स्तर (बल्ड शुगर लेवल) और उसके प्रबंधन की आवश्यकता होगी।

कैलोरी का च्यादा सेवन, सामान्य चीनी, संतृप्त वसा और कम फाइबर वाले अनुचित आहार एवं कम होती शारीरिक गतिविधि के साथ तेजी से बदलती जीवनशैली उन्हें अधिक घातक टाइप-2 मधुमेह की चपेट में धकेल सकता है।

कैसे पहचाने मधुमेह

ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि मधुमेह बच्चों को भी हो सकता है, जब तक हालात बहुत न बिगड़ जाए तब तक बीमारी का पता नहीं चलता। हालाकि बीमारी की शुरुआत धीमी है और माता-पिता अक्सर लक्षण के बारे में भ्रमित रहते हैं या उसे नजर अंदाज कर देते हैं। इसके बावजूद प्यास या पेशाब में वृद्धि, देखने की क्षमता से जुड़ी समस्याएं, अचानक कम होता वजन या बच्चे में सुस्ती कुछ ऐसे लक्षण हैं जिन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। तुरंत किसी डॉ से परामर्श करना चाहिए और बच्चे की जरूरी जाच करनी चाहिए क्योंकि इन समस्याओं की वजह संभव है मधुमेह हो।

सावधानी बरत कर करें बचाव

मधुमेह को रोकने के लिए जरूरी है कि हम अनिवार्य और नियमित शारीरिक गतिविधि के साथ स्वस्थ खानपान और ग्लूकोस के स्तर की नियमित निगरानी करें। स्वस्थ खानपान और शारीरिक गतिविधि के जरिए मोटापे और इसके विनाशकारी परिणाम से बचा सकती है। मधुमेह से पीड़ित कोई बच्चा हाइपोग्लिसेमिक (ब्लड शुगर कम हो जाना) हो जाए, तो जरूरी है कि बच्चे को दो चम्मच चीनी, ग्लूकोज या मीठा पेय दिया जाए।

रोज योग का फायदा जानते हैं आप?

योग हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, यह बताने की जरूरत नहीं। पर यह फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित मरीजों की जिंदगी को बेहतर बनाने का बेहद आसान और कम खर्चीला तरीका भी साबित हो सकता है।

ये नौकरियां हैं फेफड़े के लिए खतरनाक

एम्स के डॉक्टरों द्वारा किए गए अध्ययन में यह दावा किया गया है। इस अध्ययन को यहां आयोजित चेस्ट 2013 की बैठक में पेश किया गया।

जानें, एक्सरसाइज के दिलचल्प विकल्प

इसमें 12 हफ्तों की ट्रेनिंग के बाद क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुलमोनेरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित मरीजों के फेफड़े और सांस संबंधी तकलीफों में महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिला। ऐसे मरीजों को अपने फेफड़ों से सांस बाहर निकालने में तकलीफ होती है, जिससे ताजी हवा शरीर के अंदर लेना मुश्किल हो जाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि वैसे तो सीओपीडी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों को नियंत्रित कर इस बीमारी से पीड़ित मरीजों की जिंदगी को बेहतर बनाया जा सकता है। सिगरेट पीने की वजह से ज्यादातर लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं और इसके लक्षण अक्सर 40 की उम्र में देखने को मिलते हैं।

भारत रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी रीगैसिफिकेशन की बढ़ा रहा क्षमता

वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट से भारत को आयात बिल में हो सकती है भारी बचत

नई दिल्ली।

भारत वैश्विक तेल और गैस उत्पादों के प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरने की संभावना है। जब से भारत अपनी रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी रीगैसिफिकेशन और पाइपलाइन क्षमता को बढ़ा रहा है, जबकि चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबकि वैश्विक तेल कीमतों में कमजोरी बनी रहने की संभावना है, जो भारत के लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि भारत कच्चे तेल की जरुरत का 80 फीसदी से ज्यादा आयात करता है।

वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट से भारत को आयात बिल में भारी बचत हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के तेल और गैस उत्पादन में मामूली बढ़ोतरी की उम्मीद है, लेकिन यह निर्भर करेगा कि ओएनजीसी तय समय पर उत्पादन और नामांकन ब्लॉकों में गिरावट को कैसे कम करता है। भारत की एलएनजी पुनर्गैसीकरण क्षमता में चालू वित्त वर्ष 2025 में कम से कम 25 फीसदी की बढ़ोतरी की की संभावना है, जो भारत की वैश्विक एलएनजी अवशोषण क्षमता को और बढ़ाएगी।

रिफाइनिंग क्षेत्र में भारत अपनी क्षमता में 9 फीसदी की वृद्धि करने की उम्मीद कर रहा है, जिससे प्रतिदिन 0.5 मिलियन बैरल की बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत का ऊर्जा संक्रमण तेज होगा और तेल और गैस कंपनियां अपने निवेश को इस क्षेत्र में शिफ्ट करेंगी। इसके अलावा पेट्रोकेमिकल्स से जुड़े रिफाइनरी ट्रांसफॉर्मेशन परियोजनाओं की शुरुआत की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में कमी आई है, खासकर डीजल की मांग में और इसे आगे और कम होने की संभावना है। एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल को कमजोर तेल कीमतों से लाभ होने की उम्मीद है, जबकि ओएनजीसी को तेल कीमतों में गिरावट के जोखिम के कारण कम करें रेटिंग दी गई है। वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट का दबाव बना रहेगा, लेकिन गैस की कीमतों में निकट भविष्य में वृद्धि की संभावना है।

सीएनआई रिसर्च ने एक साल में दिया जबरदस्त रिटर्न, शेयरों में आई तूफानी तेजी

नई दिल्ली।

सीएनआई रिसर्च जिसने अपने प्रदर्शन से निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। बीते एक साल में इस पेनी स्टॉक ने निवेशकों को 654.59 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न देकर सभी को हैरानी में डाल दिया है। इसके शेयरों में तूफानी तेजी दर्ज की गई है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 17.19 रुपए के लेवल पर कामकाज की शुरुआत की और कुछ देर बाद पांच फीसदी के अपर सर्किट के साथ 17.28 रुपए के लेवल पर 52 वीक का नया हाई छुआ है। कारोबार के आखिर में बीएसई पर यह 4.98 फीसदी तेजी के साथ 17.28 रुपए के लेवल पर बंद हुआ। शेयर बाजार में कुछ शेयर ऐसे होते हैं जो निवेशकों को कम समय में ही शानदार रिटर्न देकर मालामाल कर देते हैं। अगर सीएनआई रिसर्च के शेयरों का प्रदर्शन देखें तो बीते एक हफ्ते में 27.34 फीसदी की तेजी आई है। इसने बीते एक महीने में 19.15 फीसदी का रिटर्न दिया है। बीते 3 महीने में 47.19 फीसदी तेजी आई है। इस साल 644.83 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। बीते 3 साल में कंपनी के शेयरों में 441.69 फीसदी मजबूती आई। मल्टीबैगर कंपनी सीएनआई रिसर्च का 52 वीक का हाई प्राइस 17.28 रुपए है। वहीं, 52 वीक का लो प्राइस 2.14 रुपए है। इस कंपनी का मार्केट कैप 263 करोड़ रुपए है। कंपनी रिसर्च फर्म के रूप में काम करती है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ रही संख्या, सरकार लागू कर रही प्रोत्साहन योजनाएं

परिवहन मंत्रालय ने राज्यों को रोड टैक्स माफ करने की दी सलाह

नई दिल्ली।

भारत में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की संख्या लगातार बढ़ रही है। देश में अब तक 28,55,015 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों और 2,57,169 चार पहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, हाल ही में संसद में बताया गया था।

भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री ने लोकसभा में इसकी जानकारी दी थी। ओडिशा राज्य में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या 1,45,479 है, और राज्य का अडोप्शन रेट 1.24 फीसदी है। भारत सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है।

फास्टर अडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम) योजना, जो 1 अप्रैल, 2019 से शुरू हुई थी, इसके तहत 11,500 करोड़ रुपए का बजटीय समर्थन प्रदान किया है। इस योजना के जरिए ई-2व्हीलर, ई-3 व्हीलर, ई-4 व्हीलर, ई-बसों और ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों को बढ़ाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए उत्पादन-लिंकड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का बजटीय परिव्यय 25,938 करोड़ रुपए है, जिसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है।

केंद्र सरकार ने एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) के लिए पीएलआई योजना को 18,100 करोड़ रुपए के बजटीय परिव्यय के साथ मंजूरी दी है, जिसका लक्ष्य 50 गीगावॉट घंटे की बैटरी के लिए घरेलू मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम स्थापित करना है। प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के समर्थन के लिए 10,900 करोड़ रुपए का परिव्यय है।

सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दर को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है और बैटरी से चलने वाले वाहनों को ग्रीन लाइसेंस प्लेट देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्हें परमिट की जरुरतों से भी छूट दी जाएगी।

क्विक कॉमर्स कारोबार में उतरेगी एमेजॉन, निर्यात लक्ष्य 80 अरब डॉलर रखा

नई दिल्ली।

क्विक कॉमर्स कारोबार में तेजी को देखते हुए एमेजॉन ने भी इस क्षेत्र में उतरने का फैसला किया है। इसके साथ ही कंपनी ने 2030 तक भारत से कुल निर्यात का लक्ष्य बढ़ाकर 80 अरब डॉलर कर दिया है। 'विकसित भारत' संकल्प के तहत 2025 तक कंपनी ने 20 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है। एमेजॉन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि इस साल कंपनी ने 12 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया है और वह 2025 में 20 अरब डॉलर के अपने पिछले निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। एमेजॉन की प्रतिस्पर्धी कंपनी वॉलमार्ट भी भारत से आपूर्ति लक्ष्य बढ़ा रही है। उसने 2027 से सालाना 10 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं की आपूर्ति का लक्ष्य रखा है। एमेजॉन इंडिया ने 15-मिनट में सामान की डिलिवरी करने की सेवा शुरू करने की योजना का खुलासा किया। एमेजान इंडिया के कंट्री हेड ने कहा कि कंपनी इस महीने बेंगलूरु में इसे प्रायोगिक तौर पर शुरू करेगी। हालांकि उन्होंने क्विक कॉमर्स योजना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि क्विक कॉमर्स में हमारा ध्यान सबसे तेजी के साथ कई वस्तुओं की आपूर्ति करने की है। हमने 42 हजार से ज्यादा विक्रेताओं से ऑर्डर के दिन या उसके अगले दिन करीब तीन करोड़ से ज्यादा उत्पादों की आपूर्ति की है। उन्होंने कहा कि भारत में बहुत कुछ ऐसा है जहां हम अभी तक नहीं पहुंचे हैं। हम बड़े शहरों में क्विक कॉमर्स की बात करते हैं लेकिन हमें देश के अन्य हिस्सों के बारे में भी सोचना चाहिए। निर्यात योजना के बारे उन्होंनेने कहा कि भारतीय एमएसएमई, विनिर्माताओं और स्टार्टअप के साथ ही मेड इन इंडिया उत्पादों की आपूर्ति के लिए एमेजॉन के वैश्विक बिक्री योजना के जरिये कंपनी ने 80 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाई है। इनमें घरेलू व रसोई संबंधी उत्पाद, कपड़े और परिधान, खिलौने, स्वास्थ्य और पोषाहार, आयुर्वेद उत्पाद आदि शामिल हैं। एमेजॉन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि भारत एमेजॉन के लिए प्रमुख बाजार है और हमारा दृष्टिकोण छोटे कारोबारों को डिजिटल बनाने, निर्यात को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के सरकार के नजरिये के अनुरूप है।

खाद्य पदार्थों में नरमी से खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 5.5 फीसदी हुई

नई दिल्ली।

खाद्य कीमतों में गिरावट के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित भारत की खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.5 फीसदी रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उम्मीद है कि खाद्य कीमतों में नरमी के कारण सीपीआई मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.5 फीसदी रह जाएगी, जबकि अक्टूबर में यह 6.2 फीसदी थी। ऐसा खाद्य कीमतों में नरमी के कारण होगा, जबकि कोर कीमतों में तेजी और ईंधन कीमतों में लगातार गिरावट हो रही है। खाद्य कीमतों में कमी और कोर सीपीआई में कमी के कारण सूचकांक में गिरावट आएगी। कोर सीपीआई में वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं, लेकिन खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, जिनकी कीमतें अस्थिर मानी जाती हैं। अक्टूबर में सीपीआई मुद्रास्फीति बढ़कर 6.21 फीसदी रह गई, क्योंकि महीने के दौरान सब्जियों जैसे खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी आई। यह पहली बार था, जब मुद्रास्फीति ने हाल के महीनों में आरबीआई की 6 फीसदी की ऊपरी सीमा को पार किया। खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में दर्ज 5.49 फीसदी से बढ़कर अक्टूबर में सब्जियों की कीमतों में 42.18 फीसदी बढ़ गई, क्योंकि इस साल मानसून के देर से वापस आने के कारण फसलों को नुकसान हुआ और बाजार में आपूर्ति कम हुई। आरबीआई गवर्नर ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत की विकास की कहानी अभी बरकरार है। मुद्रास्फीति में गिरावट आ रही है, लेकिन हम भविष्य में कई जोखिमों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इस जोखिम को कम नहीं आंका जा सकता। आरबीआई गवर्नर अर्थव्यवस्था के परिदृश्य के बारे में आशावादी थे, उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन अच्छी तरह से बना हुआ है।

सीमेंट निर्माता कंपनियों ने बढाए 40 रुपये प्रति बोरी सीमेंट के दाम

नई दिल्ली ।

देश में घर बनाना अब और भी महंगा हो गया है। देश में सीमेंट के रेट 40 रुपये प्रति बोरी तक बढ़ गए हैं। जैसे ही सीमेंट की मांग बढ़ती है। उसके साथ सीमेंट निर्माता सीमेंट के दाम बढ़ा देते हैं। सीमेंट डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार पश्चिमी भारत में 50 किलो की सीमेंट की बोरी 350 से लेकर 400 रुपये के बीच में बिक रही है। दिल्ली एनसीआर में सीमेंट की कीमत 340 से 395 रुपए के बीच में है। दक्षिण भारत में सीमेंट की बोरी 350 रुपए से 340 रुपए के बीच में बिक रही है। सीमेंट निर्माता कंपनियों ने डीलरों का मार्जिन घटा दिया है। वही सीमेंट के रेट निर्माताओं ने बढ़ा दिए हैं। सीमेंट कारोबार से जुड़े हुए लोगों का कहना है। अगले 6 महीने तक सीमेंट के रेट में तेजी बनी रहेगी। सीमेंट कंपनियां करटेल बनाकर मांग बढ़ने के साथ ही सीमेंट के दामों में वृद्धि कर देती हैं। जिसके कारण भारत में भवन निर्माण की लागत लगातार बढ़ती जा रही हैं।

वारी एनर्जीज के शेयरों में जबरदस्त उछाल, मॉड्यूल सप्लाई का मिला बड़ा ऑर्डर

कंपनी ने 28 अक्टूबर 2024 को शेयर बाजार में किया था डेब्यू

नई दिल्ली। सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई। बीएसई पर आज इंट्रा-डे ट्रेड में कंपनी के शेयर 7 फीसदी तक चढ़े। कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी से एक गीगावाट तक के सोलर मॉड्यूल की सप्लाई के लिए नया ऑर्डर मिला है। यह शेयर में बढ़त का लगातार पांचवां सत्र है। कंपनी ने 28 अक्टूबर, 2024 को शेयर बाजार में डेब्यू किया था। लिस्टिंग के बाद से वारी एनर्जीज के शेयर बाजार में धूम मचा रहे हैं। अपने इश्यू प्राइस से शेयर फिलहाल 97.70 फीसदी की बढ़त बनाए हुए हैं। वारी एनर्जीज ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि कंपनी को 10 दिसंबर को एक गीगावाट तक के सोलर मॉड्यूल की सप्लाई के लिए भारत में रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स के स्वामित्व, विकास और संचालन के बिजनेस में संलग्न एक प्रतिष्ठित ग्राहक से ऑर्डर प्राप्त हुआ है। शेयर बाजार को दी सूचना के मुताबिक यह महत्वपूर्ण सप्लाई ऑर्डर वित्तीय वर्ष 2024-25 में शुरू होकर 2025-26 तक जारी रहेगा। हालांकि, कंपनी ने इस ऑर्डर के मूल्य का खुलासा नहीं किया है। बीएसई पर मंगलवार को कंपनी के शेयर 7.2 फीसदी बढ़कर अपने इंट्रा-डे हाई 3184.95 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि कारोबार के अंत में वारी एनर्जीज के शेयर 5.55 फीसदी की बढ़त के साथ 3136.50 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों ने 11.24 फीसदी का रिटर्न दिया है। वारी एनर्जीज के शेयर 28 अक्टूबर 2024 को स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट हुए। शेयर का इश्यू प्राइस 1503 रुपए था और लिस्टिंग के पहले दिन शेयर 2,336.80 के भाव पर बंद हुआ। इस तरह से कंपनी ने निवेशकों को 55.48 फीसदी का शानदार लिस्टिंग गेन दिया। फिलहाल कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस से 97.70 फीसदी की बढ़त पर हैं।

स्विग्गी के शेयर नीचे आए, मार्केट कैप भी गिरकर 1.16 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली।

ऑनलाइन फूड डिलीवर कंपनी स्विग्गी के शेयर बुधवार को 5 फीसदी नीचे आ गए। बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी का शेयर 5 फीसदी गिरकर 515.95 रुपए और 516.50 रुपए पर आ गया। शेयरों में गिरावट के साथ स्विग्गी का मार्केट कैप भी बीएसई पर गिरकर 1.16 लाख करोड़ रुपए रह गया। एंकर निवेशकों के लिए एक महीने की लॉक-इन अवधि खत्म होने के बाद निवेशकों ने मुनाफा वसूली के चलते स्विग्गी के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। लॉक-इन खत्म होने के बाद स्विगी के करीब 6.5 करोड़ के शेयर या कंपनी में 3 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी ट्रेड के लिए एलिजिबल हो गई। इससे निवेशकों के लिए आगे बढ़ने और 50 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के दरवाजे खुल गए हैं। एंकर निवेशकों के अधिकार वाले शेष 50 फीसदी शेयरों की लॉक-इन अवधि 9 फरवरी 2025 को खत्म हो रही है। सुबह के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 98.71 अंक या 0.12 फीसदी बढ़कर 81,608.76 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 45.65 अंक या 0.19 फीसदी बढ़कर 24,655.70 पर पहुंच गया। पिछले महीने स्विगी का आईपीओ एक्सचेंजों पर करीब 17 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ था। स्विगी के 11,327 करोड़ रुपए के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) को बोली के लास्ट डे पूरी तरह से सब्सक्राइब किया था और यह इश्यू को 3.59 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही उतार-चढ़ाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। कारोबार के अंत में 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी के पीएसयू बैंक, मीडिया, एनर्जी और प्राइवेट बैंक सेक्टर में बिकवाली हावी रही जबकि ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और रियलिटी सेक्टर में लिवाल का माहौल रहा। वहीं निवेशकों ने गुरुवार को जारी हाने वाले नवंबर के कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) डेटा को देखते हए सावधानी बरती जिससे भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 16.09 अंक करीब 0.02 फीसदी की हल्की बढ़त के बाद 81,526.14 पर पहुंच गया। वहीं 50शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.75 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी की बढ़त के बाद 24,641.80 स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, मारुति, भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर लाभ में रहे जबकि , जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, एसबीआई, रिलायंस, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक और टाइटन के शेयर नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार, भारतीय बाजार में आज सूक्ष्म उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जो अमेरिकी सीपीआई मुद्रास्फीति डेटा जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में मौजूद मिश्रित भावनाओं को दिखाता है।जानकारों ने आगे कहा कि अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जबकि बॉन्ड यील्ड में हल्की बढ़त रही। इसके अलावाएफएमसीजी और फार्मास्यूटिकल्स सहित डिफेंसिव सेक्टर्स में तेजी देखी गई। चीन से प्रोत्साहन उपायों की संभावना से मेटल सेक्टर में तेजी रही। निफ्टी बैंक 186.35 अंक या 0.35 फिसदी फिसलने के बाद 53,391.35 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 157.55 अंक करीब 0.27 फीसदी की बढ़त के साथ 59,292.95 पर बंद हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 74.15 अंक करीब 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ 19,657.35 पर बंद हुआ। बीएसई पर 2,148 शेयर लाभ में जबकि 1,836 नुकसान में बंद हुए, 112 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 5.01 अंक करीब 0.01 फीसदी बढ़कर

81,515.06 पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 13.75 अंक तकरीबन 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 24,623.8 पर कारोबार कर रहा था। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन निफ्टी की वित्तीय सेवा और निजी बैंक सेक्टर में बिकवाली रही।

बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों के आने से लार्ज कैप शेयरों, विशेषकर बैंकिंग और आईटी में मजबूती है। निफ्टी बैंक 122.45 अंक तकरीबन 0.23 फीसदी नीचे आकर 53,455.25 पर था। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 5.45 अंक या 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 59,129.95 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 53.45 अंक या 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,636.65 पर था।

नैचुरल हीट बढ़ने से खतरे में गारमेंट बिजनेस, 65 अरब डॉलर का हो सकता है नुकसान

-पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम में ब्रांडेड कंपनियां कराती हैं उत्पाद तैयार

नई दिल्ली। पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम वह देश हैं जहां बड़ी और ब्रांडेड गारमेंट कंपनियां उत्पाद तैयार कराती हैं। जहां इन कपड़ों का निर्माण होता है वहां बहुत गर्मी पड़ती है। अब एक और समस्या सामने आ गई है कि पर्यावरण में बदलाव के कारण नैचुरल हीट में भी बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में इन कारखानों में काम करने वाले कर्मचारियों को गर्मी की दोगुनी मार झेलनी पड़ रही है। एक रिसर्च रिपोर्ट में पाया है कि अत्यधिक गर्मी या बाढ़ से बांग्लादेश, कंबोडिया, पाकिस्तान और वियतनाम के कपड़ा निर्यात उद्योग को 65 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। भारतीय करेंसी में यह 5.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा होगा। बता दें कि इस रिपोर्ट में रिटेलर्स और ब्रांड्स को यह सुझाव भी दिया गया है कि वे अपने कर्मचारियों के वेतन और हेल्थ पर खर्च को बढ़ाएं अत्यधिक हीट के कारण होने वाले कार्य दिवस के नुकसान की भरपाई हो सके। इसको देखते हुए अब यूरोपियन यूनियन ने नए नियम लागू किए हैं। यह नियम नाइकी, एचएंडएम और इन्हीं के जैसी अन्य गारमेंट कंपनियों को कानूनी रूप से इन परिस्थितियों को सुधारने के लिए बाध्य करती हैं। इन कंपनियों को ही पाकिस्तान, बांग्लादेश या वियतनाम में काम कर रहे अपने सप्लायर्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में कूलिंग का पर्याप्त इंतजाम करना होगा। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के ग्लोबल लेबर इंस्टीट्यूट ने पाया है कि ढाका, हनोई, हो चि मिन्ह सिटी और कराची जैसे शहरों में 'वेट बल्ब' के दिनों में 42 फीसदी का उछाल आया है। वेट बल्ब तापमान मापने का एक तरीका है जिसमें 30.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान नोट किया जाता है। इसी पैमाने के मुताबिक जिस दिन तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होता है उसे वेट बल्ब डे कहा जाता है और ऐसे दिनों में 2005-2009 के मुकाबले 2020-24 में 42 फीसदी का उछाल आया।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी को मिला बड़ा प्रोजेक्ट, शेयर 5.28 फीसदी उछले

-कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 27 नवम्बर को हुआ था लिस्ट

नई दिल्ली।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के लिस्ट शेयर बुधवार को हाई डिमांड पर रहे और एनएसई पर कंपनी के 1.28 करोड़ शेयरों में कारोबार हुआ। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर प्राइस बुधवार को एनएसई पर 5.28 फीसदी चढ़कर 154.40 रुपए पर पहुंच गया। स्टॉक में यह तेजी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की एक सब्सिडियरी कंपनी को 500 मेगावाट के सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट मिलने के चलते आई है। एनटीपीसी ग्रीन ने कहा था कि सब्सिडयरी कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने 3.52 रुपए प्रति किलोवाट के टैरिफ पर 500 मेगावाट की सोलर एनर्जी क्षमता हासिल की है। इसमें कॉन्ट्रैक्ट पर सोलर क्षमता के साथ 250 मेगावाट 1000 मेगावाट के एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (ईएसएस) को स्थापित करना शामिल है। बता दें कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 27 नवम्बर 2024 को लिस्ट हुआ था। तब से अब तक स्टॉक अपने इश्यू प्राइस 108 रुपए की तुलना में 42.8 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी नॉन-हाइड्रो रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की पब्लिक सेक्टर फर्म 'महारत्न' एनटीपीसी की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी है। 30 सितंबर, 2024 तक कंपनी की ऑपरेशनल कैपेसिटी 3,320 मेगावाट थी।

इसमें छह राज्यों में फैली 3,220 मेगावाट की सोलर परियोजनाएं और 100 मेगावाट के विंड प्रोजेक्ट शामिल हैं। कंपनी का कुल मार्केट कैप 1.26 लाख करोड़ है। सुबह 10~40 बजे एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयर 1.62 फीसदी या 2.37 रुपए चढ़कर 149.02 रुपए प्रति शेयर के भाव पर ट्रेड कर रहे थे। वहीं, एनएसई का निफ्टी-50 इस दौरान 0.27 फीसदी या 65.40 अंक चढ़कर 24,675.45 पर कारोबार कर रहा था।

खरीदना हैं टाटा की कार..........जल्द खरीद लो यार, जनवरी से होगी महंगी

मुंबई ।

देश की दिग्गज ऑटोमोबाइल्स कंपनी टाटा मोटर्स की कारें खरीदना अगले साल से महंगा होगा। कंपनी ने बताया कि जनवरी 2025 से वह अपने पैसेंजर्स व्हीकल्स की कीमतों में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। इसके पहले मारुति सुजुकी, ह्युंदै सहित कई कंपनियां दाम बढ़ाने का ऐलान कर चुकी हैं। टाटा मोटर्स ने कहा कि कच्चे माल की लागत और महंगाई दर बढ़ोतरी के असर को कुछ कम करने के लिए वह व्हीकल्स की कीमतों में बढ़ोतरी करने वाली है। जनवरी, 2025 से प्रभावी होने वाली बढ़ोतरी मॉडल और उनके वेरिएंट्स के आधार पर अलग-अलग होगी। टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल्स फ्लीट में टियागो, टिगोर, पंच, नेक्सान, कर्व, हैरियर, सफारी सहित अन्य मॉडल की व्यापक रेंज है। इसके पहले मारुति सुजुकी, हुंदै, महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर सहित कई ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां भी अगले महीने से अपने गाड़ियों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा कर चुकी हैं। वहीं, लक्जरी ऑटो मैन्युफैक्चरर मर्सिडीज-बेंज इंडिया, ऑडी और बीएमडब्ल्यू ने भी लागत और ऑपरेटिंग खर्च में बढ़ोतरी का हवाला देकर जनवरी से कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है। किआ इंडिया ने जनवरी से अपने सभी वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की।

गुकेश- शह और मात का नया शहंशाह

डॉ. आर.के. सिन्हा

आज सारे भारत का बच्चा - बच्चा डी. गुकेश के विश्व शतरंज चैंपियन बनने से गौरवान्वित महसूस कर रहा है। गुकेश ने एक गौरवशाली इतिहास रच दिया है। वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने अपने अद्भुत प्रदर्शन से पूरे भारत का मान बढ़ाया है। गुकेश कैसे बन गए विश्व शतरंज चैंपियन? इसी विषय पर यह आलेख।

सारा भारत आज के दिन डी. गुकेश के विश्व शतरंज चैंपियन बनने से गौरवान्वित महसूस कर रहा है। गुकेश ने एक नया इतिहास रच दिया है। वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने अपने अद्भुत प्रदर्शन से पूरे भारत का मान बढ़ाया है। उनकी इतनी शानदार सफलता में उनकी असाधारण प्रतिभा, समर्पण और रणनीतिक दृष्टिकोण अहम रहे। गुकेश ने बहुत कम उम्र में शतरंज खेलना शुरू कर दिया था, जिससे उन्हें खेल की बारीकियों को समझने और अपनी प्रतिभा को विकसित करने का पर्याप्त समय मिला। उनमें जन्मजात प्रतिभा है और उनकी ग्रहण करने की क्षमता बहुत तेज है, जिससे वे जटिल शतरंज रणनीतियों को आसानी से समझ पाते हैं। उन्होंने शतरंज के प्रति पूर्ण समर्पण दिखाया है और लगातार अभ्यास करके अपनी क्षमताओं को निखारा है।

गुकेश को अनुभवी और कुशल प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन मिला, जिन्होंने उनकी खेल तकनीकों को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुंच मिली, जिससे उन्हें विश्व स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिली। गुकेश के प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग शामिल था, जिससे उनकी खेल रणनीति का विश्लेषण करना और सुधार करना आसान हो गया।

रणनीतिक गहराईः

गुकेश के पास शतरंज में गहरी रणनीतिक सोच है, जो उन्हें खेल के दौरान तत्काल सही निर्णय लेने में मदद करती है। वे दबाव की स्थितियों में भी शांत और संयमित रहते हैं, जिससे वे महत्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। उनमें मानसिक रूप से मजबूत होने की क्षमता है, जिससे वे हार से निराश नहीं होते और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित रहते हैं।

गुकेश नियमित रूप से शतरंज का अभ्यास करते हैं और अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे अपने पिछले मैचों का विश्लेषण करते हैं और अपनी गलतियों से सीखते हैं, जिससे उनकी खेल रणनीति में लगातार सुधार होता रहता है। वे शतरंज के महान खिलाड़ियों के खेलों का लगातार गम्भीरतापूर्वक अध्ययन करते रहते हैं और उनसे नई तकनीकों को सीखते हैं। गुकेश ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिससे उन्हें उच्च स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अनुभव मिला है।

उन्होंने अलग-अलग शैली के खिलाड़ियों का सामना किया है, जिससे उनकी खेल में विविधता आई है और उन्हें विभिन्न स्थितियों के लिए तैयार किया गया है। गुकेश को अपने परिवार से भरपूर समर्थन और प्रेरणा मिली है, जो उनकी सफलता में एक महत्वपूर्ण कारक है।

उनके परिवार ने उनके संघर्षों के दौरान उनका भावनात्मक रूप से समर्थन किया और उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इन सभी कारणों के संयोजन ने गुकेश को विश्व शतरंज चैंपियन बनने में मदद की है। उनकी सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह भारत में शतरंज के विकास और प्रोत्साहन का भी प्रतीक है।

इस बीच, कुछ जानकार गुकेश और पूर्व विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद की तुलना भी रहे कर रहे हैं। गुकेश और विश्वनाथन आनंद, दोनों ही भारतीय शतरंज के महान खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी शैलियों, दृष्टिकोण और खेल में कुछ समानताएं और कुछ मौलिक अंतर भी हैं। दोनों ही खिलाड़ियों में शतरंज की असाधारण प्रतिभा है। वे जटिल स्थितियों को समझने और सटीक चाल चलने में माहिर हैं।

दोनों ही खिलाड़ी अपनी रणनीतिक गहराई के लिए जाने जाते हैं। वे न केवल तात्कालिक लाभ पर ध्यान देते हैं, बल्कि लंबी अवधि की योजनाओं को भी ध्यान में रखते हैं। दोनों ही खिलाड़ियों में दृढ़ संकल्प है और वे कभी भी हार नहीं मानते हैं। उन्होंने कई बार मुश्किल परिस्थितियों से वापसी की है और जीत हासिल की है।

दोनों ही खिलाड़ी अपनी शालीनता और खेल भावना के लिए जाने जाते हैं। वे हारने पर भी सम्मान बनाए रखते हैं। विश्वनाथन आनंद एक अनुभवी खिलाड़ी हैं जो 90 के दशक से खेल रहे हैं, जबकि गुकेश एक युवा और उभरते हुए खिलाड़ी हैं। आनंद ने कंप्यूटर युग से पहले शतरंज खेला, जबकि गुकेश का विकास कंप्यूटर के युग में हुआ है।

आनंद अपनी तेज और आक्रामक शैली के लिए जाने जाते हैं, जबकि गुकेश एक अधिक रणनीतिक और रक्षात्मक खिलाड़ी हैं। आनंद त्वरित चालों और जटिलताओं में माहिर हैं, जबकि गुकेश स्थिति को नियंत्रित करने और धैर्यपूर्वक आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

जाहिर है, आनंद के पास खेल का अधिक अनुभव है और उन्होंने कई विश्व चैंपियनशिप जीती हैं, जबकि गुकेश अभी भी अपने करियर के शुरूआती चरण में हैं। आनंद ने दशकों तक शीर्ष स्तर पर खेला है, जबकि गुकेश अभी भी वैश्विक शतरंज समुदाय में अपनी जगह बना रहे हैं।

आनंद एक अधिक सहज और रचनात्मक खिलाड़ी हैं, जबकि गुकेश अधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक खिलाड़ी हैं। आनंद स्वाभाविक रूप से प्रेरित होकर खेलते हैं, जबकि गुकेश अपनी तैयारी पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

भारत में शतरंज पहले से ही काफी लोकप्रिय है, लेकिन गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों के उदय से यह और भी लोकप्रिय हो सकता है।गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों की सफलता से युवा पीढ़ी को शतरंज में रुचि लेने की प्रेरणा मिलेगी। युवाओं के लिए एक आदर्श मॉडल होने से अधिक युवा शतरंज खेलने के लिए आकर्षित होंगे।

ऑनलाइन शतरंज प्लेटफॉर्म और कंप्यूटर विश्लेषण उपकरणों की उपलब्धता से खेल अधिक सुलभ हो गया है। इंटरनेट के माध्यम से सीखने और खेलने के विकल्पों ने शतरंज को अधिक सुविधाजनक बना दिया है। शतरंज को अब पहले से अधिक मीडिया कवरेज मिल रहा है, जिससे खेल के बारे में जागरूकता बढ़ रही है। प्रमुख समाचार चैनलों और खेल वेबसाइटों पर शतरंज की घटनाओं को कवर किया जा रहा है।

शतरंज को अब स्कूलों में एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में मान्यता दी जा रही है, जिससे बच्चों को खेल के लाभों का अनुभव करने का अवसर मिल रहा है। स्कूलों में शतरंज को बढ़ावा देने से आने वाली पीढ़ी के लिए इसे और लोकप्रिय बनाया जा सकता है।

शतरंज में प्रायोजन में वृद्धि से खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाने में मदद मिलेगी। प्रायोजकों द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान करने से खिलाड़ियों को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और प्रदर्शन में सुधार करने में मदद मिलेगी। गुकेश का विश्व चैंपियन बनना भारत में शतरंज को और लोकप्रिय बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया जाएगा और शतरंज में करियर बनाने के लिए एक नया रास्ता खुलेगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

संसद में दलदल

संसद बुरी तरह निराश कर रही है। लोगों की अपेक्षाएं ध्वस्त हो रही हैं। लोक सभा में इस समय जो हो रहा है, वैसे तो वह लंबे समय से सिलसिला बना हुआ है, लेकिन अब लगता है कि संसद को, संसद की गरिमा को और संसद के प्रति जन आस्था को जिस दल-दल में फंसा दिया गया है, वहां से इसका उबरना या अपने धवल रूप में बाहर आना संभव नहीं रह गया है। संसद के इस तरह निरर्थक बना देने के लिएन कोई एक व्यक्ति जिम्मेदार है, न कोई एक दल और न कोई एक मुद्दा। हर मुद्दा विवादित, हर व्यक्ति उत्तेजित और हर दल आक्रामक है। सरकार संसद न चलने देने के लिए विपक्ष पर आरोप लगाती रहती है, और विपक्ष इसके लिए सरकार को कठघरे में खड़ा करता रहता है। सभापति या अध्यक्ष जैसे जिन पदों पर तटस्थ, निष्पक्ष और निर्णायक भूमिका में बने रहने की अपेक्षा होती है, वे ड़गमगाहट के शिकार होने लगे हैं। ऐसा पहली बार है कि राज्य सभा के सभापति के विरुद्ध विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। यह घटना अब तक के संसदीय इतिहास की अपनी तरह की पहली घटना है, और इसे काले धब्बे की तरह याद किया जाएगा। विपक्ष का आरोप है कि उपराष्ट्रपति एवं राज्य साभा के सभापति जगदीप धनखड़.विपक्ष के नेताओं को बोलने नहीं देते। नेता विपक्ष के प्रति अवांछित भाषा एवं व्यवहार को बढ़ावा देते हैं। भाजपा के प्रवक्ता के बतौर काम करते हैं। सरकार के झूठ का खंड़न नहीं करने देते। ऐसे सभापति को पद पर नहीं रहना चाहिए। सरकार इसे विपक्ष की अतिवादिता बताती है, और विपक्ष का निम्न आचरण करार देती है। सरकार और विपक्ष के बीच यह ऐसा गतिरोध है जिसका कोई समाधान नहीं है। विपक्ष को पता है कि राज्य सभा में उसके पास संख्याबल नहीं है, और अविश्वास प्रस्ताव को गिर जाना है, लेकिन शायद विपक्ष इस प्रस्ताव की भावी दुष्परिणति की कल्पना नहीं कर पा रहा है। इसने सरकार को और अधिक थेथर बना दिया है। हो सकता है कि वह अपने सभापति के किसी आचरण या विशेष कृत्य को उचित न मानती हो, लेकिन कमर कस के सभापति के पक्ष में खड़ी रहेगी और संसद चले या नहीं चले, विपक्ष की मंशा पूरी नहीं होने देगी। विपक्ष को यह प्रस्ताव लाने से बचना चाहिए था। इससे उसने न अपना भला किया है, और न संसद का, न लोकतंत्र का और न देश की जनता का।

चिंतन-मनन

दुखः भी सहें

आज स्थिति यह है कि महात्मा बनना तो सब चाहते हैं, पर उनके अनुरूप कार्यों से जी चुराते हैं। बलिदान करने के समय हिचकिचाते हैं, वे महान कैसे बन सकते हैं। बादशाह ने सुना, मेरे राज्य में स्थान-स्थान पर रामायण का पारायण हो रहा है। उसे झुंझलाहट हुई। वह कहने लगा- मेरे शासन में राम के गीत गाए जाएं ऐसा क्यों? उत्तर मिला-यहां हिन्दुओं की संख्या अधिक है। कुछ सोचकर बादशाह बोला, समुद्र में रहते हैं मगरमच्छ से वैर। मेरे राज्य में मेरी रामायण चलेगी। बादशाह ने वाकई में अनेक पण्डितों को बुलाकर अपनी रामायण बनाने का आदेश दे दिया, पंडित असमंजस में पड़ गए। करते भी क्या? आखिर उन्हें एक उपाय सूझा। कई दिन बीतने के बाद वे बादशाह के पास गए।

बादशाह- क्या मेरी रामायण तैयार हो गई?

पंडित- जहांपनाह! रामायण करीब-करीब पूरी होने वाली है पर एक बात अधूरी है उसके बिना रामायण पूरी नहीं होगी।

बादशाह- वह क्या है?

पंडित- रामायण में राम की पत्नी सीता को रावण चुरा कर ले गया था। आपकी कौन-सी बेगम को कौन चुरा कर ले गया!

बादशाह- (प्रोध में आकर) मेरी बेगम को क्यों ले जाए? टुकड़े-टुकड़े कर दो, ऐसी रामायण मुझे नहीं चाहिए। उसने नई रामायण बनवाने का विचार त्याग दिया।

कहने का आशय यह है कि आज भी प्रायः व्यक्ति अपनी रामायण (प्रशस्ति) चाहते हैं, पर कष्ट देखना, सहना कोई नहीं चाहता। महात्मा गांधी बनने को सब तैयार हैं, लेकिन गोली खाने के लिए कौन तैयार है?

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस : ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता जरूरी

योगेश कुमार गोयल

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' का आयोजन एक विशेष थीम के साथ किया जाता है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस की इस वर्ष की थीम है 'स्थायित्व को बढ़ावा देनाः हर वाट मायने रखता है'। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्त्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बबार्दी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा पर्यावरण पर चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

संसद : कैसे खत्म हो गतिरोध

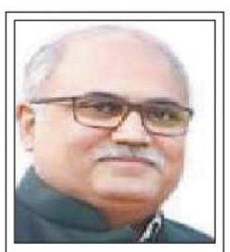

रजनीश कपूर

संसद का शीतकालीन सत्र पहले दिन से हंगामेदार बना हुआ है। विपक्ष ने सरकार को अदानी मुद्दे पर घेर रखा है। उसकी मांग है कि सरकार अदानी मुद्दे पर बयान दे कर अपना रुख साफ करे। परंतु जैसे ही विपक्ष इस मुद्दे को उठाता है तो हल्ला मच जाने के कारण संसद के सत्र को स्थगित करना पड़ता है। राज्य सभा में भी सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है।

पिछले कुछ वर्षों से देखने में आ रहा है कि जब भी विपक्ष सरकार को भ्रष्टाचार या अन्य किसी मुद्दे पर घेरने की कोशिश करता है तो संसद का वह सत्र शोर-शराबे के बीच बर्बाद हो जाता है। विपक्षी दलों का आरोप है कि जब भी सरकार के पास उनके सवालों का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं होता तो संसद को ठप कर देती है पर इसके लिए विपक्ष को ही जिम्मेदार ठहराती है। भ्रष्टाचार की बात करें तो दुनिया के देशों में भ्रष्टाचार के सूचकांक को जारी करने वाली संस्था 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का 28 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का धन अवैध रूप से विदेशों में जमा है। रिपोर्ट के बाद किसी भी सरकार को हरकत में आना चाहिए था और इस एजेंसी व ऐसी अन्य एजेंसियों की मदद से इस रिपोर्ट के आधार बिन्दुओं की जांच करनी चाहिए थी जिससे भ्रष्टाचार की जड़ पर कुठाराघात किया जा सकता। पर सरकार किसी भी दल की क्यों न रही हो जब-जब उससे इस बाबत पूछा गया कि उसने इस रिपोर्ट को लेकर तथ्य जानने की क्या कोशिश की तो सरकार का उत्तर था, चूंकि 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' भारत सरकार का अंग नहीं है, इसलिए उसकी रिपोर्ट पर ध्यान नहीं दिया जा सकता। यहां 2011 की एक घटना को याद करना उचित होगा। जब सत्ता पक्ष को भ्रष्टाचार के मामले में जोड़-शोर से घेरने वाली भाजपा को ही मीडिया ने घेर लिया था। मीडिया का सवाल था कि सत्ता पक्ष के खिलाफ भ्रष्टाचार की मांग करने वाली भाजपा अपनी कर्नाटक सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री येदुरूप्पा के घोटालों के विषय में चुप क्यों है?

भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष नितिन गडकरी ने बड़ा ही हास्यास्पद बयान दिया था। उन्होंने कहा, 'येदुरूप्पा ने जो कुछ किया, वह अनैतिक है पर अवैध नहीं।' अब इस बयान को पढ़कर कौन ऐसा होगा जो अपना सिर न धुने यानी क्या भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व सार्वजनिक जीवन में अनैतिक आचरण को स्वीकार्य मान रहा था? यही वजह है कि उस समय की भाजपा की कथनी-करनी में भ्रष्टाचार से लड़ने और उसे समाप्त करने की कोई मंशा दिखाई नहीं दी। सारा शोर राजनैतिक लाभ उठाने को मचाया गया। जनता को संदेश दिया गया कि विपक्ष भ्रष्टाचार के विरूद्ध है, जबकि हकीकत यह है कि भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा भाजपा नेतृत्व भ्रष्टाचार से लड़ना ही नहीं चाहता था। इसलिए उस समय का विपक्ष जेपीसी की मांग पर अड़ा हुआ था जिसका कोई हल निकलने वाला नहीं था और उस समय का गतिरोध यूं ही चलता रहा। न सिर्फ भ्रष्टाचार व अन्य मामलों को लेकर सरकार पर, बल्कि चुनाव आयोग पर भी चुनावों की प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं। चुनाव बाद सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न बने। चुनाव कराने वाली सर्वोच्च संविधानिक संस्था भारत निर्वाचन आयोग हर चुनाव को पारदर्शिता से कराना चाहिए। यह बात बीते महीनों से विपक्षी दल और अन्य जागरूक नागरिक कर रहे हैं। चुनाव आयोग की प्राथमिकता होनी चाहिए कि हर दल को पूरा मौका दिया जाए और निर्णय देश की जनता के हाथों में छोड़ दिया जाए।

बीते कुछ समय से चुनाव आयोग पर पहले ईवीएम को लेकर और फिर वीवीपैट को लेकर और चुनावी आंकड़ों को लेकर काफी विवाद चल रहा है। हर विपक्षी दल ने एक सुर में आवाज लगाई कि ईवीएम को हटा कर बैलट पेपर पर ही चुनाव कराया जाए परंतु देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए अधिक सावधानी बरतने को कहा और ईवीएम को जारी रखा। 'इंडिया' गठबंधन अगर सोचता है कि वो देश में अदानी मुद्दे और ईवीएम के

मुद्दे पर 'बोफोर्स' जैसा माहौल बना लेगा तो संभव नहीं लगता। कारण, बोफोर्स के समय नेतृत्व देने के लिए विश्वनाथ प्रताप सिंह जैसी साफ छवि वाला नेता मौजूद था और आज के राजनेताओं में ऐसा एक भी चेहरा नहीं जिसे जनता बेदाग मानती हो। जब नेतृत्व में ही जनता का विश्वास नहीं तो ऐसे मुद्दों पर जन आंदोलन कैसे बनेगा?

हां अगर विपक्ष एकजुट होकर किसी साफ छवि वाले नेता को अपना नेतृत्व सौंपता है, तब संभावना अवश्य है कि जनता का कुछ विश्वास हासिल किया जा सके पर इसमें भी पेच है। ऐसे नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकारने में सभी विपक्षी दल मानसिक रूप से तैयार हों। परंतु देश की संसद में गतिरोध पैदा करके सिवाय करदाता के पैसे की बबार्दी के अलावा कुछ नहीं हो रहा। इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को इस गतिरोध को जल्द से जल्द खत्म कर देना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

'अनुपमा' में बाल श्रम की समस्या को दर्शकों तक पहुँचाया

धारावाहिक अनुपमा के हाल ही के एपिसोड में, निर्माता दीपा शाही और राजन शाही ने बाल श्रम जैसे संवेदनशील और ज्वलंत मुद्दे को प्रभावी रूप से उजागर किया। धारावाहिक की कहानी ने समाजिक जिम्मेदारी और नैतिकता पर सवाल उठाने की प्रेरणा भी दी। इस एपिसोड ने यह दिखाने का प्रयास किया कि कैसे बाल श्रम बच्चों की मासूमियत, शिक्षा और उनके बेफिक्र बचपन का अधिकार छीन लेता है। भावनात्मक दृश्यों के माध्यम से उन बच्चों की स्थिति को दर्शाया गया, जिन्हें गरीबी और सामाजिक अन्याय के कारण अपने अधिकारों से वंचित रहना पड़ता है। अनुपमा के एक प्रभावशाली संवाद में, उन्होंने उन सामाजिक पाखंडों पर प्रकाश डाला जो विदेशों में कड़े नियमों का पालन करते हैं, लेकिन अपने देश में इन्हें नज़रअंदाज़ करते हैं। यह संवाद दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं या सिर्फ शब्दों में सामाजिक चेतना का प्रदर्शन कर रहे हैं। कहानी ने यह भी गहराई से दिखाया कि कैसे अमीर और प्रभावशाली लोग अपनी सत्ता का उपयोग केवल अपने फायदे के लिए करते हैं, जबकि बाल श्रम जैसे मुद्दे पर उनकी नैतिक जिम्मेदारी और समाज के प्रति जवाबदेही को नजरअंदाज किया जाता है। यह एपिसोड एक आईना था, जो हर दर्शक से आत्मनिरीक्षण करने की उम्मीद करता है। इस एपिसोड को खास बनाने वाला इसका दमदार लेखन और उत्कृष्ट अभिनय है। रूपाली गांगुली ने अनुपमा के रूप में अपनी भूमिका को गहराई और ईमानदारी के साथ निभाया, जिससे हर संवाद और हर भाव चेहरे पर जिया हुआ महसूस होता है। संवाद सरल और प्रभावशाली थे, जिनमें उपदेशात्मकता का कोई स्थान नहीं था। दीपा शाही और राजन शाही ने इस मुद्दे को कहानी में इतनी सहजता से बुना कि यह दर्शकों के दिल और दिमाग में गहरे उतर गया। अनुपमा ने साबित कर दिया कि मनोरंजन के माध्यम से भी बड़े पैमाने पर जागरूकता और सामाजिक बदलाव की शुरुआत की जा सकती है। बता दें कि यह धारावाहिक एक बार फिर अपने गहरे और सामाजिक मुद्दों पर आधारित दृष्टिकोण के कारण चर्चा में है।

नई वेब सीरीज़ 'मटका किंग' की शूटिंग में व्यस्त है कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा अपनी नई वेब सीरीज़ 'मटका किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं, वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश में स्थित अपने फैशन ब्रांड का संचालन भी करती हैं। कृतिका अपने ब्रांड की मालिक होने के साथ-साथ उत्पादन प्रक्रिया पर भी व्यक्तिगत रूप से ध्यान देती हैं। वह नियमित रूप से स्थानीय कारीगरों और सप्लायर्स से मिलकर सुनिश्चित करती हैं कि उनके उत्पादों की गुणवत्ता बेहतरीन बनी रहे। यह दर्शाता है कि कृतिका केवल एक व्यवसायी ही नहीं, बल्कि एक सशक्त उद्यमिता का प्रतीक बन रही हैं, जो अपने ब्रांड के जरिए स्थानीय कारीगरों और कलाकारों को भी सशक्त बना रही हैं। अपने अभिनय करियर और व्यापार को संतुलित करते हुए कृतिका कहती हैं, अभिनय और व्यापार दोनों को एक साथ संभालना निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह बहुत संतोषजनक भी है। दोनों क्षेत्रों में मेरी जिम्मेदारी गहरी है। एक ओर, मैं 'मटका किंग' के जरिए ऐसी कहानियां पेश कर रही हूं जो दर्शकों के दिलों में जगह बना सकें, और दूसरी ओर, मैं एक ऐसा ब्रांड बना रही हूं जो मध्य प्रदेश के कारीगरों की कला और हुनर को दुनिया के सामने लाता है। हालांकि यह थोड़ा व्यस्त हो जाता है, लेकिन जब आप अपने काम से प्यार करते हैं, तो सारी मेहनत फलीभूत होती है।

हमें प्रकृति को कुछ वापस करना चाहिए: प्रीति जिंटा

बालीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव को साझा करते हुए प्रकृति के प्रति अपनी श्रद्धा जाहिर की और कहा, हमें प्रकृति को कुछ वापस करना चाहिए। अपने अभिनय से अलग पहचान बनाने वाली प्रीति ने लिखा, मैंने यह हिमालयन देवदार का पौधा लगभग 3 साल पहले लगाया था। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के बीच इसे बढ़ते हुए देखकर बहुत खुशी हुई, क्योंकि यहां की सर्दी बढ़ गई और सफेद हो गई। ऐसे पल जीवन को सही मायने देते हैं और यह हमें प्रकृति को कुछ वापस देने का महत्व भी बताते हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर पौधे की पहले और बाद की तस्वीरें भी साझा कीं। पहली दो तस्वीरों में प्रीति पौधे की देखभाल करती नजर आ रही हैं, जबकि आखिरी तस्वीर में वही देवदार बर्फ से ढका हुआ और 30-40 मीटर तक बढ़ चुका है। प्रीति जिंटा का जन्म शिमला, हिमाचल प्रदेश में हुआ था, और वह अपनी जड़ों से जुड़ी रहने के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय रहती हैं और अपने फैंस के साथ हमेशा नई तस्वीरें और पोस्ट शेयर करती रहती हैं। कुछ समय पहले ही उन्होंने अपने बेटे जय और अपनी मां के साथ की तस्वीरें साझा की थीं, जिसमें जय अपनी नानी के साथ रोटी बनाते हुए नजर आए थे। जहां तक प्रीति के आगामी प्रोजेक्ट की बात है, तो वह जल्द ही राजकुमार संतोषी की फिल्म लाहौर 1947 के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ सनी देओल भी मुख्य भूमिका में हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म से प्रीति का फिल्मी सफर एक और महत्वपूर्ण मोड़ लेने जा रहा है। 1998 में शाहरुख खान की फिल्म दिल से... से डेब्यू करने वाली प्रीति जिंटा का करियर शानदार रहा है, और वह दर्शकों के बीच हमेशा एक दमदार अभिनेत्री के रूप में स्थापित रहीं हैं।

15 साल की उम्र से ही शेफाली को पड़ने लगे थे मिर्गी के दौरे

कांटा लगा गाने से स्टार बनीं एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला ने खुलासा किया कि मिर्गी (एपिलेप्सी) की वजह से उन्हें करियर में कई बड़े प्रोजेक्ट्स छोड़ने पड़े। उन्होंने बताया कि सिर्फ 15 साल की उम्र से ही उन्हें मिर्गी के दौरे पड़ने लगे थे, जो किसी भी वक्त और कहीं भी आ सकते थे।

शेफाली ने कहा कि पढ़ाई के दौरान उन पर अच्छे नंबर लाने का भारी दबाव था, जिसकी वजह से वह तनाव और एंग्जायटी का शिकार हो गईं। यह तनाव मिर्गी के रूप में उनकी जिंदगी में बड़ा रोड़ा बन गया। उन्होंने बताया कि कांटा लगा की सफलता के बाद उन्हें कई बड़े काम मिले, लेकिन मिर्गी के कारण वह उन्हें पूरा नहीं कर पाईं। लोगों ने उनसे सवाल किया कि वह अन्य प्रोजेक्ट्स में क्यों नजर नहीं आईं, लेकिन इस बीमारी ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। मिर्गी एक न्यूरोलॉजिकल विकार है, जिसमें मस्तिष्क की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं से अनियंत्रित विद्युत संकेत बनने लगते हैं। इससे व्यक्ति को बार-बार दौरे पड़ते हैं। यह रोग किसी भी उम्र में हो सकता है और यह विश्व की चौथी सबसे आम न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। शेफाली ने अपनी बीमारी से लड़ाई के दौरान समाज में मिर्गी को लेकर मौजूद शंकाओं और रूढ़ियों का भी सामना किया। हालांकि, उन्होंने बताया कि सही इलाज और नियमित चिकित्सा से इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके अलावा, मिर्गी के इलाज के लिए प्राचीन योग मुद्राएं और मंत्र भी सहायक हो सकते हैं।

धार्मिक आस्थाओं के अनुसार, मिर्गी मुद्रा के दौरान भगवान गणेश, शिवजी, हनुमानजी या देवी मां के मंत्रों का जाप करने से मानसिक शांति मिलती है और रोग से राहत मिलने में मदद हो सकती है। शेफाली जरीवाला ने अपनी बीमारी को लेकर जागरूकता फैलाने की अपील की और कहा कि सही समय पर डॉक्टर से परामर्श लेना बेहद जरूरी है। आज के समय में मिर्गी का इलाज संभव है, बशर्ते इसे गंभीरता से लिया जाए। बता दें कि 2002 में कांटा लगा गाने से रातों-रात स्टार बनीं शेफाली जरीवाला का करियर उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते बड़े पर्दे पर आगे नहीं बढ़ पाया।

बेवकूफ और सीमित दिमाग वाले लोगों की कमी नहीं : अमिताभ बच्चन

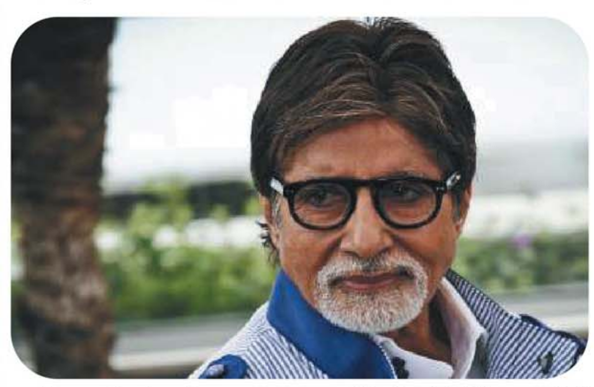

बालीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच तलाक की अफवाहों के बीच बच्चन परिवार के प्रमुख सदस्य अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर एक गुप्त संदेश साझा किया है। इस संदेश को इन अटकलों पर उनकी प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

अमिताभ ने लिखा, बेवकूफ और सीमित दिमाग वाले लोग इस दुनिया में कभी कम नहीं होते। वे अपनी निजी और बिना दिमाग वाली सोच को छिपाने के लिए हर दिन नए नकली प्रोडक्ट बनाते और फैलाते हैं। उन्होंने इसे मेरा प्यार के साथ समाप्त किया। अमिताभ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी ऐसा ही एक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, टी 5216 - कुछ भी बनाने वाले हर शब्द का अपना ही अर्थ निकालते हैं, वे अपने निजी जीवन के अनर्थ को छिपाते हैं। इस गुप्त ट्वीट के बाद उन्होंने लिखा, चुप! इस संदेश ने फैंस और मीडिया को हैरान कर दिया। ऐश्वर्या और अभिषेक के बीच तलाक की अफवाहें सबसे पहले तब चर्चा में आईं जब जुलाई 2024 में एक पारिवारिक समारोह में उनके अलग-अलग पहुंचने की खबरें आईं। इसके बाद से मीडिया में उनके रिश्ते को लेकर कई तरह की बातें की जाने लगीं।

हालांकि, पिछले दिनों एक पार्टी में दोनों को साथ देखकर उनके चाहने वालों को लगा कि शायद ये महज अफवाहें हैं। अमिताभ बच्चन के गुप्त संदेश ने इन अटकलों को लेकर और उत्सुकता बढ़ा दी है। हालांकि, बच्चन परिवार ने अब तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि यह विवाद सिर्फ अफवाह भर हो और बच्चन परिवार की यह जोड़ी हमेशा की तरह मजबूत बनी रहे। जब तक परिवार की तरफ से कोई स्पष्ट बयान नहीं आता, ये मामला अफवाहों और अटकलों तक ही सीमित रहेगा।

बता दें कि बॉलीवुड के प्रतिष्ठित परिवार बच्चन परिवार के चर्चित सदस्यों ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच तलाक की खबरें एक बार फिर सुर्खियों में हैं। ये अटकलें तब तेज हुईं जब कुछ महीनों पहले अनंत अंबानी की शादी में ऐश्वर्या और उनकी बेटी आराध्या अलग पहुंचीं, जबकि अभिषेक और बाकी बच्चन परिवार ने समारोह में एक साथ एंट्री की। इस घटना के बाद से ही उनके रिश्ते में खटास की अफवाहें मीडिया में फैलने लगीं। हाल ही में हालांकि, इस कपल को एक पार्टी में साथ देखा गया, जिससे फैंस को राहत मिली।

मुझे कई तरह के डांस सीखना पसंद: मौनी रॉय

अभिनेत्री मौनी रॉय का ऑन-स्क्रीन उपस्थिति से सुर्खियां बटोरना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में एक बातचीत में, उन्होंने विभिन्न डांस कला को सीखने के अपने जुनून का खुलासा किया और एक डांस-आधारित फिल्म करने में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने साझा किया, मुझे विभिन्न प्रकार के डांस सीखना पसंद है, और कहा, मैं एक दिन ऐसी फिल्म पर काम करने के अवसर की प्रतीक्षा कर रही हूं! पर्दे पर अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर अभिनेत्री ने खुलासा किया कि डांस उनकी लव लैंग्वेज है और यह उनके दिल में एक विशेष स्थान रखती है। वर्तमान में, मौनी कई रोमांचक परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है कि आगे क्या होगा। वह सक्रिय रूप से कई दिलचस्प स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं। डांस के प्रति अपने बढ़ते उत्साह और आशाजनक परियोजनाओं के साथ, मौनी रॉय अपने ऑन-स्क्रीन करिश्मा से अपने प्रशंसकों को प्रभावित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बता दें कि मौनी अक्सर अपने सोशल मीडिया के जरिए डांस के प्रति अपना दीवानगी जाहिर करती रहती हैं। वह अक्सर विभिन्न डांस शैलियों में अपने प्रदर्शन के वीडियो और इम्प्रोम्टू डांस सेशन साझा करती हैं।

रामायण को लेकर सुर्खियों में रणबीर कपूर को...

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर अपकमिंग फिल्म रामायण को लेकर सुर्खियों में हैं। एक इंटरव्यू में रणबीर ने खुलासा किया कि उन्होंने फिल्म के पहले भाग की शूटिंग पूरी कर ली है और जल्द ही दूसरे भाग की शूटिंग शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं इस समय एक ऐसी फिल्म पर काम कर रहा हूं, जो भारत की सबसे महान कहानी है। रामायण दो भागों में बनाई जा रही है और इसका निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। फिल्म में भगवान राम का किरदार निभाना मेरे लिए गर्व और रोमांच का पल है। यह न केवल भारतीय संस्कृति और मूल्यों को दर्शाती है, बल्कि यह पारिवारिक रिश्तों और आदर्शों की गहराई को भी उजागर करती है। उन्होंने आगे कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे लिए एक सपने जैसा है। इसमें बेहतरीन आर्टिस्ट्स और क्रिएटिव टीम शामिल है। फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा ने इस प्रोजेक्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खास बनाने के लिए दुनिया भर के क्रिएटर्स को जोड़ा है। जानकारी के मुताबिक, रामायण की कास्ट में कई बड़े नाम शामिल हैं। साई पल्लवी मां सीता का किरदार निभा रही हैं, जबकि केजीएफ स्टार यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। लारा दत्ता कैकेयी और सनी देओल हनुमान की भूमिका में दिखाई देंगे। इसके अलावा, शीबा चड्ढा को मंथरा के किरदार के लिए चुना गया है। फिल्म का पहला पार्ट 2026 में और दूसरा पार्ट 2027 में रिलीज होगा। पिछले महीने फिल्म की आधिकारिक घोषणा के बाद से ही दर्शकों में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह है। रणबीर कपूर के अनुसार, यह फिल्म भारतीय संस्कृति और मूल्यों का एक अभूतपूर्व चित्रण है। उन्होंने भगवान राम के किरदार को निभाने को अपने करियर का सबसे बड़ा सम्मान बताया।

फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' कर रही शानदार प्रदर्शन

देश भर में फिल्म 'पुष्पा 2 : द रूल' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। सुपर स्टार अल्लू अर्जुन के फैंस का उत्साह चरम पर है, और अब हर किसी को फिल्म के ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पहले फिल्म के ओटीटी रिलीज को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि इसे नेटफ्लिक्स या हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाएगा। चूंकि पहले भाग, 'पुष्पा- द राइज', ने अमेजन प्राइम वीडियो पर धमाकेदार सफलता हासिल की थी, इसलिए फैंस को उम्मीद थी कि इसका दूसरा पार्ट भी वहीं स्ट्रीम होगा। लेकिन मेकर्स ने इस बार इसे नेटफ्लिक्स पर रिलीज करने का निर्णय लिया है। नेटफ्लिक्स ने हाल ही में एक पोस्टर जारी कर यह पुष्टि की कि फिल्म जल्द ही तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में उपलब्ध होगी। फिल्म के ओटीटी प्रीमियर की तारीख अभी तक घोषित नहीं की गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, सिनेमाघरों में रिलीज के छह से आठ हफ्ते बाद इसे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। ओटीटी राइट्स को लेकर भी फिल्म चर्चा में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'पुष्पा 2' के ओटीटी राइट्स 275 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं, जो अब तक का एक बड़ा रिकॉर्ड है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत की है। ओपनिंग डे पर 164.25 करोड़ रुपये की शानदार कमाई के बाद, दूसरे दिन भी फिल्म ने 141.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। महज चार दिनों में फिल्म ने 529 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जो इसकी अपार लोकप्रियता को दर्शाता है। अल्लू अर्जुन की दमदार परफॉर्मेंस और सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने न केवल तेलुगु सिनेमा, बल्कि पूरे भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दर्शकों को प्रभावित किया है।

रितेश पांडे का गाना पार्टी चलेगी फुल नाईट रिलीज

भोजपुरी सिनेमा सुपरस्टार रितेश पांडे का गाना 'पार्टी चलेगी फुल नाईट' रिलीज हो गया है। भोजपुरी फिल्म 'सनम मेरे हमराज' का गाना 'पार्टी चलेगी फुल नाईट' रिलीज किया गया है, जिसे वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकता है। सत्या सावरकर ने इस गीत को लिखा है। संगीतकार मधुकर आनंद हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर ज्योति देशपांडे और अभय सिन्हा हैं। निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी हैं। इस फिल्म का म्यूजिक राईट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स म्यूजिक कंपनी के पास है।

गाबा में तीसरे टेस्ट को लेकर आस्ट्रेलिया टेंशन में, भारत दे चुका है करारी शिकस्त

-रोहित ब्रिगेड के हौसला बुदंल, कंगारु भी उस हार को चाहेगा भुलाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-आस्ट्रेलिया का तीसरा टेस्ट गाबा में होने वाला है जिसको लेकर आस्ट्रेलिया ने टीम का ऐलान भी कर दिया है। गाबा वह मैदान है जहां आस्ट्रेलिया को हराना मुश्किल होता है लेकिन 2021 में गाबा में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया था। यह बात रोहित ब्रिगेड का हौसला बुदंल कर रही है। ऑस्ट्रेलिया भी उस हार को भुलाना चाहेगा।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने कहा कि यह वक्त उस हार के बारे में सोचने का नहीं है। इसकी बजाय टीम को एडिलेड की तरह वापसी करने की अपनी क्षमता पर ध्यान देना होगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 2021 में गाबा टेस्ट मैच में ऋषभ पंत और शुभमन गिल की शानदार पारियों के दम पर हार का मजा चखाया था। यह ऑस्ट्रेलिया की इस मैदान पर 1988 के बाद पहली हार थी।

अब दोनों टीमें 14 दिसंबर से फिर आमने-सामने आने वाली हैं। यह पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट है। दोनों टीमें अभी 1-1 मैच जीत कर बराबर हैं। ऐसे में तीसरा टेस्ट बहुत अहम माना जा रहा है। मिचेल मार्श ने तीसरे टेस्ट मैच से पहले प्रैक्टिस सेशन में कहा कि पहले क्या हुआ अभी हमारे पास उसके बारे में सोचने का समय नहीं है। अभी हम केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो वर्तमान में अहम हैं।

पर्थ में पहले टेस्ट मैच में हार के बाद हमने जिस तरह से वापसी की यह उसका एक उदाहरण है। इसलिए हम अपनी शैली की क्रिकेट खेलने पर ध्यान दे रहे हैं। मार्श ने अपनी फिटनेस के बारे में कहा कि मेरी पीठ में दर्द था लेकिन अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मार्श ने पहले दो टेस्ट मैच में बहुत अधिक गेंदबाजी नहीं की लेकिन उन्होंने कहा कि यह टीम की रणनीति का हिस्सा है।

मिचेल मार्श ने तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड की फिटनेस की स्थिति का स्पष्ट ब्यौरा नहीं दिया जो मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेले थे। उन्होंने गुरुवार को अभ्यास सत्र में गेंदबाजी भी नहीं की। उन्होंने कहा कि अब तक जोस का सवाल है तो वह ऐसा खिलाड़ी है जो परेशान नहीं होता और मैच में खेलने के लिए जो कुछ संभव है वह करेगा।

टीम

भारत: यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा/रविचंद्रन अश्विन/वॉशिंगटन सुंदर , आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज.

ऑस्ट्रेलिया : उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर) पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, जोश हेजलवुड

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर ने रोहित की फिटनेस पर सवाल उठाये

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेरिल कलिनन ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर सवाल उठाये हैं। कलिनन ने कहा है कि रोहत का वजन जरुरत से कहीं ज्यादा है जो उन्हें कम करना होगा। रोहित हाल में धरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में मिली हार के बाद से ही उनपर दबावा भी बढ़ गया है। रोहित पिछले काफी समय से रन भी नहीं बना पा रहे। वह एडिलेड की दोनों पारियों में असफल रे। रोहित इस मैच में छठे नंबर पर उतरे लेकिन फिर भी रन नहीं बना पाये।

कलिनन ने रोहित फिटनेस स्तर की आलोचना की और उन्हें बड़ी टेस्ट सीरीज के लिए अयोग्य बताया है। कलिन ने कहा कि, रोहित को देखिए, फिर विराट को। दोनो में ही साफ अंतर दिखेगा। रोहित का वजन ज्यादा है और वह लंबे समय तक नहीं खेल पायेंगे। रोहित चार या पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए अच्छी शारीरिक स्थिति में नहीं हैं। रोहित ने साल 2024 की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद से केवल एक टेस्ट में अर्धशतक लगाया है। वह पिछली 12 पारियों में से 8 में दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं।

ट्रेविड हेड महान बल्लेबाज बनने की राह पर, रिकी पोटिंग ने इस दिग्गज से की तुलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड आधुनिक समय के महान बल्लेबाजों में से एक बनने की राह पर हैं। एडिलेड ओवल में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर मेजबान टीम को पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर करने में मदद की जिसके लिए हेड को 141 गेंदों पर 140 रनों की शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हेड पिछले 18 महीनों में भारत के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं, उन्होंने 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में शानदार 163 रन बनाए और उसी साल के अंत में वनडे विश्व कप के फाइनल में मैच जीतने वाली 137 रन की पारी खेली। पोंटिंग ने कहा, 'वह उन (महान) खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं। मुझे नहीं लगता कि आप उन्हें अभी महान कह सकते हैं। वह जो कर रहे हैं, उस पर कोई सवाल नहीं है क्योंकि वह जो कर रहे हैं, वह शानदार है। और कई बार ऐसा तब होता है जब उनकी टीम को उनकी सबसे ज़्यादा जरूरत होती है। विश्व कप सेमीफाइनल, विश्व कप फाइनल, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, ऑस्ट्रेलिया में कुछ साल पहले हुई एशेज के बारे में सोचिए। बड़े पल तब होते हैं जब ट्रैविस ने खड़े होने का तरीका ढूंढ़ लिया है।'

बुमराह की गेंदबाजी में कई दिग्गज तेज गेंदबाजों का मिश्रण: चैपल

सिडनी (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि जसप्रीत बुमराह में डेनिस लिली, एंडी रॉबर्ट्स और रिचर्ड हैडली जैसे तेज गेंदबाज के गुण मौजूद हैं लेकिन वह अपनी खुद की ऐसी विरासत तैयार कर रहे हैं जो तेज गेंदबाजों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि बुमराह 'बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी' और ऑस्ट्रेलिया के बीच खड़े एकमात्र खिलाड़ी हैं।

चैपल ने लिखा, 'बुमराह का कौशल का संयोजन उन्हें अलग कतार में खड़ा करता है। उनके पास (मैल्कम) मार्शल की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठने की क्षमता, लिली की आक्रामकता, रिचर्ड हैडली का नियंत्रण, रॉबर्ट्स की रणनीति, वसीम (अकरम) और वकार (यूनिस) की रिवर्स स्विंग, (ग्लेन) मैक्ग्रा की सटीकता, (डेल) स्टेन की विस्फोटकता , और (कैगिसो) रबाडा की आधुनिक बहुमुखी प्रतिभा का मिश्रण है।'

उन्होंने कहा, 'जैसा की नासिर हुसैन ने कहा, 'वह एक पूर्ण गेंदबाज है'। उसकी पीठ की सर्जरी हुई है और यह पता नहीं है कि उसका करियर कितना लंबा चलेगा लेकिन अगर उसने इसी तरह से गेंदबाजी जारी रखी तो उसका नाम भी इन चैम्पियन गेंदबाजों की तरह लिया जाएगा।'

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट में मौजूदा दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज की अपनी साख को मजबूत करते हुए भारत को 295 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस मैच में टीम की कप्तानी भी की थी। उन्होंने कहा, 'गुजरे जमाने के दिग्गजों ने नींव स्थापित की तो वहीं बुमराह अपनी खुद की विरासत बना रहा है। एक ऐसी विरासत जो तेज गेंदबाजों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने का माद्दा रखती है।'

ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि बुमराह की घातक यॉर्कर और अस्थिर उछाल ने मैदान पर लिली की आक्रामकता की यादें ताजा कर दीं। उन्होंने कहा, 'लिली किसी योद्धा की तरह थे। उनके पास आक्रमकता और मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने का शानदार संयोजन था। मैंने घरेलू क्रिकेट में कई बार उनका सामना किया और अपने युग के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ उन्हें करीब से परखा है।'

चैपल ने कहा, 'लिली के पास लंबे समय तक बल्लेबाज को परेशान करने वाली एक लाइन-लेंथ में गेंदबाजी करने की क्षमता थी। बुमराह इस मामले में थोड़े पीछे है लेकिन अलग तरह की गेंदबाजी एक्शन से वह कारगर यॉर्कर और और बाउंसर से बल्लेबाज को परेशान कर लिली की बराबरी करते हैं।' उन्होंने कहा, 'बुमराह रॉबर्ट्स के दिमागी चपलता को साझा करते हैं। दोनों गेंदबाज बल्लेबाजों को चकमा देने के लिए विविधताओं का उपयोग करते हैं। रॉबर्ट्स की तरह बुमराह भी ताकत के बजाय रणनीति पर भरोसा करते हैं।'

उन्होंने कहा, 'बुमराह ने सिर्फ 30 टेस्ट में 21.03 की औसत से 151 विकेट लिए है। विभिन्न परिस्थितियों में उत्कृष्टता हासिल करने की उनकी क्षमता मार्शल के प्रभुत्व की याद दिलाती है। बुमराह के पास पुरानी गेंद से रिवर्स स्विंग के साथ गेंद को सिम और स्विंग करने की कमाल की क्षमता है। मार्शल के विरुद्ध बल्लेबाजों को इसी तरह की अनिश्चितता का सामना करना पड़ता था।' चैपल ने कहा, 'जैसा कि इयान बॉथम ने मार्शल के बारे में प्रसिद्ध टिप्पणी की थी कि वह आपको कोई राहत नहीं देते है। आज बल्लेबाज भी बुमराह के बारे में ऐसी ही भावनाएं व्यक्त करते हैं।'

पीसीबी से नाराज गिलेस्पी कोच पद छोड़ेंगे

लाहौर ।पाकिस्तान की टेस्ट टीम के कोच जैसन गिलेस्पी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पीसीबी से नाराज चल रहे हैं और माना जा रहा है कि वह शीघ्र ही अपना पद छोड़ देंगे। पीसीबी ने जिस प्रकार पिछले कुछ महीनों में उनकी भूमिका और अधिकारों को सीमित किया है उससे वह उपेक्षित अनुभव कर रहे हैं। अक्टूबर में उन्हें टेस्ट टीम के चयन पैनल से हटा दिया गया। उन्हें कहा गया कि अब वे केवल मैच के लिए रणनीतकार हैं। कोच गैरी कर्स्टन के जाने के बाद गिलेस्पी ने अंतरिम आधार पर टीम को कोचिंग दी थी। वहीं गिलेस्पी के कहने पर टिम नीलसन की इस साल अगस्त में हाई-परफॉर्मेंस रेड-बॉल कोच बनाया गया था। उनके अनुबंध को पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद रिन्यू करना था पर ऐसा नहीं किया गया है। नीलसन के अनुसार टीम अच्छी तहर से आगे बढ़ रही थी और वह दक्षिण अफीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज क तैयारी कर रहे थे पर पीसीबी ने उन्हें बताया कि उनकी सेवाओं की अब आवश्यकता नहीं है। गिलेस्पी को लगता है कि नीलसन ने खिलाड़ियों के साथ बहुत अच्छा तालमेल बनाया है। ये बात उन्होंने सार्वजनिक रूप से कई बार कही है। यही शायद उनके गुस्सा होने की वजह भी है।

मोहम्मद नबी 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले अफगान क्रिकेटर बने

स्पोर्ट्स डेस्क ।अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले अफगान खिलाड़ी बन गए हैं। अफगानिस्तान के क्रिकेट सफर के आधार रहे 39 वर्षीय नबी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ

टी20 सीरीज के पहले मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। नबी ने इस अवसर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 27 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाए। अपनी उपलब्धि पर विचार करते हुए नबी ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'मुझे खुशी है कि मैंने अपने देश के लिए 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। मुझे इस पर गर्व है।'' इसी पारी के दौरान नबी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 चौके पूरे करके एक और उपलब्धि हासिल की जिससे अफगानिस्तान के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई। नबी का अंतरराष्ट्रीय करियर अप्रैल 2009 में शुरू हुआ जब उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया। तब से उन्होंने 167 वनडे मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें उन्होंने 27.48 की औसत से 3,600 रन बनाए हैं और 32.47 की औसत से 172 विकेट लिए हैं। उनका टी20 करियर फरवरी 2010 में आयरलैंड के खिलाफ शुरू हुआ था। 130 से ज़्यादा मैचों में नबी ने 22.54 की औसत से 2,209 रन बनाए हैं और 7.33 की इकॉनमी से 97 विकेट लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में नबी ने तीन मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33 रन बनाए हैं और आठ विकेट लिए हैं।

गाबा टेस्ट को लेकर शास्त्री की रोहित को सलाह.... ओपनिंग करे, ताकि टीम को शुरुवात से मजबूती मिले

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टेस्ट सीरीज में निर्णायक मोड़ आ चुका है। इस पर पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कप्तान रोहित शर्मा को ओपनिंग की सलाह दी है। एडिलेड में दूसरे टेस्ट में भारत को 10 विकेट से मिली हार के बाद सीरीज 1-1 से बराबर है, और गाबा में शनिवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में विजेता टीम के लिए सीरीज जीतने की संभावना प्रबल हो सकती है।

दरअसल शास्त्री ने कहा कि रोहित ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बतौर सलामी बल्लेबाज किया है। उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ अपनी तकनीक और क्षमता का बार-बार प्रदर्शन किया है। शास्त्री ने कहा, अगर रोहित को ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाना है, तब उन्हें पारी का आगाज करना चाहिए। रोहित ने अपनी पिछली 10 पारियों में केवल एक अर्धशतक लगाया है, और मध्यक्रम में उनके प्रदर्शन ने टीम को नुकसान पहुंचाया है। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी शास्त्री की राय का समर्थन कर कहा कि ओपनिंग रोहित के लिए सबसे उपयुक्त पोजीशन है।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की मौजूदा सलामी जोड़ी के प्रदर्शन ने प्रभावित किया है। इसके बावजूद शास्त्री का मानना है कि रोहित को ओपनिंग करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। टीम को मौजूदा जोड़ी के प्रदर्शन और रणनीतिक फैसलों के बीच संतुलन साधना होगा।

शास्त्री ने टेस्ट को सीरीज का निर्णायक मुकाबला बताया। उन्होंने कहा, जो भी टीम मैच को जीतेगी, वह सीरीज जीत सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में जीत के बाद आत्मविश्वास पा लिया है। इसके बाद अब भारत को सही संतुलन और रणनीति के साथ उतरना होगा। रोहित की ओपनिंग के फैसले से भारत को एक मजबूत शुरुआत मिलेगी, जिससे बाकी बल्लेबाज दबाव मुक्त होकर खेल सकें। वहीं, गेंदबाजी आक्रमण

और स्पिन विभाग में सही चयन भी टीम की सफलता के लिए अहम होगा।

संन्यास के बाद भी करोड़ों की कमाई कर रहे युवराज

चंडीगढ़ ।भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को संन्यास लिए काफी समय हो गया है। इसके बाद भी युवराज विज्ञापनों से जमकर कमाई कर रहे है। वह विज्ञापनों से ही हर माह करीब एक करोड़ की कमाई कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार युवराज की नेट वर्थ करीब 291 करोड़ रुपये है। 2011 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले युवराज ने साल 2019 में क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद भी आज वह कई बड़े ब्रांड से जुड़ें है। युवराज ने कई स्टार्टअप्स शुरू किए हैं जिससे भी उन्हें अच्छी खासी कमाई हो रही है। संपत्ति करीब 50 करोड़ से ज्यादा है. युवराज सिंह के पास मुंबई में करोड़ों रुपये की कीमत वाले दो आलीशान अपार्टमेंट हैं। उन्होंने साल 2013 में वर्ली में लग्जरी आवासीय टॉवर में दो अपार्टमेंट खरीदने के लिए 64 करोड़ खर्च किए थे। उनके पास गोवा में भी एक घर है जबकि चंडीगढ़ में के हवेली है। युवराज सिंह के पास कई लक्जरी कारें हैं। उनके पास बेंटले कॉन्टिनेंटल जीटी, लॉम्बिरिगनी मरसिएलागोए बीएमडब्ल्यू एम5 ई60, बीएमडब्ल्यू एक्सएम 6रूऔर ऑडी क्यू 5 गाड़ियां है। युवराज के करियर की बात करें तो 40 टेस्ट में 1900 रन बनाए जबकि 304 वनडे में उन्होंने 8701 रन बनाए। वहीं 58 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उनके नाम 1177 रन हैं। उन्होंने टेस्ट में 3 शतक और 11 अर्धशतक जबकि एकदिवसीय में 14 शतक और 52 अर्धशतक लगाये हैं। टी 20 में उन्होंने 1177 रन बनाए हैं। इसके साथ हीन्होंने गेंदबाजी करते हुए टेस्ट में 9 एकदिवसीय में 111 और टी20 में 28 विकेट लिए हैं। 2007 टी20 विश्वकप में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में लगातार छह छक्के लगाये थे। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वह दर्शकों के पसंदीदा बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं।

सबसे युवा विश्व चैम्पियन बनना बहुत बड़ी बात : शुभमन गिल ने गुकेश की तारीफ की

ब्रिसबेन ।सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से डी गुकेश को बधाई दी जो सबसे युवा शतरंज विश्व चैम्पियन बने हैं। गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को सिंगापुर में हुए मुकाबले में 7.5 . 6.5 से हराकर खिताब जीता। गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पूर्व मीडिया से कहा, 'मैं डी गुकेश को पूरी भारतीय टीम की ओर से बधाई देना चाहता हूं। सबसे युवा विश्व शतरंज चैम्पियन बनना ही अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है।' गुकेश से पहले रूस के गैरी कास्पारोव सबसे युवा विश्व चैम्पियन थे जिन्होंने 1985 में 22 वर्ष की उम्र में अनातोली कारपोव को हराकर खिताब जीता था। वह विश्वनाथन आनंद के बाद खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं।

ऋषभ पंत के लिए पागल थे पार्थ, गोयनका ने बताया 27 करोड़ की बोली लगाने की वजह

नई दिल्ली। आईपीएल नीलामी 2025 में सिर्फ 20 मिनट में श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 2015 में कोई भी भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह के 16 करोड़ से ज्यादा में नहीं बिका था, लेकिन जेद्दा-सऊदी अरब में मेगा नीलामी के कुछ ही मिनटों में श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत पहली बार 25 करोड़ का आंकड़ा पार कर गए। अय्यर पहले इंसान थे जिन्हें 26 करोड़ की भारी कीमत पर पंजाब किंग्स ने खरीदा था। उन्होंने पिछले साल केकेआर द्वारा 24.75 करोड़ में खरीदे गए मिशेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। श्रेयस के नाम यह रिकॉर्ड केवल 11 मिनट रहा क्योंकि लखनऊ सुपर जाइंट्स ने ऋषभ पंत को बोर्ड पर लाने के लिए 27 करोड़ खर्च कर दिए। रिकॉर्ड-तोड़ आईपीएल नीलामी के तीन सप्ताह बाद अब एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने पंत पर बोली लगाने के पीछे की बात उजागर की है। गोयनका ने कहा कि वह जानते थे कि डीसी के सह-मालिक पार्थ जिंदल पंत के लिए पागल थे और उन्हें वापस लाने के लिए कुछ भी करने को तैयार थे, इसलिए उन्हें इतनी राशि लगानी पड़ी कि डीसी उनके राइट टू मैच विकल्प का उपयोग करने के बावजूद मैच नहीं कर सके। गोयनका ने बताया कि पंत के लिए 27 करोड़ की बोली लगाने के पीछे विज्ञान था। दिल्ली ने श्रेयस अय्यर के लिए 26.5 करोड़ की बोली लगाई। मुझे लगा था कि पार्थ जिंदल ऋषभ पंत के लिए इतने पागल हैं कि वह आईपीएल नीलामी में एक पायदान ऊपर जाएंगे। मैंने विचार किया जहां पर वह रुकेगा हम वहां से ऊपर जाएंगे। गोयनका ने कहा कि पंत को अपनी टीम के साथ जोड़ने का मुख्य मकसद एक भारतीय एंकर को अपने साथ जोड़ना था। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लिए जो भी परिस्थितियां रहीं, उन्होंने उसे रिटेन नहीं किया वह ऋषभ को रिटेन करने के इच्छुक नहीं थे। मेरे लिए उस पर चर्चा करना या उस पर टिप्पणी करना सही नहीं है।

वेस्टइंडीज ने बंगलादेश को चार विकेट से हराकर सीरीज में किया क्लीन स्वीप

बासटेयर (एजेंसी) । आमिर जंगू (नाबाद 104), केसी कार्टी (95) तथा गुडाकेश मोती (नाबाद 44 और एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे एक दिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश को चार विकेट से हराया। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में बांग्लादेश का सूपड़ा साफ कर दिया। 104 रनों की बेहतरीन पारी खेलने वाले आमिर जंगू 'प्लेयर ऑफ दि मैच' से और शरफेन रदरफोर्ड को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया। बांग्लादेश के 321 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 36 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये।

ब्रैंडन किंग (15), ऐलेक ऐथनेज (सात)और कप्तान शे होप (तीन) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद 15वें ओवर में वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोर्ड (15) के रूप में अपना चौथा विकेट 86 के स्कोर पर गवां दिए। ऐसे संकट के समय केसी कार्टी के साथ आमिर जंगू ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिये 132 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी ने वेस्टइंडीज के जीत की नींव रखी। 34वें ओवर में रिशाद हुसैन ने केसी कार्टी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। केसी कार्टी ने 88 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हए (95) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए रॉस्टन चेज (12) को भी रिशाद हुसैन ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजी करने आये गुडाकेश मोती ने आमिर जंगू का बखूबी साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए मैच विजयी साझेदारी की। आमिर जंगू ने 83 गेंदों में छह चौके और चार छक्के लगाते हुये (नाबाद 104) रनों की पारी खेली। वहीं गुडाकेश मोटी ने 31 गेंदों में तीन चौक और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 44) रन बनाये। इन दोनों बल्लेबाजों ने 45.5 ओवर में छह विकेट पर 325 रन बनाकर कर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। बंगलादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने दो विकेट लिये। तसकीन अहमद, नासुम अहमद और हसन महमूद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिऐ। तंजिद हसन और लिटन कुमार दास बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। इन दोनों बल्लेबाजों को अल्जारी जोसेफ ने आउट किया। इसके बाद सौम्य सरकार और कप्तान मेहदी हसन मिराज ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिए 136 रनों की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में गुडाकेश मोटी ने सौम्य सरकार (73) को पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। 30वें ओवर में शरफेन रदरफोर्ड ने मेहदी हसन मिराज (77) को

रनआउट कर बंगलादेश को चौथा झटका दिया। अफिफ हुसैन ध्रुबो (15) को शरफेन रदरफोर्ड ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये महमुदउल्लाह और जाकेर अली की जोड़ी ने पारी को संभालते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। महमुदउल्लाह ने 63 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 84) रनों की पारी खेली। वहीं जाकेर अली ने 57 गेंदों में पांच चौके और दो छक्को की मदद से (नाबाद 62) रन बनाये। बंगलादेश की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 321रनों का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने दो विकेट लिये। शरफेन रदरफोर्ड और गुडाकेश मोटी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

2025 में दक्षिण एशिया में 4.7 करोड़ बच्चों को होगी मानवीय सहायता की जरूरत

न्यूयॉर्क , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने कहा है कि दक्षिण एशिया में वर्ष 2025 के दौरान जलवायु संबंधी आपदाओं, अन्य प्रकार के संकटों, स्वास्थ्य आपदाओं और आर्थिक झटकों के कारण, लगभग 4 करोड़ 70 लाख बच्चों को मानवीय सहायता की आवश्यकता होगी। यूनीसेफ ने दक्षिण एशिया के देशों में वर्ष 2025 के दौरान लगभग 2 करोड़ 80 लाख लोगों तक जीवनरक्षक मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए एक अरब 60 करोड़ डॉलर की रकम जुटाने की अपील जारी की है। इनमें लगभग एक करोड़ 60 लाख बच्चे होंगे और इनकी अधिकतर संख्या अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान व अन्य देशों में होगी। दक्षिण एशिया के लिए यूनीसेफ के क्षेत्रीय निदेशक संजय विजेसेकेरा ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है, दक्षिण एशिया में लाखों बच्चे लगातार गम्भीर होती जलवायु संबंधी आपदाओं से गम्भीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं, जिनमें बाढ़ें, भूस्खलन, समुद्री तूफान और सूखा स्थितियां शामिल हैं और ये सब आपदाएँ अक्सर मानसून के मौसम में अधिक घटित होती हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए इन चुनौतियों में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातस्थितियों, आर्थिक संकटों, और राजनैतिक अस्थिरता के हालात के कारण और भी बढ़ोत्तरी होती है। इनके परिणामस्वरूप बच्चों की जिंदगियां गंभीर जोखिम में पड़ती हैं, जिसमें उनके स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा के साथ-साथ अन्य बुनियादी जरूरतों में भी गम्भीर बाधाएं उत्पन्न होती हैं। यूनीसेफ की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि मानवीय सहायता अपील के जरिए मिलने वाली धनराशि से बच्चों और उनके परिवारों की स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, संरक्षण, पानी और स्वच्छता जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी। दक्षिण एशिया क्षेत्र में बच्चों के लिए मानवीय कार्रवाई के हिस्से के रूप में तीन प्रमुख देशों में सहायता पहुंच बनाने की योजना है। अफगानिस्तान में लगभग एक करोड़ बच्चों तक जीवनरक्षक सहायता और बुनियादी सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी। बांग्लादेश में करीब 5 लाख 29 हजार 623 रोहिंज्या शरणार्थियों सहित कुल करीब 21 लाख लोगों तक कई तरह की सहायता मुहैया कराई जाएगी, जिसमें स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा जरूरतों को पूरा किया जाएगा। इनमें लगभग 11 लाख बच्चे और स्वास्थ्य देखभाल कर्मी भी लाभांवित होंगे, जिन्हें मानसिक स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक समर्थन मुहैया कराया जाएगा। पाकिस्तान में लगभग 35 लाख बच्चों तक विभिन्न तरह की सहायता पहुंचाने की कोशिश की जाएगी।

अफगानिस्तान : अफगानिस्तान में लगभग एक करोड़ 24 लाख बच्चों के लिए मानवीय स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। उनकी जिंदगियां आर्थिक कठिनाइयों, जलवायु जनित झटकों और महिलाओं पर लगी पाबंदियों के कारण मुश्किल बनी हुई हैं। इस हालात के परिणाम स्वरूप अफगानिस्तान, दक्षिण एशिया में एक ऐसा देश है, जहां मानवीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए सबसे बड़ी अपील जारी की गई है।

बांग्लादेश : बांग्लादेश जलवायु सम्बन्धित आपदाओं और लम्बे चल रहे रोहिंज्या शरणार्थी संकटों के बोझ से जूझ रहा है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में 10 लाख से भी अधिक रोहिंग्या शरणार्थी शरण लिए हुए हैं जो बहुत घनी आबादी वाले शिविरों में रहने को विवश हैं। बांग्लादेश में लगभग 32 लाख बच्चे, बाढ़ों, तूफानों और शरणार्थी संकटों के प्रभावों की चपेट में हैं।

पाकिस्तान : पाकिस्तान में करीब दो करोड़ 47 लाख बच्चे जलवायु परिवर्तन, लैंगिक विषमताओं, खाद्य असुरक्षा, उच्च स्तर के कुपोषण और राजनैतिक व आर्थिक अस्थिरता के उच्च प्रभावों की चपेट में हैं। दुनिया भर में जलवायु जोखिमों की दृष्टि से पाकिस्तान का पांचवां स्थान है, जहां बाढ़ें, ताप लहरें जैसी अत्यन्त चरम मौसम घटनाएं बहुत जल्दी-जल्दी घटित होने लगी हैं और वो अधिक विनाशकारी भी बन रही हैं।

अन्य देश : नेपाल भी भूकम्पों, बाढ़ों और भूस्खलों से लगातार प्रभावित होता रहा है। भूटान व नेपाल हिमालय क्षेत्र में अपनी भूस्थिति के कारण भूकंपों के उच्च जोखिम में बने हुए हैं। लगातार आती बाढ़ें और सूखा स्थितियां श्रीलंका की आर्थिक पुनर्बहाली के लिए भी खतरा बनी हुई हैं। मालदीव जलवायु परिवर्तन और बढ़ते समुद्री जल स्तर के साथ-साथ आर्थिक कठिनाइयों के भी जोखिम में हैं।

संक्षिप्त समाचार

अचानक भूमिगत बिजली बॉक्स में हुआ जोरदार धमाका ; गड्ढे में जा गिरी महिला

लीमा, एजेंसी। पेरू में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। पांच दिसंबर को रोज की तरह लोग एक फुटपाथ से होकर गुजर रहे थे, तभी कुछ ऐसा हुआ कि हलचल मच गई। दरअसल, यहां अचानक से भूमिगत बिजली के बॉक्स में जोरदार धमाका हुआ, जिससे एक महिला सड़क पर बने गड्ढे में गिर गई। महिला को गंभीर चोटें आई हैं। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि लोग शांति से फुटपाथ से गुजर रहे हैं। तभी एक महिला वहां से गुजरती है और उसी समय भूमिगत बिजली के बॉक्स में जोरदार धमाका होता है। यह विस्फोट इतना तेज था कि सड़क पर एक गहरा गड्ढा बन गया और उसे बचने का कोई समय नहीं मिला। जिससे सड़क पर बने गड्ढे में वह गिर गई। हालांकि, वहां मौजूद सेना के एक जवान, जो गश्त कर रहा था, तुरंत उनकी मदद के लिए पहुंचा और उन्हें बचा लिया। मगर इस धमाके के कारण महिला को काफी गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय पुलिस और सेना के अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे और महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। यह घटना पेरू के लिए एक चेतावनी बन गई है, जहां ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों और बेहतर निर्माण कार्य की आवश्यकता है। फिलहाल, मामले की आगे की जांच जारी है। अधिकारियों का मानना है कि इस धमाके के पीछे केबल की मरम्मत का काम था। इसके कारण बिजली की आपूर्ति में हुई वृद्धि की वजह से विस्फोट हुआ। हालांकि, बुनियादी ढांचे से जुड़े ऊर्जा प्रदाता प्लस एनर्जिया ने ऐसी किसी भी जिम्मेदारी से इनकार किया है। टीआरटी वर्ल्ड के अनुसार, महिला को चोटें आई हैं, लेकिन कथित तौर पर उनकी हालत स्थिर है और उन्हें चिकित्सा सहायता दी जा रही है। विस्फोट के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

रूस और पाकिस्तान के बीच चलेगी मालगाड़ी : अगले साल मार्च में ट्रायल रन

इस्लामाबाद, एजेंसी। रूस और पाकिस्तान के बीच जल्द ही मालगाड़ी सेवा शुरू होगी। इसका ट्रायल रन अगले साल मार्च तक किया जाएगा। रूस से चलकर मालगाड़ी अजरबैजान और ईरान होते हुए पाकिस्तान पहुंचेगी। इसकी जानकारी पाकिस्तान ऊर्जा मंत्री अवैस अहमद खान लेघारी ने रसिया टुडे को दिए इंटरव्यू में दी। लेघारी ने बताया कि दोनों देशों के बीच एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने पर भी बात चल रही है। जल्द ही दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवा शुरू हो सकती है। दो दिन पहले ही रूस और पाकिस्तान के बीच 8 स्न्ब्ल साइन हुए हैं। इनमें स्वास्थ्य, व्यापार और शिक्षा समेत दूसरे कई सेक्टर में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई गई है। पाकमंत्री ने कहा कि इस कॉरिडोर से पाकिस्तान को आर्थिक लाभ के साथ-साथ राजनीतिक लाभ भी होगा। दोनों देशों के बीच लंबे समय से संबंध कुछ खास नहीं रहे है। ऐसे में इस कॉरिडोर के शुरू होने के बाद संबंधों में मजबूती आ सकती है। इससे पहले इस साल जनवरी में पाकिस्तान में रूसी राजदूत ने कहा था कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में बढ़ोत्तरी हो रही है। दोनों देशों के बीच लगभग 1 बिलियन डॉलर का व्यापार होता है। मॉस्को में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली, रूस को भारत से जोड़ने वाले इंटरनेशल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडर (आईएनएसटीसी) में शामिल होने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। जमाली ने कहा था कि पाकिस्तान आईएनएसटीसी से जुड़ने के लिए तैयार है। आईएनएसटीसी एक 7200 किमी लंबा कॉरिडोर है, जो रूस, सेंट्रल एशिया को भारत से ईरान के जरिए जोड़ता है। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को दिए 3 अरब डॉलर के लोन को चुकाने की डेडलाइन 1 साल और बढ़ा दी है। फंड की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान के पास फिलहाल लोन चुकाने के लिए पर्याप्त साधन नहीं थे। सऊदी ने 2021 में पाकिस्तान को 1 साल के लिए ये लोन दिया था। हालांकि बाद में 2022 और 2023 में इसकी डेडलाइन बढ़ाई जाती रही।

2 बसों में जोरदार भिड़ंत, आग में झुलसे 26, 28 घायल, हर तरफ खून ही खून

आइवरी कोस्ट, एजेंसी। आइवरी कोस्ट में शुक्रवार को दो बसों की भीषण टक्कर में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। परिवहन मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि देश के मध्य-पश्चिम में ब्रोकोआ गांव में दो वाहनों की टक्कर हो गई। बयान में कहा गया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मंत्रालय के अनुसार, मारे गए 26 लोगों में से दस की मौत टक्कर के बाद लगी आग में झुलसने से हुई। स्थानीय मीडिया संस्थानों द्वारा प्रसारित किए जा रहे घटनास्थल के वीडियो में दो वाहनों में लगी आग देखी जा सकती है। बयान में कहा गया, ''परिवहन मंत्री ने लोगों से यातायात नियमों का पालन कर अधिक सतर्क रहने की अपील की है।

74 साल की उम्र में दुनिया के सबसे पुराने जंगली पक्षी ने दिया अंडा

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे पुराने जंगली पक्षी ने लगभग 74 साल की उम्र में फिर से अंडा दिया है। यह पक्षी लेसन अल्बाट्रॉस प्रजाति का है और इसका नाम विज्डम है। यह अद्वितीय घटना अमेरिका की मछली और वन्यजीव सेवा ने प्रशांत महासागर में मिडवे एटोल राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य में दर्ज की है। इस दौरान विज्डम को अपने नए साथी के साथ अंडे की देखभाल करते हुए देखा गया। लेसन अल्बाट्रॉस प्रजाति के पक्षी आमतौर पर केवल 12 से 40 साल तक जीवित रहते हैं, लेकिन विज्डम ने अपनी उम्र के साथ इस सीमा को पीछे छोड़ दिया है। इसे पहली बार 1956 में टैग किया गया था, जब यह लगभग पांच साल का था। उस समय विज्डम ने अपना पहला अंडा दिया था। इसके बाद से विज्डम ने 2021 में आखिरी बार बच्चा दिया था और माना जाता है कि उसने अब तक अपने जीवन में 30 से अधिक बच्चों को जन्म दिया है।

जीवनभर एक ही साथी के साथ संबंध : अमरीकी मछली और वन्यजीव सेवा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि विज्डम ने इस साल एक नए साथी के साथ अंडा दिया है, क्योंकि उसका पुराना साथी अकेकामाई पिछले कुछ सालों से गायब है। लेसन अल्बाट्रॉस प्रजाति आमतौर पर जीवनभर एक ही साथी के साथ रहती है, लेकिन विज्डम की उम्र को देखते हुए यह संभव है कि उसने अपने पहले साथी को खो दिया हो। संस्थान के वाइल्डलाइफ बायोलॉजिस्ट जॉन ग्लिसन ने बीबीसी रेडियो 4 पर एक कार्यक्रम में कहा कि विज्डम में अभी भी अंडा देने की ऊर्जा और वृत्ति है। विज्डम की प्रजनन क्षमता अब भी मजबूत है, और उसके अंडे से बच्चा होने की 70-80 प्रतिशत संभावना है। जॉन ने यह भी बताया कि हम हर साल विज्डम के लौटने का बेसब्री से इंतजार करते हैं और उसकी इस यात्रा के दौरान हमें बहुत खुशी होती है।

रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर के नतीजे को अदालत ने पलटा, रूस के दखल की आंशका के बाद फैसला

बुकारेस्ट, एजेंसी। रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर के नतीजे को सर्वोच्च अदालत ने पलट दिया। अदालत ने अपने फैसले में बताया कि प्रक्रिया को फिर से शुरू किया जाना चाहिए। उन्हें इस नतीजे में रूस के शामिल होने का संदेह है, जिसके कारण राजनेता कैलिन जॉर्जेस्कू सबसे आगे निकले। अदालत का यह फैसला राष्ट्रपति क्लॉस इओहानिस के खुफिया जानकारी का खुलासा करने के बाद आया। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान रोमानिया रूसी हमलों का लक्ष्य बन गया था। इस अभियान में कई सोशल मीडिया प्रोफाइल शामिल थे, जो टिकटॉक और टेलीग्राम जैसे प्लेटफार्मों पर जॉर्जेस्कू का समर्थन करते थे। शुक्रवार के फैसले में अदालत ने राष्ट्रपति के चुनाव के लिए पूरी चुनावी प्रक्रिया को रद्द करने का फैसला किया। अगालत ने अपने बयान में कहा, राष्ट्रपति का चुनाव करने के लिए चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह से दोबारा शुरू की जाएगी, और सरकार आवश्यक कदमों के लिए एक नई तारीख तय करेगी। बता दें कि जॉर्जेस्कू अपने यूरोपीय संघ विरोधी और नाटो विरोधी रुख के लिए जाने जाते हैं। 62 वर्षीय कैलिन जॉर्जेस्कु के पास लगभग 23 प्रतिशत वोट थे। वहीं प्रधानमंत्री मार्सेल सिओलाकु 20 प्रतिशत वोट के साथ दूसरे स्थान पर थे। ऐसा माना जा रहा कि जनमत सर्वेक्षण में पांच प्रतिशत वोट पाने वाले जॉर्जेस्कू आठ दिसंबर को एक रन ऑफ वोट में सिओलाकु का सामना करने के लिए तैयार हैं।

चीन की फिर ताइवान को घेरने की कोशिश, समुद्री सीमा के पास 15 एयरक्राफ्ट-नौसैनिक पोत भेजे

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के 15 सैन्य एयरक्राफ्ट और 8 नौसैनिक पोत शनिवार को उसकी सीमा के पास देखे गए। ताइवान की तरफ से कहा गया कि चीन के चार आधिकारिक पोत भी इस दौरान निगरानी के लिए पहुंचे थे। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयानन के मुताबिक, चीन के 15 एयरक्राफ्ट्स में से 11 ने ताइवान जलडमरूमध्य में दोनों देशों के बीच पड़ने वाली सीमा को पार भी किया और ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र (एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन) में पहुंच गए। चीन की इस हरकत के मद्देनजर ताइवान ने भी सीमा के पास एयरक्राफ्ट और नौसैनिक पोत के अलावा तटीय मिसाइल सिस्टम को सक्रिय कर दिया। ताइवान का कहना है कि वह चीन की हरकतों पर निगरानी रख रहा है। एक दिन पहले यानी शुक्रवार को भी चीन के 16 एयरक्राफ्ट और 13 नौसैनिक पोतों के अलावा दो आधिकारिक जहाज ताइवान की सीमा के पास देखे गए थे। दिसंबर में अब तक ताइवान ने चीनी सैन्य हवाई जहाजों को 71 बार समुद्री सीमा के करीब देखा है, जबकि उसके नौसैन्य पोतों को 50 बार सीमा के करीब पाया गया। सितंबर 2020 के बाद से ही चीन ने ताइवान की समुद्री सीमा के करीब अपने सैन्य एयरक्राफ्ट और नौसैनिक पोतों की संख्या बढ़ाई है।

ताइवान को अपना हिस्सा मानता है चीन : चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। अब तक चीन ने सीधे ताइवान पर आक्रमण नहीं किया है, लेकिन वो ये सब कुछ ग्रे जोन में करता है। ये चीन की सेना का एक पैंतरा है, जिससे वो सीधे युद्ध तो नहीं करती लेकिन ये शक्ति प्रदर्शन करती है। यहां ग्रे जोन का मतलब है कि कोई देश सीधा हमला नहीं करता है लेकिन इस तरह का डर हमेशा बनाए रखता है। सीधे सैन्य कार्रवाई की जगह, ऐसी कई चीजें होती रहती हैं, जिनसे हमले का डर बना रहता है। ताइवान के साथ चीन यही कर रहा है। चीन सितंबर 2020 से ग्रे जोन रणनीति का अधिक बार उपयोग कर रहा है। जानकारों का कहना है कि ग्रे जोन युद्ध रणनीति दरअसल, एक तरीका है, जिससे लंबी अवधि में धीरे-धीरे प्रतिद्वंद्वी को कमजोर कर दिया जाता है और चीन ताइवान के साथ ठीक यही करने की कोशिश कर रहा है।

महात्मा गांधी की राह पर इमरान खान ! पाक सरकार को 14 दिसंबर से सविनय अवज्ञा आंदोलन की दी चेतावनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लगता है महात्मा गांधी की राह पर चलते नजर आ रहे हैं। इमरान ने पाकिस्तान सरकार को चेतावनी दी है कि अगर उनकी दो प्रमुख मांगें पूरी नहीं हुई, तो 14 दिसंबर से सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने यह घोषणा अपने असफल प्रदर्शन के बाद की, जिसमें उनकी रिहाई और अन्य मांगों को लेकर पूरे देश से उनके समर्थक इस्लामाबाद पहुंचे थे। इमरान खान की मांग है कि 9 मई 2023 की घटनाओं की स्वतंत्र जांच के लिए न्यायिक आयोग बनाया जाए ञ्जद्ध प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच हो। और न प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार सभी क्क्षद्ध कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा किया जाए।

इमरान खान ने सरकार से वार्ता के लिए पांच सदस्यीय समिति बनाई है। इसमें उमर अयूब खान, अली अमीन गंडापुर, साहिबजादा हामिद रजा, सलमान अकरम राजा और असद कैसर शामिल हैं। यह समिति उनकी मांगों को लेकर सरकार से चर्चा करेगी। इमरान खान ने जेल से संदेश दिया कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 14 दिसंबर से सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू होगा। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन में लोग सरकार के आदेशों का पालन नहीं करेंगे और इसके परिणामों की जिम्मेदारी सरकार पर होगी। इमरान खान की रिहाई और अन्य मांगों के लिए क्क्षद्ध ने इस्लामाबाद में बड़ा प्रदर्शन किया था। क्क्षद्ध का दावा है कि इस प्रदर्शन में 12 कार्यकर्ता मारे गए और करीब 1000 गिरफ्तार हुए।

सरकार ने इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर हमला किया, जिसमें तीन रेंजर्स और एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। इमरान खान ने 13 दिसंबर को पेशावर में मारे गए क्क्षद्ध कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए एक बड़ी सभा का ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि वह मामले का संज्ञान ले और अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाए। इमरान खान की चेतावनी और क्क्षद्ध का आंदोलन पाकिस्तान में पहले से जारी राजनीतिक संकट को और गहरा सकता है। अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुई, तो 14 दिसंबर से देश में बड़ा आंदोलन शुरू होने की संभावना है, जिससे सरकार और क्क्षद्ध के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

अलेप्पो-हमा के बाद असद की सेना से छिना दरा का नियंत्रण, तेजी से राजाधानी दमिश्क की तरफ बढ़ रहे विद्रोही

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में बशर अल-असद की सरकार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। दरअसल, इस्लामवादियों के नेतृत्व में विद्रोहियों का गठबंधन लगातार देश की राजधानी दमिश्क की तरफ बढ़ रहा है। इस बीच यह विद्रोही रास्ते में सीरियाई सेना को हराते हुए कई अहम शहरों पर भी कब्जा करते जा रहे हैं। अलेप्पो और हमा के बाद अब विद्रोहियों ने सीरिया के दरा शहर को भी कब्जा लिया है।

2011 में सीरियाई गृह युद्ध के दौरान जब मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने सरकार पर कुछ लड़कों के समूह को हिरासत में लेकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था, तब दरा को क्रांति का पालना भी कहा गया था। यहां स्कूल की दीवारों पर असर-विरोधी पेंटिंग्स भी बनाई गई थीं। बताया गया है कि जॉर्डन की सीमा के करीब स्थित दरा पर स्थानीय सशस्त्र बल ने कब्जा किया है। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के मुताबिक, दरा प्रांत के अधिकतर इलाकों को स्थानीय धड़ों ने कब्जा लिया है। वे अब इस प्रांत के 90 फीसदी इलाकों पर कब्जा कर लिया है। इन सभी जगहों से असद की सेना को पीछे धकेल दिया गया है। गौरतलब है कि रूस और ईरान के समर्थन के बावजूद इन क्षेत्रों में युद्धबंदी लागू नहीं रह पाई और हिंसा की घटनाएं लगातार जारी रही है। जानकारों की मानें तो जिस गति से विद्रोही इस बार सीरिया में एक के बाद एक शहरों पर कब्जा कर रहे हैं, वह अभूतपूर्व है।

27 नवंबर से जारी है संघर्ष : सीरिया में बीते 27 नवंबर से सेना और इस्लामी चरमपंथी विद्रोही समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेतृत्व में विद्रोहियों के बीच संघर्ष शुरू हुआ। इसके बाद विद्रोहियों ने पहले अलेप्पो और फिर हमा शहर पर कब्जा कर लिया। सीरियाई सेना ने एलान करते हुए बताया कि विद्रोहियों ने शहर में डिफेंस लाइन को तोड़ दिया था, जिसके बाद उन्होंने पीछे हटने का फैसला किया।

सीरिया में 2011 में शुरू हुआ गृह युद्ध : 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हुई थी। सीरिया के लोगों ने 10 साल से सत्ता में काबिज बशर अल-असद सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए। इसके बाद फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सऊदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच, सीरिया में आतंकवादी संगठन आईएसआईएस ने भी पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छिटपुट झड़प ही हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, एक दशक तक चले गृहयुद्ध में 3 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके अलावा लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा था।

मार्शल लॉ को लेकर दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने मांगी माफी; बोले- सब कुछ पार्टी को सौंप दूंगा

सियोल, एजेंसी। इस हफ्ते राष्ट्रपति ने देश में मार्शल लॉ लागू किया था। मार्शल लॉ सिर्फ छह घंटों तक ही लागू रहा, क्योंकि नेशनल असेंबली (संसद) में मतदान कराया गया और राष्ट्रपति के आदेश को पलट दिया गया। इसके बाद से ही वह मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और कुछ अन्य छोटे दलों के निशाने पर हैं। उनके खिलाफ महाभियोग भी लाया गया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने शनिवार को देश की जनता से माफी मांगी। उन्होंने देर रात देश को संबोधित करते हुए कहा कि मैं सिर झुकाकर लोगों से अपने फैसले के लिए माफी मांगता हूं। मैंने सब कुछ अपनी पार्टी पर सौंप दिया है। अब जैसा पार्टी तय करेगी, वैसा ही मैं करूंगा। दरअसल, इस हफ्ते राष्ट्रपति ने देश में मार्शल लॉ लागू किया था। मार्शल लॉ सिर्फ छह घंटों तक ही लागू रहा, क्योंकि नेशनल असेंबली (संसद) में मतदान कराया गया और राष्ट्रपति के आदेश को पलट दिया गया। इसके बाद से ही वह मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और कुछ अन्य छोटे दलों के निशाने पर हैं। उनके खिलाफ महाभियोग भी लाया गया है। उन्होंने कहा, मेरे साथी नागरिकों, मैंने 3 दिसंबर को रात 11 बजे आपातकालीन मार्शल लॉ घोषित किया था। लगभग दो घंटे बाद 4 दिसंबर को लगभग एक बजे मैंने मार्शल लॉ हटाने का आदेश दिया। मैंने सशस्त्र बलों को वापस बुला लिया। ऐसा मैंने नेशनल असेंबली के प्रस्ताव के हिसाब से किया। इसके बाद मैंने देर रात कैबिनेट की बैठक बुलाई और मार्शल लॉ हटा दिया। उन्होंने कहा, राष्ट्र के प्रमुख के रूप में हताशा के कारण मार्शल लॉ की घोषणा की गई थी, लेकिन इस प्रक्रिया में लोगों को चिंता और परेशानी हुई। मुझे इसके लिए गहरा खेद है। मैं उन लोगों से ईमानदारी से माफी मांगता हूं, जिसे इससे तकलीफ हुई। मैं मार्शल लॉ की इस घोषणा के लिए अपनी कानूनी और राजनीतिक जिम्मेदारी से नहीं बचूंगा। मार्शल लॉ को फिर से लागू करने की बात चल रही है, लेकिन मैं स्पष्ट कर दूं कि दूसरा मार्शल लॉ कभी नहीं होगा। उन्होंने कहा, मेरे साथी नागरिकों, मैं अपने कार्यकाल सहित देश को स्थिर करने का काम अपनी पार्टी को सौंपूंगा। भविष्य में देश के मामलों के प्रबंधन के लिए मेरी पार्टी और सरकार जिम्मेदार होगी। मैं एक बार फिर सिर झुकाकर लोगों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगना चाहता हूं। योल ने मार्शल लॉ लगाने की क्या वजह बताई थी? यून सुक योल ने बताया था कि उन्होंने मार्शल लॉ का एलान देश के उदार लोकतंत्र की सत्ता-विरोध ताकतों और उत्तर कोरिया की तरफ से खड़े हो रहे खतरों से सुरक्षा करने के लिए किया। हालांकि, उन्होंने अपने फैसले पर इसके आगे कोई जानकारी नहीं दी। इस बीच अंदाजा लगाया जा रहा था कि योल की असल नाराजगी दक्षिण कोरिया की विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी से है, जिसने हाल ही में देश के अगले साल खर्च के लिए तय 677 ट्रिलियन वॉन के बजट से 4.1 ट्रिलियन वॉन की कटौती की है। इस पर राष्ट्रपति ने कहा था कि विपक्ष ने देश चलाने के लिए सभी अहम जरूरतों के खर्च में कटौती करना शुरू कर दिया है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद अब राष्ट्रपति यून सुक योल पर दबाव बढ़ता जा रहा है। विपक्षी पार्टियों ने उन्हें अल्टीमेटम दिया है।

सड़क दुर्घटनाओं में भारत का रिकॉर्ड ऐसा कि, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में मुंह छिपाना पड़ता है: गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सत्ता पक्ष से विपक्षी दलों में सर्वाधिक लोकप्रिय मंत्री के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी संसद में अपनी साफगोई और स्पष्टवादिता के लिए जाने जाते हैं। मुद्दा चाहे किसी भी दल के जनप्रतिनिधि का हो, गडकरी की कार्यशैली से प्रभावित हुए बिना कोई रह नहीं सकता।

गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा में केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के एक वक्तव्य से हर कोई दंग रह गया। जिसमें उन्होंने देश में लगातार बढ़ती जा रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर अपनी गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि 'सड़क दुर्घटनाओं में कमी तो भूल जाइए, मुझे ये कहने में कोई झिझक नहीं है कि विश्व स्तर पर इस मामले में भारत का सबसे गंदा रिकॉर्ड है। मैं सड़क दुर्घटनाओं पर चर्चा के लिए होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुंह छिपाने की कोशिश करता हूं'। स्वीडन ने हालांकि दुनिया में जीरो दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है।

सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा बताते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि देश में सालाना होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा 1.78 लाख है। उत्तर प्रदेश इस मामले में शीर्ष पर है। वहां सड़क दुर्घटनाओं के 23 हजार 652 मामले सामने आए हैं। यह कुल दुर्घटनाओं का करीब 13.7 फीसदी होता है। इसके बाद तमिलनाडु में 18 हजार 347 मामले सामने आए। जो कि 10.6 फीसदी होता है। तीसरे स्थान पर 15 हजार 366 मामलों के साथ महाराष्ट्र (9 फीसदी) है। चौथे स्थान पर 13 हजार 798 मामलों के साथ मध्य प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा 8 फीसदी पर रहा। इन चारों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात कर मामले में सुधार की कोशिश का तर्क गडकरी ने सदन के समक्ष दिया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के शहरों में सामने आए मामलों के बारे में बताते हुए कहा कि दिल्ली में 1 हजार 457 मामले, बेंगलुरु में 915 और जयपुर में 850 सड़क दुर्घटना के मामले सामने आ चुके हैं।

50 फीसदी के लक्ष्य तक पहुंचने से कोसो दूर

गडकरी ने कहा कि मंत्रालय ने मौजूदा साल के अंत तक देश में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े में 50 फीसदी की कटौती का लक्ष्य रखा था। इसे हम हासिल नहीं कर सके। बल्कि यह बढ़ गए हैं। यह हमारे लिए बड़ी चिंता का विषय है कि दुर्घटनाओं में 60 फीसदी मौतें 18 से 34 साल के युवाओं की हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी सांसदों से सहयोग करने का आह्वान किया। गडकरी ने कहा कि इस मामले में समाज के सहयोग की बेहद आवश्यकता है। लोग कानून का सम्मान नहीं करते जिसकी वजह से सड़क हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी केंद्रीय मंत्री को मामले पर सदन के सभी सदस्यों को पुनः पत्र लिखकर सहयोग करने की अपील की। जिसे उन्होंने स्वीकार किया।

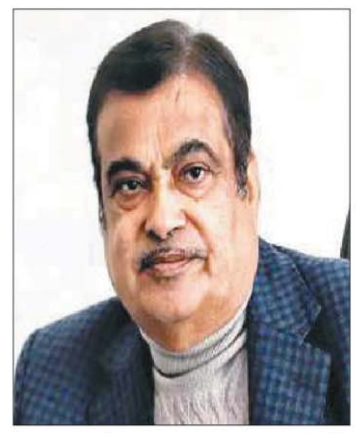

निजी अस्पताल में लगी आग, 7 की मौत, कई झुलसे

-मरने वालों में एक बच्चा और तीन महिलाएं शामिल, तीन गंभीर

चेन्नई। तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एक निजी अस्पताल में गुरुवार रात आग लगने से अब तक सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई झुलस गए। मरने वालों में एक बच्चा और तीन महिलाएं शामिल हैं। तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक आग गुरुवार रात लगी। सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया। अस्पताल में फंसे लोगों को निकालने के लिए फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। इसके बाद लोगों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस और निजी एम्बुलेंस के जरिए दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। आग डिंडीगुल जिले के तिरुचि रोड स्थित चार मंजिला अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर पर लगी थी। इसके बाद धीरे-धीरे आग ने पूरे अस्पताल को अपनी चपेट में ले लिया। शुरुआती जांच में आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हादसे के बाद ग्रामीण विकास मंत्री पहुंची। इस हादसे को लेकर डिंडीगुल की जिला कलेक्टर ने कहा कि रात 10 बजे निजी अस्पताल में आग लगी थी। खबर मिलते ही रेस्क्यू किया गया। मरीजों को बचाकर पास के सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जिनका इलाज चल रहा है।

400 यात्री भूखे-प्यासे 24 घंटे इस्तांबुल एयरपोर्ट पर फंसे रहे

नई दिल्ली । नई दिल्ली से मुंबई और तुर्किये के बीच यात्रा करने वाले 400 यात्री भूखे-प्यासे 24 घंटे इस्तांबुल एयरपोर्ट पर फंसे रहे। उड़ान में देरी की वजह से यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। वहीं एयरलाइन का कहना था कि परिचालन संबंधी दिक्कत की वजह से यात्रियों को दिक्कत हुई। परेशान यात्रियों ने सोशल मीडिया पर बताया कि बिना ठहरने की उचित व्यवस्था और खाना के वे ठंड में एयरपोर्ट पर ही इंतजार करते रहे। एक यात्री ने कहा, हमारी इस्तांबुल से दिल्ली के लिए फ्लाइट थी। करीब 500 यात्री एयरपोर्ट पर ही फंस गए। उड़ान का समय रात का 8 बजकर 10 मिनट था। लेकिन यह फ्लाइट अगले दिन दोपहर 1 बजकर 30 मिनट के लिए शेड्यूल कर दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक यात्री ने कहा कि दिल्ली के लिए फ्लाइट कैंसल कर दी गई। आने-जाने की सुविधा और ठहरने की सुविधा के बिना यात्रियों को सात डिग्री के तापमान में एयरपोर्ट पर ही ठिठुरना पड़ा। एक अन्य यात्री ने कहा कि इंडिगो की फ्लाइट डिजास्टस साबित हुई। यह फ्लाइट करीब 20 घंटे लेट हो गई। यात्रियों ने बताया कि पहले उड़ान को दो घंटे देरी से बताया गया। इसके बाद अचानक विमान को रद्द कर दिया गया। इसके बाद बताया गया कि अब उड़ान 12 घंटे बाद के लिए शेड्यूल कर दी गई है। इसके बाद सारे यात्री फंस गए। कुछ लोग बीमार भी थे। ना यात्रियों को भोजन दिया गया और ना ही रुकने की जगह। इंडिगो के किसी कर्मचारी ने यात्रियों से संपर्क भी नहीं किया।

विजय दिवस समारोह में शामिल हो सकता है बांग्लादेश का प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता । बांग्लादेश के एक प्रतिनिधिमंडल के 16 दिसंबर को कोलकाता में आयोजित होने वाले विजय दिवस समारोह में शामिल होने की संभावना है। रक्षा सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सोलह दिसंबर, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत की याद में हर साल 'विजय दिवस' मनाया जाता है। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी शासन का विरोध करने वाले गुरिल्ला प्रतिरोध बल का हिस्सा रहे 'मुक्ति योद्धा' और बांग्लादेश सशस्त्र बलों के सेवारत अधिकारियों का एक बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल हर साल कोलकाता में भारतीय सेना की पूर्वी कमान द्वारा आयोजित 'विजय दिवस' समारोह में शामिल होता है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि 16 दिसंबर के समारोह में बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हो सकता है, हालांकि उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की संख्या के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। सेना की पूर्वी कमान 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में विजय दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्वी कमान मुख्यालय के मेजर जनरल-जनरल स्टॉफ (एमजीजीएस) मेजर जनरल मोहित सेठ ने हाल में कहा था कि 16 दिसंबर को फोर्ट विलियम में विजय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा था कि 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले पूर्व सैनिक भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

टॉफी के रैपर में छिपाकर रखा 17 लाख रुपये का सोना

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने चेकिंग के दौरान यात्री के कब्जे से टॉफी के रैपर में छिपाकर रखा 17 लाख रुपये से ज्यादा का सोना जब्त किया है। इसकी जानकारी कस्टम विभाग ने आधिकारिक बयान में दी। सीमा शुल्क विभाग की ओर से बताया गया कि राजस्थान के 22 वर्षीय भारतीय पुरुष यात्री दोहा से दिल्ली पहुंचा। जहां एयरपोर्ट पर शख्स ने यात्रा के बाद कस्टम अधिकारियों को चकमा देने की कोशिश की। लेकिन अधिकारियों के सामने उसकी चालाकी नहीं चली। अधिकारियों ने उसके सामान से बहुत सारी टॉफी बरामग की। लेकिन जांच में पता चला कि उस शख्स ने टॉफी के रैपर में 240 ग्राम (करीब) सोने की चेन छिपाकर रखी थी। अधिकारियों ने फौरन उस सोने को जब्त किया। जब्त किए गए सोने की कीमत 17.47 लाख रुपये है। सीमा शुल्क विभाग ने बताया तेज निगाह वाले अधिकारियों ने बैगेज एक्स-रे के दौरान संदिग्ध तस्वीरें देखीं, जिससे यह मीठी खोज हुई! जीवन भले ही चॉकलेट के डिब्बे जैसा हो, लेकिन सीमा शुल्क विभाग हमेशा आखिरी चीज चुनता है!

श्वान पालने वालों के लिए बड़ी खबर, 1 जनवरी से अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य

अहमदाबाद। शहर में श्वान पालने के शौकीनों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। शहर में आवारा पशुओं पर अंकुश के बाद अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने पालतु श्वान को लेकर बड़ा फैसला किया है। जिसके मुताबिक घर में श्वान रखने वालों को अब उसका पंजीकरण कराना होगा और यह नियम 1 जनवरी 2025 से लागू हो जाएगा। जानकारी के मुताबिक एएमसी ने घर में पालतु श्वान रखने के लिए पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। 1 जनवरी से पालतु श्वान का पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा। इतना ही नहीं पालतु श्वान और उसके रखने की जगह की तस्वीर भी एएमसी को उपलब्ध करानी होगी। पालतु श्वान रखने के लिए रु. 200 का भुगतान कर पंजीकरण कराना होगा और श्वान की तस्वीर एएमसी की वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी। पालतु श्वान के पंजीकरण के लिए आवेदक को अपनी तस्वीर के अलावा अपना आधार या चुनाव कार्ड, बिजली बिल, पालतु श्वान की फोटो और उसे रखने की जगह की तस्वीर देनी होगी। इतना ही नहीं पालतु श्वान का अनिवार्य रूप से टीकाकरण भी करवाना होगा। अहमदाबाद शहर में जिन नागरिकों को अपने घर में श्वान पाल रखा है उन्हें 1 जनवरी 2025 से 90 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। ताकि एएमसी के पास आपके पालतु श्वान का संपूर्ण ब्यौरा उपलब्ध रहेगा।

अखिलेश का केंद्र पर हमला, देश की सीमाएं आज खतरे में और सुरक्षा में सेंध लगी हुई

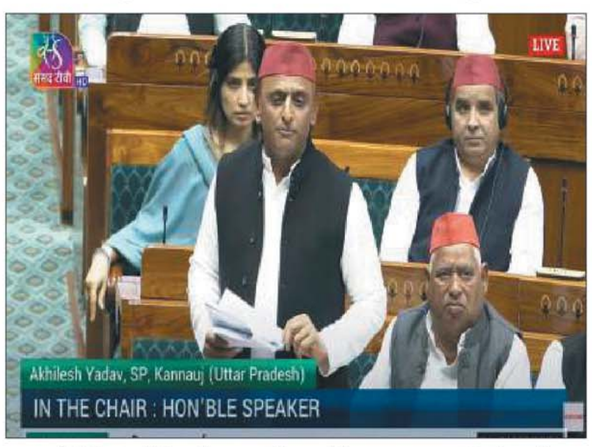

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में संविधान पर चल रही चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर संविधान के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का हनन करने और अल्पसंख्यकों को हाशियों पर धकेलने का आरोप लगाया। यादव ने कहा कि देश की सीमाएं आज खतरे में हैं। उन्होंने कहा, सीमाओं की रक्षा करना किसी भी सरकार का प्राथमिक कर्तव्य है, लेकिन वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सीमाएं सिकुड़ रही हैं और सीमा सुरक्षा में सेंध लगने की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने देश में बढ़ती आर्थिक विषमता पर चिंता जताकर कहा, आज 82 करोड़ लोग सरकारी अन्न पर निर्भर हैं, जबकि मोदी सरकार अर्थव्यवस्था को ऊंचाई पर बताती है। उन्होंने सवाल उठाया कि देश की 60 प्रतिशत आबादी की प्रति व्यक्ति आय क्या है?

अल्पसंख्यकों के अधिकार और सुरक्षा

सपा प्रमुख अखिलेश ने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों, को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उनके खिलाफ हिंसा और संपत्ति नुकसान की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। अखिलेश यादव ने संविधान को लोकतंत्र की प्राणवायु और 90 प्रतिशत जनता का सुरक्षा कवच बताया। उन्होंने कहा, संविधान की प्रस्तावना इसकी आत्मा है और यही हमें समानता और न्याय की दिशा में ले जाती है।

दिल्ली के बाद अब रांची में बढ़ा वायु प्रदूषण, जमशेदपुर-धनबाद भी पीछे नहीं

-खुले में सांस लेना हुआ खतरनाक, मास्क लगाने की दी जा रही सलाह

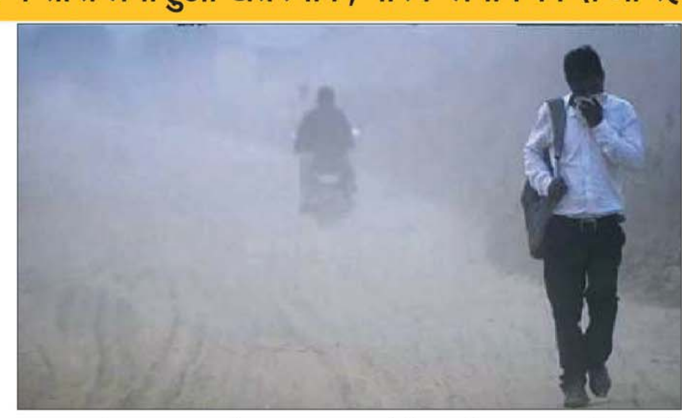

रांची (एजेंसी)। एक तरफ ठंड की मार लोग झेल रहे हैं वहीं दिल्ली की हवा भी प्रदूषित है। अब दिल्ली के साथ ही झारखंड के भी हालात बिगड़ने लगे हैं। दूषित हवा के मामले में जमशेदपुर कुछ दिनों पहले टॉप पर था लेकिन दो दिनों से वहां कुछ सुधार हुआ है अब टॉप पोजीशन पर रांची आ गया है। जी हां! पिछले दो दिनों से एयर क्वालिटी इंडेक्स रिपोर्ट में रांची 200 से पार पहुंच गया है।

वहीं, जमशेदपुर व धनबाद का आंकड़ा भी 150 के ऊपर चला गया। ताजा आंकड़ा भी काफी निराशाजनक है जिसे लेकर लोगों को सचेत रहना होगा। वहीं, घर से बाहर निकले तो मास्क जरूर लगाएं। एयर क्वालिटी इंडेक्स के मुताबिक पिछले 24 घंटे में रांची में प्रदूषण का स्तर सबसे ऊपर रहा। यहां एक्युआई का आंकड़ा 233, जमशेदपुर का 165 और धनबाद का 162 दर्ज किया गया है। जो सामान्य से ऊपर है। वहीं, आज रांची का सबसे ज्यादा 225, धनबाद का 166 और जमशेदपुर का 165 रहने की संभावना है। इन शहरों में खुले में सांस लेना खतरनाक हो सकता है। ऐसे में लोगों को मास्क लगाने की सलाह दी जा रही है।

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की ओर से प्रदूषण वाले शहर के लोगों को सावधान रहने की सलाह दी जा रही है। लोगों से घर के बाहर निकलने पर मास्क जरुर लगाने को कहा जा रहा है। वहीं घर के दरवाजे-खिड़की को ज्यादातर बंद रखने को कहा है ताकि घर के अंदर धूलकण आने से रोका जा सके। संभव हो तो घर में एयर प्यूरीफायर लगा सकते हैं। बाहर धूल या गंदी जगहों पर बच्चों को खेलने न दें।

बता दें 0 से 50 के बीच में एयर क्वालिटी इंडेक्स अच्छा माना जाता है। वहीं, 51 से 100 के बीच सामान्य, 101 से 200 के बीच खराब, 201 से 300 के बीच अनहेल्दी, 301 से 400 के बीच सर्वर और 401 से 500 के बीच खतरा यानी यह डेंजर जोन में आता हैं इसलिए वायु प्रदूषण के बचने के लिए चेतावनी और अपील की जा रही है।

केंद्रीय नेतृत्व ने फडणवीस को खुली छूट, मंत्रिमंडल का गठन अपने हिसाब से करें

मुंबई । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कथित तौर पर महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के गठन के संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को खुली छूट दे दी है। प्रोफाइल और विभाग आवंटित करने की जिम्मेदारी सीएम फडणवीस की ही होगी। राज्य के लिए महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार 14 दिसंबर को होगा। रिपोर्ट के अनुसार, बीजेपी को 20 मंत्री पद मिलने की उम्मीद है, जबकि शिवसेना और एनसीपी को 10-10 विभाग मिलने की उम्मीद है। महाराष्ट्र के नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना चुका है। महाराष्ट्र भी विकास की कहानी का हिस्सा बनने की इच्छा रखता है। सीएम फडणवीस ने कहा कि उनके मंत्रिमंडल में भाजपा के संभावित मंत्रियों के नाम शॉर्टलिस्ट कर लिए गए हैं और अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। पिछले माह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने भारी जीत दर्ज की थी। भाजपा-शिवसेना-राकांपा गठबंधन ने 230 सीटें जीतीं, जबकि गठबंधन का हिस्सा छोटे दल पांच सीटों पर विजयी रहे। फडणवीस के अलावा, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजनीति, उद्योग और मनोरंजन क्षेत्र के कई नेताओं की उपस्थिति में उपमुख्यमंत्रियों के रूप में शपथ ली। फडणवीस ने सत्ता-साझाकरण समझौते पर सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच मतभेदों की रिपोर्टों को भी खारिज कर दिया।

दिल्ली बीजेपी ने 5000 पन्नों के सबूतों के साथ अवैध रोहिंग्या, बांग्लादेशी, डुप्लीकेट और फर्जी पते वाले मतदाताओं के खिलाफ आपत्ति दर्ज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य दो चुनाव आयुक्तों से मुलाकात कर दिल्ली की मतदाता सूची में लाखों अवैध घुसपैठियों (रोहिंग्या और बांग्लादेशी मूल के), डुप्लीकेट, फर्जी पते वाले और मृत लोगों के नाम शामिल होने का विरोध दर्ज कराया। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग इन शिकायतों को प्राथमिकता से कानूनी आधार पर हल करे ताकि दिल्ली विधानसभा चुनाव पारदर्शी और निष्पक्ष हों।

वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल में बीजेपी की चुनाव समन्वय समिति के राष्ट्रीय संयोजक ओम पाठक, केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता सुबांसुरी स्वराज, दिल्ली बीजेपी मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर और दिल्ली बीजेपी चुनाव समिति के संयोजक अधिवक्ता संकेत गुप्ता शामिल थे।

वीरेंद्र सचदेवा ने ECI को 5000 पन्नों के प्राथमिक सबूतों के साथ विस्तृत प्रस्तुति दी। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने चुनाव आयोग को बताया कि यह हैरानी की बात है कि हर बार लोकसभा चुनाव समाप्त होने और विधानसभा चुनाव शुरू होने के बीच लाखों नए मतदाता पंजीकृत होते हैं। यह संख्या वार्षिक मतदाता सारांश संशोधन की सामान्य प्रक्रिया से काफी अधिक होती है।

सचदेवा ने कहा कि अगस्त 2024 के चुनाव आयोग के एक सर्कुलर के आधार पर, बीजेपी कार्यकर्ता दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में जांच कर रहे हैं और पाया है कि बड़ी संख्या में अवैध रोहिंग्या और बांग्लादेशी मतदाता पंजीकृत हैं। इसके अलावा, डुप्लीकेट, फर्जी पते और मृत मतदाता भी बड़ी संख्या में सूची में शामिल हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से अपील की कि अवैध मतदाताओं के पंजीकरण और नकली मतदान के खिलाफ अभियान चलाया जाए। उन्होंने मीडिया और रेडियो अभियानों के जरिए ऐसे मतदाताओं को सख्त चेतावनी देने की भी मांग की।

बांसुरी स्वराज ने दिए कानूनी सबूत

सुबांसुरी स्वराज ने 18 मजबूत सबूतों की सूची प्रस्तुत की, जिनमें रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के पंजीकरण का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि कैसे कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों में एक ही परिवार के व्यक्ति अलग-अलग EPIC नंबरों के साथ बार-बार पंजीकृत हैं। उन्होंने ऐसे मामलों का जिक्र किया जहां एक ही समुदाय के मतदाता गैर-मौजूद पते पर पंजीकृत हैं या एक ही परिवार के सदस्य एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकृत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बीएलओ अपने पवित्र कर्तव्य को निभाने में विफल हो रहे हैं। हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी के गलत प्रचार पर चुनाव आयोग को विरोध से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बीजेपी केवल घुसपैठियों और फर्जी पते वाले मतदाताओं का विरोध कर रही है, न कि भारतीय मूल के मतदाताओं का। उन्होंने चुनाव आयोग से मीडिया के माध्यम से इस मामले पर स्पष्टता देने का अनुरोध किया।

पुरुषो के खिलाफ दहेज कानून के दुरुपयोग को रोकने की मांग

बेंगलुरु इंजीनियर अतुल सुभाष आत्महत्या के बाद सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु स्थित एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की आत्महत्या के बाद दहेज कानूनों के दुरुपयोग और दुरुपयोग के लिए दिशानिर्देश पेश करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। उत्तर प्रदेश के 34 वर्षीय तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष की मंगलवार को बेंगलुरु में उनके आवास पर आत्महत्या से मृत्यु हो गई। सुभाष ने 24 पन्नों का एक नोट और 1.5 घंटे लंबा एक वीडियो छोड़ा, जिसमें अपनी अलग रह रही पत्नी और उसके परिवार पर उत्पीड़न और उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का आरोप लगाया गया।

वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका में अदालत से केंद्र को अपने पहले के फैसले में की गई टिप्पणियों को लागू करने का निर्देश देने की मांग की गई। अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के दुरुपयोग को चिह्नित किया था, जहां पति और उसके रिश्तेदारों को पत्नी के खिलाफ घरेलू क्रूरता का आरोप लगाते हुए अनावश्यक रूप से आपराधिक मामलों में घसीटा जाता है। इसने अदालत से मौजूदा दहेज और घरेलू हिंसा कानूनों की समीक्षा और सुधार करने और उनके दुरुपयोग को रोकने के उपाय सुझाने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों, वकीलों और कानूनी न्यायविदों की एक विशेषज्ञ समिति बनाने के निर्देश जारी करने की भी मांग की। याचिका में यह भी मांग की गई है कि विवाह पंजीकरण में विवाह के दौरान दिए गए सामान और उपहारों को भी दर्ज किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा था कि अदालतों को दहेज उत्पीड़न के मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि कानून का दुरुपयोग रोका जा सके और पति के रिश्तेदारों को फंसाने की प्रवृत्ति को देखते हुए परिवार के निर्दोष सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सके।

अमेरिका ने क्यों नहीं सौंपा खालिस्तानी आतंकी पन्नू का बैंक डिटेल, इसके पीछे क्या है मंसूबा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को से जुड़ा बड़ा अपडेट सामने आया है। भारत ने एक मामले में अमेरिका से आतंकी पन्नू के बैंक खातों और मोबाइल नंबर्स की डिटेल मांगी थी। वॉशिंगटन ने जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। भारत और अमेरिका के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग करने का करार है, इसके बावजूद भारतीय जांच एजेंसी की मांग को ठुकरा दिया। बता दें कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को भारत ने यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया हुआ है। उस पर कई संगीन धाराओं में मामला दर्ज है। बता दें कि पन्नू ने पंजाब और हरियाणा में स्वतंत्रता दिवस से पहले इमारतों पर तिरंगे की जगह खालिस्तान का झंडा फहराने वाले को 2,500 डॉलर देने की घोषणा की थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने एक गंभीर मामले की छानबीन के दौरान अमेरिका से खालिस्तानी आतंकी पन्नू के बैंक खातों की डिटेल और मोबाइल फोन नंबर्स का ब्योरा मांगा। रिपोर्ट की मानें तो अमेरिका ने भारत के इस आग्रह को ठुकराते हुए इनसे जुड़ी जानकारियां साझा करने से इनकार कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने घरेलू कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए बैंक अकाउंट डिटेल और मोबाइल फोन नंबर्स का ब्योरा साझा करने से इनकार कर दिया।

अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि जिस अपराध के लिए एनआईए की ओर से जानकारी मांगी गई थी, उसके लिए अमेरिका में सिर्फ 1 साल जेल का प्रावधान है। ऐसे में संबंधित अपराध के लिए इस तरह की जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई जा सकती हैं।एनआईए ने चार साल से भी ज्यादा पुराने मामले में पन्नू से जुड़ी डिटेल अमेरिका से मांगी थी. दरअसल, 14 अगस्त 2020 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर दो लोगों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर मोगा के जिला प्रशासनिक परिसर में प्रवेश किया. उन्होंने छत पर खालिस्तान का झंडा फहराया और तिरंगे का अपमान किया। तत्कालीन मोगा एसएसपी हरमनबीर सिंह गिल ने कहा था कि दोनों लोगों की तस्वीरें सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थीं. इस मामले में फरार पन्नू के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया था। एनआईए इस मामले की जांच कर रही है.